SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 62 | गुवाहाटी | रविवार, 29 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पीपीएफए ने 1951 को कट-ऑफ वर्ष के रूप में अपनाने का आग्रह किया पेज 3
गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात से प्रतिबंध हटा, चावल की दूसरी किस्मों... पेज 4
अगर हम इतिहास को नहीं जानते तो हमारा पतन निश्चित है : ले. कर्नल राव पेज 5
गो-संरक्षण : योगी सरकार ने 27 हजार हेक्टेयर से अधिक गोचर भूमि को कराया कब्जा मुक्त पेज 8

मुख्यमंत्री ने एनआरसी संशोधन के लिए एससी का रुख किया, कहा-

2019 की प्रक्रिया पहला चरण

गुवाहाटी। असम सरकार ने राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) में संशोधन के लिए कथित तौर पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, जिसमें कहा गया है कि 2019 एनआरसी केवल *इस अभ्यास का पहला चरण* था। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को झारखंड में एक कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी, जहां वे राज्य विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा के सह-प्रभारी हैं। इस बात पर जोर देते हुए कि सरकार और अधिक अवैध प्रवासियों की पहचान करने की योजना बना रही है, शर्मा ने इस बात को रेखांकित किया कि असम एक महत्वपूर्ण *जनसांख्यिकीय बदलाव* से गुजर रहा है और उन्होंने पहचाने गए अवैध प्रवासियों को वापस बांग्लादेश भेजने की अपनी सरकार की मंशा दोहराई। मुख्यमंत्री ने प्रेस को बताया कि असम में हमने एनआरसी प्रक्रिया का एक चरण पूरा कर लिया है, जिसमें 14 लाख लोगों की पहचान की गई है। हमने सर्वोच्च न्यायालय से अनुरोध किया है कि हमें एक और अवसर दिया जाए। अगर हमें अवसर दिया जाता है, तो हमें विश्वास है कि असम में रहने वाले विदेशियों की संख्या बढ़ जाएगी। मुख्यमंत्री के बयान ने असम में संशोधित एनआरसी की उम्मीदें फिर से जगा दी हैं, क्योंकि भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने 2019 की प्रक्रिया को *दोषपूर्ण* घोषित किया है। दिसंबर 2022 में असम विधानसभा में पेश की गई कैग की रिपोर्ट में एनआरसी की तैयारी में व्यापक विसंगतियां पाई गईं, खास तौर पर दोषपूर्ण सॉफ्टवेयर। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि वैध, त्रुटि-मुक्त एनआरसी तैयार करने का उद्देश्य *पूरा नहीं हुआ*। एनआरसी, जिसे मूल रूप से 1951 में संकलित किया गया था, को राज्य में अवैध अप्रवासियों का पता लगाने के लिए 2014 और 2019 के बीच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में अपडेट किया गया था। अगस्त 2019 में जब अंतिम सूची जारी की गई, तो असम के 33 मिलियन आवेदकों में से 1.9 मिलियन भारतीय नागरिकता के लिए अयोग्य पाए गए। असम सरकार द्वारा एनआरसी संशोधन के लिए पुन: प्रयास, अवैध आव्रजन पर बढ़ती चिंताओं तथा राज्य की जनसांख्यिकी में बदलाव के सरकार के निरंतर दावों के बीच किया जा रहा है।

ग्रेड थ्री पदों के लिए दूसरे चरण की परीक्षा आज प्रशासन ने जारी किए दिशा-निर्देश

गुवाहाटी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि ग्रेड थ्री पदों के लिए असम सीधी भर्ती परीक्षा (एडीआरई), 2024 के दूसरे चरण की लिखित परीक्षा रविवार को राज्य भर में आयोजित की जाएगी, इसके सुचारू और पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के अधिकारियों ने बताया कि परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की सुविधा के लिए छह जोड़ी विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। एडीआरई के तहत ग्रेड थ्री पदों के लिए लिखित परीक्षा का पहला चरण 15 सितंबर को आयोजित किया गया था, जिसमें निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे राज्य में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को तीन घंटे से अधिक समय तक निलंबित कर दिया गया था। ग्रेड-थ्री के विभिन्न पदों के लिए लगभग 18.50 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। बयान में कहा गया है कि स्नातक डिग्री स्तर के पदों और ग्रेड थ्री के एचएसएलसी स्तर (ड्राइवर) पदों के लिए परीक्षा दूसरे चरण में आयोजित की जाएगी, जिसके लिए उम्मीदवारों के लिए निर्देशों के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

आठ घंटे तक मोबाइल इंटरनेट रहेगा बंद

गुवाहाटी। सितंबर में दूसरी बार, ग्रेड थ्री पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा के दौरान कदाचार रोकने के लिए रविवार को असम में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं आठ घंटे के लिए बंद रहेंगी। शनिवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि मोबाइल -शेष पृष्ठ दो पर

असम से 17 बांग्लादेशियों को दिखाया गया बाहर का रास्ता

गुवाहाटी। असम में एक बार फिर बांग्लादेशी घुसपैठियों पर एक्शन लिया गया है। हिमंत विश्व सरकार ने 17 लोगों को अपनी सीमा से बाहर भेजा है। इन घुसपैठियों में 9 बड़े और आठ बच्चे शामिल है। इस बात की जानकारी खुद सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने दी। शर्मा ने बताया कि इन लोगों ने भारतीय सीमा में आने की कोशिश की थी, जिन्हें असम पुलिस ने वापस भेज दिया है। हिमंत ने इसी के साथ अपनी पोस्ट में इन सभी के नाम भी बताए हैं। सीएम के मुताबिक उनके नाम हारुल लामिन, उमई खुनसुम, मोहम्मद इस्माइल, संजीदा बेगम, रूफिया बेगम, फतेमा खातून, मजूर रहमान, हबी उल्लाह और स्विका बेगम हैं। इससे पहले -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र ने असम समझौते के खंड 6 को न तो स्वीकारा और न ही अनुमोदित किया : गौरव

विश्वनाथ। जोरहाट के सांसद गौरव गोगोई ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने असम समझौते के खंड 6 के कार्यान्वयन पर न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बिप्लब शर्मा समिति की सिफारिशों को भी नहीं पढ़ा है, जैसा कि राज्य सरकार ने दावा किया है। बिश्वनाथ जिले के अपने दौरे के दौरान गोगोई ने कहा कि न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बिप्लब शर्मा समिति की सिफारिश को तीन भागों में लागू किया जाएगा। एक राज्य सरकार द्वारा, एक केंद्र द्वारा और तीसरा दोनों सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से। अगर यह इतना आसान था तो इसे लागू करने की घोषणा करने में उन्हें चार साल क्यों लग गए? सांसद ने आरोप लगाया कि केंद्र ने न तो रिपोर्ट को स्वीकार किया है, न ही मंजूरी दी है और न ही रिपोर्ट पढ़ी है। गोगोई ने राज्य सरकार का समर्थन करने वाले संगठनों से आग्रह किया कि वे सार्वजनिक करें कि क्या उन्हें इस मामले के बारे में कुछ पता है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की चुनावी राज्य झारखंड की हालिया यात्रा पर बोलते हुए गोगोई ने आरोप लगाया कि ओरुणोदोई योजना के नाम पर, भाजपा सरकार ने -शेष पृष्ठ दो पर

Door graphy Premium Quality Fittings
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

डिजिटल क्रांति ने पूर्वोत्तर में आमजन के जीवन को सरल बनाया : बिरला

एजल (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 21वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) जोन-3 सम्मेलन का कल उद्घाटन किया था। तीन दिवसीय अपने प्रवास में ओम बिरला शनिवार को एजल के बड़ा बाजार पहुंचे, यहां उन्होंने स्थानीय दुकानदारों और स्वयं सहायता समूह के माध्यम से स्वरोजगार करने वाली महिलाओं से बातचीत की। इस दौरान स्पीकर बिरला ने बैम्बू से बनी हैट, आर्गेनिक फल और कुछ कलाकृति खरीदी। स्पीकर बिरला ने क्यूआर कोड को स्कैन कर यूपीआई के जरिए भुगतान किया। बिरला ने कहा देश मे डिजिटल क्रांति ने सुदूर पूर्वोत्तर क्षेत्र में भी आमजन के जीवन को सरल बनाया है। स्थानीय दुकानदारों ने उन्हें बताया कि उनके व्यवसाय -शेष पृष्ठ दो पर

जिरीबाम में फिर भड़की हिंसा, चूड़ाचांदपुर कांगपोकपी में जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित

इंफाल। मणिपुर में जिरीबाम जिले के एक गांव में शनिवार को कुछ संदिग्ध उग्रवादियों ने गोलीबारी की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ हथियारबंद लोगों ने पास की पहाड़ियों और आसपास के घने जंगलों से मैतेई आबादी वाले गांव मोंगबुंग पर अंधाधुंध गोलीबारी की। जिसके बाद गांव के स्वयंसेवकों की ओर से भी जवाबी कार्रवाई में गोलीबारी की गई है। मणिपुर पुलिस ने बताया कि जिरीबाम जिले में शनिवार को कुछ संदिग्ध उपद्रवियों ने सुबह करीब 11.30 बजे मोंगबुंग मैतेई गांव में अंधाधुंध फायरिंग की। बताया जा रहा है कि, दोनों पक्षों की ओर से भयंकर गोलीबारी की जा रही है। इस गोलीवबारी को देखते हुए महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जा रहा है। दूसरी तरफ चुराचांदपुर और कांगपोकपी जिलों में आज बंद का दूसरा दिन है। इसके कारण बाजार बंद रहे। जिले में सड़कें वीरान दिखीं। अधिकारियों ने बताया कि कुकी समुदाय की ओर से दोनों जिलों में रविवार, 29 सितंबर तक बंद का आह्वान किया है। उधर मणिपुर के तीन जिलों से पुलिस और असम राइफल्स की एक संयुक्त टीम को हथियार और गोला-बारूद बरामद हुए हैं। पुलिस की ओर से शनिवार को जारी किए गए -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

वो जो अपने परिवार से अति लगाव रखता है भय और दुख में जीता है। सभी दुखों का मुख्य कारण लगाव ही है, इसलिए खुश रहने के लिए लगाव का त्याग आवश्यक है।

- **आचार्य चाणक्य**

झारखंड को घुसपैठियों ने हाईजैक कर रखा है : हिमंत

रांची (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री एवं झारखंड भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि झारखंड हाई कोर्ट की टिप्पणी है कि राज्य को घुसपैठियों ने हाईजैक कर रखा है। मंत्री इरफान अंसारी को इस बारे में सोचना चाहिए। वे शनिवार को मीडिया से बातचीत कर रहे थे। शर्मा ने कहा कि उत्पाद सिपाही नियुक्ति मामले में जांच का दायित्व राज्य सरकार का है। यदि उन्हें लगता है कि उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए तो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस मामले में झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को पत्र लिख सकते हैं। यदि वे ऐसा करते हैं तो भारतीय जनता पार्टी -शेष पृष्ठ दो पर

मध्य प्रदेश-राजस्थान की तरह हरियाणा में कांग्रेस का गुब्बारा फूटेगा : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि राजस्थान और मध्यप्रदेश की तरह हरियाणा में भी कांग्रेस के सरकार बनाने का गुब्बारा फूटेगा। हिमाचल प्रदेश में भी इन्होंने झूठ बोलकर सरकार बनाई थी। हरियाणा के हिसार में शनिवार को चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मतदान की तारीख नजदीक आ रही है और कांग्रेस पस्त पड़ती जा रही है। कांग्रेस के नेता अब कहने लगे हैं कि हरियाणा में भी वही हाल होगा, जो मध्य प्रदेश में हुआ था। मध्य प्रदेश और राजस्थान में पिछले चुनाव में इन्होंने झूठ का गुब्बारा खूब फुलाया लेकिन जनता ने वोट की चोट देकर उस गुब्बारे की हवा निकाल दी। अब हरियाणा में भी यही होने जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हरियाणा की माताओं-बहनों ने यहां एक नारा- म्हारा हरियाणा, नॉनस्टॉप हरियाणा दिया है। हरियाणा का विकास ऐसे ही नॉन स्टॉप चलते रहना चाहिए। इसलिए हरियाणा तीसरी बार भाजपा को मौका देने का मन पक्का कर चुका है। -शेष पृष्ठ दो पर

इलेक्टोरल बांड को लेकर वित्त मंत्री के खिलाफ बेंगलुरु में एफआईआर दर्ज

बेंगलुरू/नई दिल्ली (हि.स.)। एक विशेष अदालत के निर्देश पर आज बेंगलुरू के तिलकनगर पुलिस स्टेशन में चुनावी बॉन्ड जबरन वसूली मामले में पुलिस ने खत्म की जा चुकी इलेक्टोरल बांड योजना के तहत जबरन वसूली के आरोप में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों, भाजपा के तात्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कटील का नाम है। जन अधिकार संघर्ष संगठन से जुड़े -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

कल से चार देशों की यात्रा पर जाएंगे पबित्र मार्गेरिटा

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश और कपड़ा राज्यमंत्री पबित्र मार्गेरिटा 30 सितम्बर से नौ दिवसीय विदेश यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान वह चार देशों की यात्रा करेंगे। वे मैक्सिको (30 सितंबर-2 अक्तूबर), ग्रेनेडा (2-4 अक्तूबर), बारबाडोस (4-6 अक्तूबर) और एंटीगुआ व बारबुडा -शेष पृष्ठ दो पर

अल्बानिया में बसने जा रहा है दुनिया का सबसे छोटा मुस्लिम देश

तिराना। दुनिया में अब 57 इस्लामिक देशों की संख्या बढ़कर 58 होने वाली है। एक नया मुस्लिम देश अल्बानिया की राजधानी तिराना में बसने जा रहा है, जो वेटिकन सिटी से भी छोटा होगा और इसे इस्लाम का केंद्र माना जाएगा। यह नया देश अल्बानिया की राजधानी तिराना में स्थापित -शेष पृष्ठ दो पर

स्कूल की तरक्की के लिए दी छात्र की बलि, मालिक समेत पांच गिरफ्तार

हाथरस (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले की सादाबाद तहसील क्षेत्रांतर्गत एक आवासीय स्कूल के मालिक ने अपने स्कूल को और अधिक समृद्ध बनाने के लिए 11 साल के कृतार्थ नामक एक छात्र की कथित तौर पर *बलि* दे दी। इस मामले में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इनमें स्कूल मालिक, निदेशक, प्रधानाचार्य और दो शिक्षक हैं। पुलिस का दावा है कि स्कूल प्रबंधक के तांत्रिक पिता ने इस वारदात को अंजाम दिया। क्योंकि उसका मानना था कि बच्चे की बलि देने से स्कूल की तरक्की होगी। पुलिस ने पिता की कार से ही बच्चे का शव बरामद किया था। पुलिस ने 26 सितम्बर को घटना का खुलासा करते हुए बताया था कि यह घटना 23 सितम्बर की है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार कृतार्थ की हत्या गला दबाकर की गई है। उसके गले पर चोट के निशान थे। बच्चे के पिता की तहरीर पर प्रबंधक दिनेश बघेल सहित पांच लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। घटना के पीछे का सही कारण जानने के लिए अब पुलिस इन्हें रिमांड पर लेने की तैयारी में है। उल्लेखनीय है कि सहपऊ थाना क्षेत्र के चुरसेन निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर -शेष पृष्ठ दो पर

तमिलनाडु में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्लांट में लगी भीषण आग, तीन गंभीर

चेन्नई (हि.स.)। तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले में नागमंगलम के पास उद्दानपल्ली में स्थित टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (टीईपीएल) की फैक्टरी में शनिवार तड़के भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। इस दौरान सभी कर्मचारियों को परिसर से सुरक्षित निकाल लिया गया। धुएं से प्रभावित चार कर्मचारियों को होसुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सात दमकल गाड़ियां आग बुझाने में लगी हैं। कृष्णागिरी जिले के पुलिस के अनुसार घटना के समय टीईपीएल की मोबाइल पैनल पेंटिंग इकाई में कर्मचारी ड्यूटी पर थे। यहां टीईपीएल फर्म आईफोन के लिए विभिन्न एक्सेसरीज के उत्पादन होता है। जिसमें लगभग 4,500 लोग शिफ्ट के आधार पर काम करते हैं। इनमें लगभग 80 प्रतिशत कर्मचारी महिलाएं हैं। शनिवार सुबह करीब 5.30 बजे एक इकाई में आग लग गई, जिसके बाद प्रभावित क्षेत्र से सभी कर्मियों -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

कोलकाता में मरीज की मौत के बाद डॉक्टरों से मारपीट, चार गिरफ्तार

कोलकाता। कोलकाता से सटे कमरहट्टी इलाके में स्थित सागर दत्त मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में शुक्रवार रात एक मरीज की मौत को लेकर उसके स्वजन ने ड्यूटीरत जूनियर डॉक्टरों, नर्सों और अन्य चिकित्साकर्मियों की पिटाई कर दी। इसमें सात लोग घायल हो गए। इसके बाद जूनियर डॉक्टरों व नर्सों ने पुख्ता सुरक्षा की मांग करते हुए काम बंद कर दिया। घटना ने बंगाल के सरकारी अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर सवाल खड़ा कर दिया है। मालूम हो कि आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर से दरिंदगी की घटना के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने समस्त सरकारी अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने की बात कही थी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस बाबत दिशानिर्देश भी जारी किया गया था। पुलिस ने मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। मृतका के परिवार ने उनकी गिरफ्तारी का विरोध करते हुए कहा है कि जब तक उन्हें छोड़ा नहीं जाएगा, तब तक वह शव नहीं लेंगे। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार शाम 29 साल की रंजना साव नामक महिला को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया था। कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई थी। मृतका के स्वजन ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए जूनियर डॉक्टरों, नर्सों व अन्य चिकित्सा कर्मियों को मारा-पीटा। खबर मिलने पर वेस्ट बंगाल जूनियर डाक्टर्स फ्रंट का एक प्रतिनिधिदल वहां पहुंचा। *आश्वासन नहीं, चाहिए एक्शन* स्वास्थ्य सचिव नारायण स्वरूप निगम शनिवार को अस्पताल पहुंचे और जूनियरों डॉक्टरों को सुरक्षा का आश्वासन दिया।

युवती का शव बरामद

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। डिफू से आज एक युवती का शव बरामद किए जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि डिफू इलाके में एक युवती का शव देखे जाने की जानकारी मिलती ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम युवती के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान बोकाजान खटखटी के कारगांव निवासी अनिता (25) के रूप में की गई है। युवती डिफू के आंगलो रेमान नामक एक महिला के घर में काम करती थी। उधर दरंग जिला मुख्यालय शहर मंगलदै में स्थित एक तालाब से एक व्यक्ति का शव बरामद किए जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। शनिवार को मंगलदै के सेडिलीयापाड़ा इलाके में स्थित बगा पुखरी में एक व्यक्ति का शव देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया।

दो पिस्तौल समेत फर्जी पत्रकार गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की पुलिस ने एक फर्जी पत्रकार को दो पिस्तौल समेत गिरफ्तार किए है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान प्रसन्न कलिता उर्फ प्रशांत नामक फर्जी पत्रकार को दो पिस्तौल समेत गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार युवक स्वयं को एक स्थानीय न्यूज़ चैनल का वरिष्ठ पत्रकार होने का परिचय पुलिस को दिया था। पुलिस को दिखाया गया आई कार्ड फर्जी निकला। जिसके बाद पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर फर्जी पत्रकार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ड्रग्स समेत एक तस्कर गिरफ्तार

दक्षिण सालमारा (हिंस)। दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिले के बंदिहाना पुलिस की टीम ने ड्रग्स समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि बंदिहाना पुलिस चौकी प्रभारी कफिल उद्दीन के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान 15.84 ग्राम ब्राउन शुगर समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान दक्षिण सालमारा के सिराखोआ 6 खंड गांव निवासी समसुल हक का पुत्र समीजुल उल हक के रूप में की गई। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

कुलगाम मुठभेड़ में दो आतंकवादी ढेर, पांच सुरक्षाकर्मी भी घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक अधिकारी सहित पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ कुलगाम के अदिगाम इलाके में हो रही थी। जावेद अहमद मट्टू, डीआइजी दक्षिण कश्मीर ने बताया कि इस मुठभेड़ में पुलिस, सेना और सीआरपीएफ ने हिस्सा लिया। 2 आतंकवादी मारे गए और उनके कब्जे से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। मट्टू ने बताया कि शवों की पहचान करना बहुत मुश्किल है। जांच जारी है और हमने डीएनए नमूने ले लिए हैं। लेकिन जैसा कि मैंने आपको पहले बताया था, हमारे पास एक विशिष्ट इनपुट था और उस इनपुट के अनुसार, उनमें से एक उमेश अहमद वानी है जो कुलगाम के चावलगाम गांव का निवासी है। वह टीआरएफ (द रेजिस्टेंस फ्रंट) से संबंधित थे और वह 2020 में इसमें शामिल हुए थे। वह पुलवामा, शोपियां, कुलगाम और अंतनाग जिलों में सक्रिय था और उसके खिलाफ कई एफआईआर दर्ज की गई थीं। दूसरे के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि हमारे पास जो खबर थी वह आकिब शेर गोजरी के बारे में थी, वह अगस्त 2022 से आतंकवादी संगठन से जुड़ा था और वह कई आतंकवादी गतिविधियों में भी शामिल था और उसके खिलाफ कुलगाम, पुलवामा, बडगाम जिलों में कई एफआईआर दर्ज की गई थीं।

पूसीरे के कालियागंज रेलवे स्टेशन ने पुनर्विकास कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की

गुवाहाटी (हिंस)। अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के क्षेत्राधिकार के 92 स्टेशनों को विश्वस्तरीय आधुनिक साधन और सुविधाओं के साथ पुनर्विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा, इस जोन में रेल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए रेलवे की अवसंरचना परियोजनाओं के लिए अंतरिम बजट 2024-25 में 10,369 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। उत्तर बंगाल का कालियागंज रेलवे स्टेशन, जो पूसीरे के कटिहार मंडल के अंतर्गत महत्वपूर्ण स्टेशनों में से एक है, इस योजना के तहत 24.87 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से एक महत्वपूर्ण बदलाव से गुजर रहा है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने शनिवार को बताया कि कालियागंज रेलवे स्टेशन पश्चिम बंगाल के उत्तरी दिनाजपुर जिले के विस्तृत क्षेत्रों में सेवा प्रदान करता है। स्टेशन में चल रहे विभिन्न और प्रस्तावित पुनर्विकास कार्यों के लिए लगभग 62 प्रतिशत समग्र भौतिक प्रगति हासिल की गई है।

चार बेटियों के साथ पिता ने की खुदकुशी

नई दिल्ली (हि.स.)। रंगपुरी गांव में एक शख्स ने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी चार बेटियों के साथ खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को फ्लैट का ताला तोड़कर शवों को बाहर निकाला। चारों बेटियां दिव्यांग होने के कारण चलने-फिरने में असमर्थ थीं और पत्नी की मौत के बाद हीरालाल अपनी बेटियों की हालत देखकर पूरी तरह से टूट चुका था। उसने बच्चियों को सल्फास खिलाकर खुद भी जान दे दी। वहीं अब इस पूरे मामले में पुलिस तंत्र-मंत्र के एंगल से भी जांच कर रही है। सूत्रों की मानें तो चारों मृतक बेटियों के गले, हाथ व कमर में कलावा बंधा मिला है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 50 वर्षीय हीरालाल परिवार के साथ रंगपुरी गांव में किराये के मकान में रहता था। वह मूल रूप से बिहार के छपरा जिले के मसरख गांव का रहने वाला था। उसकी पत्नी की पहले ही मौत हो गई थी। उसके परिवार में चार बेटियां 18 वर्षीय नीतू, 15 वर्षीय निशि, 10 वर्षीय नीरू और 8 वर्षीय निधि थीं। हीरालाल वसंत कुंज स्थित एक अस्पताल में कारपेंटर के तौर पर काम करता था। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को हीरालाल के फ्लैट से बदबू आनी शुरू हुई। इस पर सड़क की दूसरी तरफ स्थित मकान में रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को फोन कर यह जानकारी दी। पुलिस जब वसंत कुंज साउथ स्थित फ्लैट पर पहुंची तो आसपास के लोगों ने बताया कि परिवार कई दिन से दिखाई नहीं दिया। इसके बाद पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर से भीषण बदबू आ रही थी। पुलिस टीम ने कमरे में प्रवेश किया तो पहले कमरे के बिस्तर पर हीरालाल का शव पड़ा था। दूसरे कमरे में चारों बेटियों के शव पड़े थे। पुलिस ने बताया कि दिल्ली में रहने वाले हीरालाल के बड़े भाई जोगिंदर को घटना की सूचना दी गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, परिवार ने सल्फास खाकर खुदकुशी की है। हालांकि, पुलिस को अभी तक सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन बेटियों की दिव्यांगता को इस घटना की वजह माना जा रहा है।

पृष्ठ एक का शेष

ग्रेड थ्री पदों के लिए ...

प्रवेश पत्र पहले ही जारी किए जा चुके हैं। इसमें कहा गया है कि अब कुछ अतिरिक्त/संशोधित निर्देश जारी किए गए हैं, जिनमें अभ्यर्थियों को एक दिन पहले परीक्षा केंद्र का स्थान सत्यापित करने और गहन जांच के लिए परीक्षा शुरू होने से कम से कम डेढ़ घंटे पहले रिपोर्ट करने की सलाह शामिल है। इसमें आगे कहा गया है कि गृह और राजनीतिक विभाग ने उम्मीदवारों की तलाशी के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। एसओपी परीक्षा के पहले चरण के दौरान महिला उम्मीदवारों की अनुचित तलाशी के आरोपों के बाद आया है, जिसमें कई महिलाओं ने दावा किया था कि महिला सुरक्षाकर्मियों ने उनके निजी अंगों को छुआ था। महिला उम्मीदवारों के लिए अलग से घेरा बनाया जाएगा, जिसमें एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका या आशा कार्यकर्ता तलाशी क्षेत्र के पास मौजूद रहेंगी। बयान में कहा गया है कि अगर तलाशी सही तरीके से नहीं ली गई तो उम्मीदवार को तुरंत केंद्र प्रभारी को रिपोर्ट करना चाहिए। त्वरित तलाशी के लिए उम्मीदवारों को आधी आस्तीन के कपड़े और जूते की जगह चप्पल पहनने की सलाह दी गई है। बयान में कहा गया है कि उम्मीदवारों को परीक्षा के बाद अपनी प्रश्न पुस्तिका लेने की अनुमति दी जाएगी और परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों को केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। एनएफआर की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि रविवार को एडीआरई परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की मदद के लिए छह जोड़ी परीक्षा विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। ये छह विशेष ट्रेनें अभ्यर्थियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए 12 चक्कर लगाएंगी। आधिकारिक सूत्रों ने पहले बताया था कि दो अलग-अलग शैक्षणिक स्तर के ग्रेड फोर पदों के लिए एडीआरई की लिखित परीक्षा दो अन्य तिथियों पर आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि विभिन्न ग्रेड फोर पदों के लिए करीब 13.70 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया है। राज्य स्तरीय भर्ती आयोग के तहत पहला एडीआरई अगस्त 2022 में राज्य में आयोजित किया गया था, जब लिखित परीक्षा के दो दिन लगभग सभी जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं चार घंटे के लिए निलंबित कर दी गई थीं। असम प्रशासन ने रविवार को होने वाली सरकारी भर्ती परीक्षा के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा से कम से कम डेढ़ घंटे पहले परीक्षा हॉल में पहुंच जाएं। जल्दी से जल्दी तलाशी पूरी करने के लिए, उम्मीदवारों को जूते की जगह आधी बाजू की शर्ट और सैंडल पहनने चाहिए। शनिवार को एक अधिकारी ने कहा कि परीक्षा हॉल में पानी की बोतलें ले जाई जा सकती हैं, हालांकि, बोतल पर कोई स्टिकर नहीं होना चाहिए और बोतलें पारदर्शी होनी चाहिए। स्मरण रहे कि राज्य सरकार ने 15 सितंबर को इसी प्रकार की एक अन्य परीक्षा आयोजित की थी, जिसमें राज्य भर के 2,360 परीक्षा केंद्रों पर 11 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए थे। हालांकि, पिछली परीक्षा के दौरान विवाद खड़ा हो गया था, जब एक महिला अभ्यर्थी ने शिकायत की थी कि तलाशी के समय एक महिला कांस्टेबल ने उसके निजी अंगों को छुआ था, जिसके बाद मुख्यमंत्री शर्मा ने पूरी घटना की जांच के आदेश दिए थे। उन्होंने तत्काल पुलिस महानिदेशक के अधीन जांच के आदेश दिए और मुख्यमंत्री ने दोहराया कि वे महिलाओं की गरिमा और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं; यह कोई समझौता नहीं करने वाली बात है। अधिकारी के अनुसार, इस बार महिला अभ्यर्थियों की तलाशी के दौरान आशा या आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भी मौजूद रहेंगी। अगर किसी महिला अभ्यर्थी को परीक्षा हॉल में प्रवेश से पहले तलाशी के दौरान कुछ भी गलत लगता है, तो वह इसकी सूचना अधिकारियों को दे सकती है। अधिकारी ने कहा कि हम भर्ती परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के लिए सभी उपाय कर रहे हैं।

आठ घंटे तक ...

इंटरनेट/मोबाइल डेटा/मोबाइल वाई-फाई कनेक्टिविटी सुबह 8.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक निलंबित रहेगी। तृतीय श्रेणी पदों के लिए राज्य स्तरीय भर्ती आयोग के सचिव द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि सभी से अनुरोध है कि वे स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती परीक्षा आयोजित करने और इस प्रकार राज्य के युवाओं का भविष्य सुरक्षित करने के हित में असुविधा को सहन करें। 15 सितंबर को ग्रेड-थ्री पदों के लिए लिखित परीक्षा के पहले चरण के दौरान मोबाइल इंटरनेट सेवाएं साढ़े तीन घंटे के लिए निलंबित कर दी गई थीं। स्नातक स्तर और एचएसएलसी स्तर के ग्रेड थ्री पदों के लिए असम सीधी भर्ती परीक्षा (एडीआरई) की लिखित परीक्षा रविवार को दो हिस्सों में आयोजित की जाएगी। पहला भाग सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरा भाग दोपहर 1.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक होगा। राज्य भर में आयोजित होने वाली परीक्षा के लिए कुल 7,34,080 अभ्यर्थी पात्र हैं।

असम से 17 बांग्लादेशियों ...

पांच सितंबर को भी पुलिस ने कई बांग्लादेशियों को पकड़ा था, जो करीमगंज जिले से अवैध घुसपैठ की कोशिश में थे। इसके बारे में भी सीएम शर्मा ने एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी थी। बता दें कि बांग्लादेश में हिंसा की घटना और तखतापलट के बाद से बीएसएफ ने सीमाओं पर चौकसी बढ़ा दी है। दरअसल, बांग्लादेश में हिंसा के बाद से वहां के कई लोग भागकर भारत आने की कोशिश में हैं।

केंद्र ने असम ...

लाभार्थियों को 2,000-2,000 रुपये दिए, जबकि शेष आठ हजार रुपये सीएम की चार्टर फ्लाइट के नाम पर खर्च किए गए। उन्होंने सवाल किया कि जब मुख्यमंत्री झारखंड में चुनाव प्रचार के लिए गए थे, तो उनके दौरे के लिए चार्टर्ड विमान पर सरकारी पैसा क्यों खर्च किया गया। उन्होंने पूछा कि इससे असम के लोगों को क्या फायदा होगा? इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक के बयान पर स्पष्टीकरण देते हुए गोगोई ने कहा कि यह भाजपा का दुष्प्रचार है। मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे ने कहा कि सेमीकंडक्टर की परियोजना न केवल असम में, बल्कि कर्नाटक में भी दी जानी चाहिए। गौरव गोगोई ने चुनाव तिथियों की घोषणा से पहले उपचुनाव प्रचार के तहत बेहाली विधानसभा क्षेत्र के पभोई में रोड शो करते हुए यह बयान दिया।

डिजिटल क्रांति ने ...

का 80 प्रतिशत से अधिक भुगतान डिजिटल माध्यम से ही आता है। डिजिटल भुगतान माध्यमों के आने से व्यापार में भी इजाफा हुआ है। फालकुन गांव में कुछ सफाई कार्यकर्ताओं ने स्पीकर बिरला के पूछने पर बताया कि वे गांधी जयंती पर आयोजित स्वच्छता पखवाड़े के तहत अभियान चला रहे हैं। बिरला ने जब सफाई करते देखा तो वह भी स्वच्छता हेतु श्रमदान दिया। बिरला ने कहा स्वच्छता आज पूरे देश में संकल्प बन चुका है। स्वच्छता के प्रति यहां लोगों में विशेष जागरूकता है, इससे सभी को प्रेरणा लेना चाहिए। स्पीकर बिरला तीन दिवसीय अपने प्रवास के आखिरी दिन फालकोन गांव में पंचायत प्रतिनिधियों से बातचीत किए। ग्रामीणों ने उन्हें पहाड़ी जीवन और संस्कृति के बारे में भी बताया। बिरला ने कहा कि अनेकों चुनौतियों के बावजूद यहां के लोग खुशहाल जीवन जीते है। विकास के प्रति जनप्रतिनिधियों के सकारात्मक दृष्टिकोण की बिरला ने तारीफ की। इस दौरान उन्होंने सभी को संसद भवन भ्रमण कर देश मे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को समझने के लिए आग्रह किया।

जिरीबाम में फिर ...

बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में बताया गया कि कांगपोकपी जिले के लोइचिंग क्षेत्र से दो 303 राइफल, एक 9 एमएम पिस्तौल, मैगजीन, कारतूस, चार हथगोले, दो डेटोनेटर, एक देसी मोर्टार और एक इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार बरामद हुए। मणिपुर पुलिस, बीएसएफ और सीआरपीएफ के एक और सर्च ऑपरेशन में चुराचांदपुर जिले के गोथोल गांव से इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार जब्त किए गए थे, जिन्हें स्थानीय रूप से पंपी के नाम से जानते हैं। इसके अलावा, थौबल जिले के फैनोम पर्वतीय क्षेत्र से एचई-36 हथगोले, दो पंपी, तीन डेटोनेटर के साथ स्टन ग्रेनेड, स्टिंगर ग्रेनेड और आंसू गैस के गोले बरामद किए गए। सुरक्षाबलों ने इन इलाकों पर शुक्रवार को तलाशी अभियान के दौरान ये हथियार बरामद किए थे। इस मामले में अभी किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच पिछले साल मई के महीने से हिंसा जारी है, जिसकी वजह से राज्य की स्थिति बहुत खराब चल रही है। दोनों समुदायों में समय-समय पर विवाद होता रहता है। फिलहाल राज्य में हो रही हिंसा में 200 से अधिक लोगों की जान चली गई है और हजारों की संख्या में लोग बेघर भी हो गए हैं। लोगों के घरों और धार्मिक स्थलों में तोड़-फोड़ जैसे कई मामले भी सामने आए हैं। हिंसा ज्यादा बढ़ने से प्रदेश में इंटरनेट सेवाओं को भी रोक दिया गया था। मणिपुर में हो रही जातीय हिंसा को बहुत से सामाजिक मुद्दों ने बढ़ावा दिया है। अंग्रेजों ने मणिपुर को दो भागों, पहाड़ियों और घाटी में बांटा था और दोनों को अलग-अलग प्रशासन के अधीन रखा था। यह बंटवारा दोनों समुदायों के बीच तनाव का सबसे बड़ा कारण रहा है। इसके अलावा संसाधनों का लाभ, आर्थिक लाभ, सरकारी नौकरी, आरक्षण जैसे कई विषय है जो इस हिंसा का कारण बनें।

झारखंड को घुसपैठियों ...

उसका स्वागत करेगी। चुनाव सह प्रभारी ने कहा कि विधानसभा चुनाव में आजसू पार्टी, जदयू और भाजपा के साथ गठबंधन होगा। अब तक 99 प्रतिशत सीटों पर फैसला हो चुका है। कुछ सीटों की ही चर्चा बाकी है। पितृ पक्ष समाप्त होते ही गठबंधन की घोषणा कर दी जाएगी। एक सवाल के जवाब में शर्मा ने कहा कि हेमंत सोरेन के पत्र का जवाब मैं दूंगा। हालांकि, जवाब वे खुद जानते हैं। सोरेन को यह बताना चाहिए कि उनकी पत्नी कल्पना सोरेन झारखंड के किसी आदिवासी के लिए आरक्षित सीट से चुनाव क्यों नहीं लड़ीं? उत्तर उनके घर में ही है। यह उत्तर हमें देने की जरूरत नहीं है। इसके बाद भी उन्होंने लिखित जवाब मांगा है तो समय मिलते ही उन्हें मैं जवाब दूंगा।

मध्य प्रदेश-राजस्थान की...

उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस होती है, वहां कभी स्थिरता नहीं आ सकती। जो पार्टी अपने नेताओं के बीच ही एकता नहीं ला सकती, वो राज्य में स्थिरता कैसे लाएगी? यहां कांग्रेस में मुख्यमंत्री बनने के लिए मारामारी मची है। बापू भी दावेदार है, बेटा भी दावेदार है। दोनों मिलकर, बाकियों को निपटाने में लगे हैं। कांग्रेस पर दलितों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस में दलितों और पिछड़ों के लिए दरवाजे एकदम बंद हैं। कांग्रेस के राज में गोहाना में दलितों पर अत्याचार हुआ, कांग्रेस चुप रही। कांग्रेस के राज में मिर्चपुर कांड हुआ, कांग्रेस चुप रही। कांग्रेस के राज में दलित बेटियों के साथ अत्याचार हुआ, अन्याय हुआ, कांग्रेस चुप रही। आज कांग्रेस का शाही परिवार कह रहा है कि दलितों और पिछड़ों का आरक्षण खत्म कर देंगे। कांग्रेस ने दलितों पर जो अत्याचार किया है, उसे दलित समाज कभी भूल नहीं सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने किसानों को भी हमेशा वोटबैंक के रूप में ही देखा है। कांग्रेस ने हमेशा किसानों को पानी के लिए तरसाया है, जबकि भाजपा उनकी समस्याओं का समाधान कर रही है। कांग्रेस यहां किसानों के लिए बड़ी-बड़ी बातें करती है लेकिन आपको भूलना नहीं है कि हुड्डा की सरकार तो 2 रुपए के मुआवजे देने वाली सरकार थी। लेकिन ये भाजपा सरकार है, जो बिना मांगे देश के 10 करोड़ से ज्यादा किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के रूप में 6,000 रुपए सीधे उनके बैंक खातों में भेजती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने एमएसपी पर भी जनता से सिर्फ झूठ बोला है। सच्चाई ये है कि यहां भाजपा की सरकार 24 फसलों को एमएसपी पर खरीद रही है। जबकि कांग्रेस शासित राज्यों में इक्का-दुक्का फसलें ही एमएसपी पर खरीदी जाती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने यहां के युवाओं पर भी दोहरा वार किया है। कांग्रेस के समय में बिना खर्ची-पर्ची के सरकारी नौकरी नहीं मिलती थी, घूस देने के लिए गरीब को खेत तक बेच देने पड़ते थे। भाजपा ने बिना खर्ची-पर्ची नौकरियां दीं और यही बात कांग्रेस को अखर गई है। इसलिए कांग्रेस के भर्ती रोको गैंग ने युवाओं को नौकरियां देने पर ब्रेक लगवा दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि 28 सितंबर की रात को ही भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक की थी। भारत ने आतंक के आकाओं को बता दिया था कि भारत अब घर में घुसकर मारता है। जबकि कांग्रेस ने हमारी सेना से सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगे थे। उन्होंने कहा कि इसी कांग्रेस ने हमारे सेनाध्यक्ष तक को गली का गुंडा कहा था। कांग्रेस ने हमारी सेना के बजाए दुश्मनों के झूठ पर विश्वास किया।

इलेक्टोरल बांड को ...

आदर्श अय्यर ने उनके खिलाफ शिकायत दी थी और आरोप लगाया था कि सीतारमण और अन्य ने इलेक्टोरल बांड के नाम पर जबरन वसूली की है। शिकायत में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कर्नाटक भाजपा के तात्कालीन अध्यक्ष नलिन कुमार कटील और डीवाई विजेंद्र के खिलाफ शिकायत दी गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कॉर्पोरेट संस्थाओं को हजारों करोड़ के इलेक्टोरल बांड खरीदने के लिए मजबूर किया गया और ऐसा नहीं करने पर प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी से उन्हें डराया गया। इन इलेक्टोरल बांड का इस्तेमाल भाजपा नेताओं ने केंद्र और राज्य दोनों स्तर पर किया है। दूसरी और भारतीय जनता पार्टी ने मामले को राजनीति से प्रेरित बताया है। पार्टी का कहना है कि इलेक्टोरल बांड योजना एक नीतिगत फैसला थी और इसे आपराधिक मामले से जोड़ना गलत है। भाजपा ने राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर हमला करते हुए कहा कि उनके खिलाफ *मुडा* मामले में जांच चल रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज इसपर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हमने संसद में इलेक्ट्रोरल बांड का मुद्दा उठाया था। ईडी, सीबीआई के जरिए लोगों को डरा-धमका कर चुनावी बॉन्ड लिया गया है। कोई इस मामले को कोर्ट में ले गया है। हम देखेंगे कि क्या होता है।

स्कूल की तरक्की...

श्रीकृष्ण का बेटा कृतार्थ (11) रसगवां गांव के डीएल पब्लिक आवासीय विद्यालय में कक्षा दो में पढ़ता था। वह स्कूल के हॉस्टल में ही रहता था। 23 सितम्बर की सुबह उसके परिवार को स्कूल प्रबंधक से जानकारी मिली कि उनके बेटे की तबीयत खराब है। पिता श्रीकृष्ण और परिवार के अन्य लोग वहां पहुंचे तो कृतार्थ उन्हें नहीं मिला। परिवार वालों ने दिनेश से कृतार्थ के बारे में पूछा तो वह गुमराह करने लगा। किसी प्रकार की अनहोनी की आशंका पर परिवार ने पुलिस को सूचित कर दिया। इधर पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए प्रबंधक के तांत्रिक पिता जशोधन की कार से कृतार्थ का शव बरामद कर लिया। पुलिस ने परिवार को जानकारी देते हुए शव को वहीं से ही पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बेटे की मौत की खबर पर परिजनों ने थाने में हंगामा किया। वाहन में तोड़फोड़ की। पुलिस ने कार्रवाई का भरोसा देकर शांत कराया। पुलिस की जांच में पता चला है कि बीटेक पास प्रबंधक दिनेश बघेल चार साल तक मलेशिया में नौकरी करने के बाद घर लौटा तो यहां पर उसने एक स्कूल खोला। इसके लिए उसने बैंक से लोन के अलावा अपने परिचितों से भी पैसे लिए थे। स्कूल की कक्षा आठ तक मान्यता एवं हॉस्टल की भी सुविधा थी। हॉस्टल में 25 बच्चे रहते थे। दिनेश ने करीब 20 लाख रुपए का कर्ज ले रखा था। कर्जदार उसे परेशान करते थे। दिनेश के पिता जसोदन स्कूल की तरक्की के लिए आए-दिन तंत्र मंत्र करता रहता था। उसने बेटे को यह सलाह दी थी कि अगर वह किसी बच्चे की बलि दे देगा, तो उसके संकट दूर हो जाएंगे। कृतार्थ के परिवार का आरोप है कि इसी वजह से उन लोगों ने मिलकर कृतार्थ की बलि दे दी है। पहले भी इन लोगों ने इसी तरह एक बच्चे की हत्या करने की कोशिश की थी लेकिन वह बच्चा किसी तरह भाग निकला था। पुलिस ने स्कूल प्रबंधक, उसके पिता समेत पांच लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया। कृतार्थ के पिता का कहना है कि हॉस्टल में तो 25 बच्चे थे तो फिर कृतार्थ को ही बलि के लिए क्यों चुना गया। पुलिस उनसे कुछ छिपा रही है। पुलिस अधीक्षक निपुण अग्रवाल का कहना है कि परिजन कई तरह के सवाल खड़े किए हैं, जिसके जवाब तलाशने के लिए पुलिस आरोपितों को रिमांड पर लेगी। उसके बाद ही सारी असलियत उजागर होगी। एएसपी अशोक कुमार के नेतृत्व में टीमें लगी हुई हैं, जल्द ही घटना का अनावरण किया जाएगा।

तमिलनाडु में टाटा...

को तत्काल बाहर निकाला गया। इस हादसे में अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग लगने की सूचना पर पुलिस और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और फैक्टरी के कर्मचारियों को बाहर निकाला। आग पर काबू पाने के लिए होसुर, कृष्णागिरी और कई अन्य फायर स्टेशनों से सात दमकल गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया है। फायर एंड रेस्क्यू सर्विसेज ने एक बयान जारी कर कहा कि सुबह आग लगने की सूचना मिली थी। आग लगने के कारणों और नुकसान का अभी सही जानकारी नहीं मिली है। आग पर काबू पाने के लिए धर्मपुरी के पलाकोडे, कृष्णगिरि, बरगुर, डेनकानीकोट्टई, होसुर और रायकोट्टई से अग्निशमन कर्मियों को बुलाकर तैनात किया गया। आग को पूरी तरह से बुझाने में कुछ और घंटे लगेंगे। इस घटना को लेकर टीईपीएल ने एक बयान जारी कर कहा कि तमिलनाडु के होसुर में हमारे प्लांट में आग लगने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है। फैक्टरी के सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। हम अपने कर्मचारियों की रक्षा के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आग के धुएं से तीन कर्मचारियों को दम घुटने के कारण सांस लेने में तकलीफ हुई और उन्हें तुरंत निजी अस्पताल ले जाया गया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। प्रभावित क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया है। कलेक्टर केएम सरयू ने भी अस्पताल का दौरा कर वहां भर्ती कर्मचारियों की स्थिति की जानकारी ली। एक अन्य घटना में विरुधुनगर जिले के सत्तूर के पास कीझा ओदमपट्टी में एक निजी आतिशबाजी इकाई में बड़ा विस्फोट हुआ। उसके बाद वहां भीषण आग लग गई। इस आतिशबाजी इकाई का स्वामित्व कंदासामी है और वहां दीपावली से पहले पटाखों को स्टोर किया जा रहा था। अग्निशमन एवं बचाव सेवा कर्मी राहत कार्य में लगे हैं। पुलिस ने बताया कि आतिशबाजी इकाई के परिसर में उत्तर भारत के 10 कर्मचारी रह रहे थे।

कल से चार देशों ...

(6-8 अक्तूबर) की आधिकारिक यात्रा करेंगे। राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा एक अक्तूबर को मैक्सिको के राष्ट्रपति के रूप में डॉ. क्लाउडिया शिनबाम के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। विदेश मंत्रालय ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि चार देशों की यात्रा के दौरान राज्य मंत्री प्रमुख राजनीतिक, व्यापार और उद्योग जगत के नेताओं, आईटीईसी के पूर्व छात्रों और भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत और द्विपक्षीय परियोजना स्थलों का दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि यह यात्रा भारत और लैटिन अमेरिका तथा कैरिबियन देशों के बीच संबंधों को और बेहतर बनाने के लिए की जा रही है। इससे राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूती मिलने तथा वैश्विक दक्षिण में हमारे भागीदारों के साथ अधिक सहयोग का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है।

अल्बानिया में बसने ...

होगा। यहां इस्लाम से जुड़े सभी मुद्दों को हल किया जाएगा। हालांकि ज्यादातर मुस्लिम देशों में शरिया कानून लागू है, लेकिन इस नए देश में महिलाओं को पूरी आजादी दी जाएगी। यहां आधुनिक सुविधाएं होंगी, और शराब की खरीद-फरोख्त भी संभव होगी। इस देश की परिकल्पना मौलवी एडमंड ब्रहीमाज, जिसे बाबा मोंडी के नाम से जाना जाता है, ने की है। वे कई वर्षों से एक नए मुस्लिम देश की योजना बना रहे थे। यह देश केवल 27 एकड़ में बसने जा रहा है और यहां का अपना शासन, प्रशासन और वीजा-पासपोर्ट होगा। बाबा मोंडी शिया सूफी संप्रदाय से हैं और इस नए देश में इसी संप्रदाय के नियम लागू होंगे। उनका मानना है कि यह देश इस्लाम का उदारवादी चेहरा दुनिया के सामने लाएगा। अल्बानिया के प्रधानमंत्री ईदी रामा ने भी कहा है कि इस देश में लोग अपनी तरह से जी सकेंगे और यह अन्य इस्लामिक देशों से अलग होगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**

आठ करोड़ रुपए के ड्रग्स समेत एक तस्कर गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के हाजो में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), असम की टीम ने अभियान आठ करोड़ रुपए मूल्य के ब्राउन शुगर समेत एक शातिर ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने शनिवार को बताया कि बीती रात हाजो इलाके में एसटीएफ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कल्याण पाठक के नेतृत्व में चलाये गये अभियान के दौरान प्लास्टिक के 41 साबुनदानी में छुपा कर रखे गए 533 ग्राम ब्राउन शुगर समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान मानव देव के रूप में की गई है, जो कछार जिले के लखीपुर का रहने वाला बताया गया है। जब्त किए गए ब्राउन शुगर को सिलचर से लाया गया था। वहीं एसटीएफ ने ड्रग्स की तस्करी में व्यवहार की जा रही कार (एएस-01डीवी-7121) को भी जब्त किया है। एसटीएफ इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पीपीएफए ने 1951 को कट-ऑफ वर्ष के रूप में अपनाने का आग्रह किया

गुवाहाटी (हिंस)। पैट्रियटिक पीपुल्स फ्रंट असम (पीपीएफए) ने राज्य सरकार और ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) के वर्तमान नेतृत्व की सराहना की है, जिन्होंने 1 जनवरी, 1951 को कट-ऑफ तिथि के साथ असमिया (असमिया लोगों) की परिभाषा का हल किया है। हालांकि, भारत के सुदूर-पूर्वी हिस्से में स्थित राष्ट्रवादी नागरिकों के इस मंच ने दोनों से राज्य में सभी अवैध विदेशियों की *पहचान और निर्वासन* के लिए आधार वर्ष के रूप में 1951 को अपनाने का आग्रह किया है। आसू ने 1971 से 1985 के दौरान असम आंदोलन चलाया था, बाद में आसू के आंदोलन की कोख से असम गण परिषद (अगप) राजनीतिक दल का जन्म हुआ था। आसू के प्रतिनिधियों ने हाल ही में राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साथ ऐतिहासिक

असम समझौते के खंड 6 को लागू करने के तरीके खोजने के लिए चर्चा की, जिसमें यह संकल्प लिया गया है कि असमिया में केवल स्वदेशी आदिवासी परिवार, राज्य के अन्य स्वदेशी समुदाय, विशिष्ट कट-ऑफ तिथि पर या उससे पहले क्षेत्र में रहने वाले भारतीय नागरिक और उनके वंशज शामिल होने चाहिए। असम समझौता के खंड 6 में *असमिया लोगों की सांस्कृतिक, सामाजिक, भाषाई पहचान और विरासत* की रक्षा, संरक्षण और संवर्धन के लिए *संवैधानिक, विधायी और प्रशासनिक सुरक्षा उपायों* का उल्लेख है। पिछले खंड में अवैध प्रवासियों (पूर्वी पाकिस्तानी नागरिक, जो 25 मार्च, 1971 से पहले असम आए और यहां बस गए) का उल्लेख था, जिन्हें भारतीय नागरिकता मिलेगी और वे असम में रहेंगे। हालांकि, बैठक में बिप्लब कुमार शर्मा के नेतृत्व वाली समिति की सिफारिशों के साथ असमिया लोगों (एक आम भारतीय नागरिक से) को अलग करने की कोशिश की गई। यह असमिया लोगों के अपने देश में सामाजिक-राजनीतिक, भाषाई और सांस्कृतिक हितों की रक्षा के लिए एक अच्छी शुरुआत हो सकती है। अब अगर दिसपुर और आसू दोनों असम में अवैध प्रवासियों की पहचान के लिए राष्ट्रीय कट-ऑफ वर्ष अपनाते हैं तो क्या गलत होगा। यदि तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तानियों की विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय जटिलताओं के कारण निर्वासित करना मुश्किल होगा।

पांच साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म, आरोपी फरार

लखीमपुर (हिंस)। लखीमपुर जिले के हारमती इलाके में पांच साल की बच्ची के साथ बलात्कार की जाने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस चौकी का घेराव कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों ने शनिवार को बताया कि हारमती पुलिस चौकी अंतर्गत बोगीबील निवासी दुलाल भुईंया नामक व्यक्ति दुकान के अंदर ले जाकर एक पांच साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। बच्ची बेहोशी की हालत में मिली। स्थानीय लोगों की मदद से परिजनों ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। घटना के बाद से आरोपी दुलाल फरार है। इस घटना को लेकर 200 से अधिक स्थानरीय लोगों ने बीती रात पुलिस चौकी का घेराव कर जमकर विरोध प्रदर्शन करते हुए आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार तक कड़ी से कड़ी सजा दिए जाने की मांग की। घटना के संबंध में बच्ची के परिजनों द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

स्वस्थ भारत के लिए *सभी के लिए पौष्टिक आहार* पहल

गुवाहाटी। एक स्वस्थ राष्ट्र के लिए जीवन को बदलने में मदद करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, एमवे इंडिया ने पूरे देश में लक्षित हस्तक्षेपों के साथ राष्ट्रीय पोषण माह मनाया। वर्ष की थीम *हर किसी के लिए पौष्टिक आहार* के अनुरूप, यह पहल दैनिक पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने वाले आहार के महत्व के बारे में समझ बनाने पर केंद्रित है। इन हस्तक्षेपों ने स्वास्थ्य विस्तार को प्राथमिकता देकर एक स्वस्थ भारत के निर्माण के कंपनी के दृष्टिकोण को मजबूत किया। संतुलित आहार, दिन की सही शुरुआत के लिए सुबह के पोषण, गुणवत्तापूर्ण उत्पादों द्वारा समर्थित आवश्यकता-आधारित पोषण अनुशंसाओं और स्वस्थ खाना पकाने की युक्तियों को बढ़ावा देकर, महीने भर चलने वाली पहल का उद्देश्य वितरकों को स्वयं और उनके ग्राहकों की मदद करने के लिए ज्ञान और उपकरणों से लैस करना है। इस पर बात करते हुए एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक रजनीश चोपड़ा ने कहा कि इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) की एक हालिया रिपोर्ट में बताया गया है कि अस्वास्थ्यकर आहार भारत में बीमारी के बोझ में 56.4 प्रतिशत का योगदान देता है। हम जरूरत-आधारित अनुपूरण के साथ संतुलित सुबह के पोषण अनुष्ठान के महत्व पर भी जोर देते हैं, क्योंकि यह दिन के लिए टोन सेट करने और समग्र कल्याण का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जीवनशैली से जुड़ी बढ़ती बीमारियों और बढ़ती उपभोक्ता जरूरतों के साथ, इष्टतम कल्याण चाहने वाले व्यक्तियों के लिए पोषण को प्राथमिकता देना

गांधी जयंती पर ग्रीन बोड़ोलैंड मिशन के तहत शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। गांधी जयंती पर जयंती, हरियाली के तहत एक प्रतिज्ञा ग्रहण समारोह बोड़ोलैंड मिशन बीटीसी सचिवालय में आयोजित किया जाएगा।यह पहल सरकार की दृढ़ता का परिचायक है टिकाऊ और पर्यावरण को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जागरूक क्षेत्र की उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ेगी बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो समारोह की शुरुआत स्वागत संगीत प्रस्तुति से होगी डॉ. द्वारा ग्वम्थाओ (सेंजा), इसके बाद उद्घाटन भाषण दिया गया। बोड़ोलैंड शांति और खुशी मिशन टीम तब करेगी इस उद्देश्य को समर्पित एक थीम गीत प्रस्तुत करें। टिप्पणियां होंगी बीटीआर सीईएम प्रमोद बोरो और बीटीसी दोनों द्वारा वितरित किया जाएगा प्रमुख सचिव आकाश दीप औपचारिक रूप से नेतृत्व करते हुए प्रतिज्ञा ग्रहण समारोह. मिशन में उत्कृष्ट योगदान की मान्यता में, ए लेखक के लिए एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा अनुवादक शामिल. यह आयोजन बोडोफा में जारी रहेगा सांस्कृतिक परिसर सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक, इंटरैक्टिव कार्यक्रम की सुविधा ग्रीन ब्रिगेड के साथ सत्र।

एसएसबी की प्रथम वाहिनी ने चलाया स्वच्छता ही सेवा अभियान

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के सोनापुर स्थित सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की प्रथम वाहिनी और जिला अस्पताल सोनापुर के कर्मचारियों के साथ मिलकर आज *स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता* विषय के साथ स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान, सफाई और स्वच्छता के महत्व को उजागर करने के लिए सफाई मित्रों, स्वच्छता कार्यकर्ताओं को पीपीई किट और सुरक्षा गियर जैसे दस्ताने, मास्क आदि वितरित किए गए। एसएसबी की प्रथम वाहिनी के उप कमांडेंट (कार्यवाहक कमांडेंट) एसी सिंह की देखरेख में लगभग 90 कर्मचारियों और सोनापुर जिला अस्पताल की अधीक्षक डॉ. अनुराधा बोरठाकुर तथा उनके कर्मचारियों के साथ मिलकर जिला अस्पताल परिसर क्षेत्र में स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया।

ग्रीन बोड़ोलैंड मिशन पर दो दिवसीय कार्यशाला कल से

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। बीटीआर सरकार है *ग्रीन बोड़ोलैंड* नामक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन। मिशन: लचीलेपन के लिए जलवायु को पुन: प्राप्त करना टिकाऊ भविष्य 30 सितंबर और 1 तारीख को अक्टूबर 2024 में, बोडोफा सांस्कृतिक परिसर में कोकराझाड़, बीटीआर। यह कार्यशाला उत्थान पर केन्द्रित होगी जलवायु परिवर्तन के बारे में जागरूकता, संरक्षण को बढ़ावा देना प्रयास, और स्थायी संसाधनों को प्रोत्साहित करना प्रबंधन, सक्रिय पर विशेष जोर देने के साथ महिलाओं, युवाओं और छात्रों की भागीदारी। समारोह में प्रमुख गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे प्रमुख सचिव बीटीसी आकाश दीप, बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो, अन्य विशिष्ट अतिथियों के साथ। सत्र प्राकृतिक खेती जैसे महत्वपूर्ण विषयों का पता लगाएगा, जलवायु-अनुकूल कृषि, स्वच्छ और हरा-भरा गांव पहल, वनीकरण, हरित पर्यटन और परिवर्तन शुद्ध-शून्य उत्सर्जन के लिए। इन क्षेत्रों के विशेषज्ञ भी शामिल हैं असम कृषि में अनुसंधान के एसोसिएट निदेशक विश्वविद्यालय, डॉ. मृणाल सैकिया के संस्थापक माली टाईडी, उत्सो प्रधान; सीएसआईआर एनईआईएसटी के वैज्ञानिक डॉ. पंकज भराली और अन्य लोग अपनी अंतर्दृष्टि साझा करेंगे विशेषज्ञता। कार्यशाला सार्थकता के लिए मंच उपलब्ध कराएगी जलवायु परिवर्तन जीवन को कैसे प्रभावित करता है, इस पर चर्चा और क्षेत्र में आजीविका। उपस्थित लोगों के पास होगा पुन: प्राप्त करने के लिए नवीन रणनीतियों का पता लगाने का अवसर चुनौतियों का समाधान करने के साथ-साथ पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करें जल संसाधन प्रबंधन और सतत पर्यटन के बारे में बोड़ोलैंड।

जीएमसीएच में पोषण माह पर जागरूकता बैठक आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) के बाल रोग विभाग में पोषण माह के उपलक्ष्य में जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का उद्घाटन जीएमसीएच के प्राचार्य डॉ. अच्युत बैश्य द्वारा किया गया, जिन्होंने पोषण माह के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बच्चों के संपूर्ण विकास और स्वास्थ्य के लिए पोषण अत्यंत आवश्यक है। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में असम राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एएससीपीसीआर) की सदस्य रिलांजना तालुकदार महंत ने हिस्सा लिया। उन्होंने बाल स्वास्थ्य और कल्याण से संबंधित विभिन्न कानूनों, योजनाओं और नीतियों पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि बच्चों के पोषण का उनके जीवन में कितना महत्वपूर्ण स्थान है और इसके प्रति जागरूकता बढ़ानी चाहिए। बाल रोग विभाग के विभिन्न विशेषज्ञों ने पोषण माह 2024 से संबंधित विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। बैठक का संचालन डॉ. दिगंता बर्मन (सहायक प्रोफेसर, बाल रोग विभाग) ने किया। विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपमा डेका ने पूरक आहार पर चर्चा की, जबकि प्रोफेसर डॉ. गायत्री बेजबरुवा ने एनीमिया के महत्व पर प्रकाश डाला। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दीपांकर हजारिका ने बच्चों की वृद्धि निगरानी और विकास से जुड़े पहलुओं पर बात की। सहायक प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद अलीम उल्लाह ने *पोषण भी, पढ़ाई भी* और तकनीकी विकास के महत्व पर विचार साझा किए। पोषण माह के इस महत्वपूर्ण आयोजन ने बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूकता फैलाने में एक अहम भूमिका निभाई।

बाप के कुकर्म की सजा मां को भुगतनी पड़ी, गई जान

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के बरमटेरिया रूपकोंवर पथ इलाके में एक महिला की हत्या मामले में पुलिस ने उसकी बेटी को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में बेटी ने अपनी मां की हत्या किए जाने की बात स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को बरमटेरिया रूपकोंवर पथ इलाके में एक महिला की हत्या मामले में पूछताछ के लिए 17 साल की नाबालिक टेनिस खिलाड़ी को पानबाजार थाने में लाया गया था। पूरी रात पुलिस द्वारा की गई पूछताछ के दौरान 17 साल की नाबालिक लड़की टूट गई और मां की हत्या किए जाने की बात पुलिस के समक्ष स्वीकार किया। 17 साल की टेनिस खिलाड़ी ने अपने पिता पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उसके पिता कई वर्षों से उसके साथ यौन शोषण करते आ रहे हैं। जिसको लेकर वह काफी परेशान थी। घटना की जानकारी उसने अपनी मां को बताई।

रंगिया में अंतर्राज्यीय सुरक्षित गर्भपात दिवस आयोजित

रंगिया (विभास)। रंगिया महकमा सिविल अस्पताल में शनिवार को अंतर्राज्यीय सुरक्षित गर्भपात दिवस मनाया गया। इस मौके पर महकमा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पद्मेश्वर कलिता की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। अस्पताल की सलाहकार अनिमा बेगम द्वारा बैठक के उद्देश्यों के बारे में बताते हुए गर्भपात के बाद माताओं की सुरक्षा के लिए बरती जाने वाली देखभाल और परिवार नियोजन के तरीकों के बारे में बताया। अस्पताल के स्वास्थ्य कार्यकर्ता अमूल्य वैश्य ने बैठक का संचालन किया और रंगिया महकमा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. निलमोनी कलिता और वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. तिलक कुमार ने संबोधित किया। अपने भाषण में, वक्ताओं ने सुरक्षित गर्भपात के लिए आधुनिक तरीकों के बजाय पुराने जमाने के तरीकों का इस्तेमाल न करने का आग्रह किया। बैठक में डीईआईसी निदेशक अभिजीत भराली, निम्न वर्ग सहायक गौतम कलिता और अस्पताल की नर्सों के साथ-साथ विभिन्न उप-स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत आशा कार्यकर्ता और लाभार्थी उपस्थित थे।

असम राइफल्स, लोकरा ने युवाओं के सरकारी योजनाओं पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया

विश्वनाथ (विभास)। असम राइफल्स ने 27 सितंबर 2024 को बेरोजगार युवाओं और छात्रों को लक्षित करते हुए लोकरा, असम में विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। सत्र में 35 युवाओं और 16 छात्रों सहित कुल 51 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य प्रतिभागियों को रोजगार, कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में शिक्षित करना है। कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं, जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, स्टार्ट-अप इंडिया और मुद्रा ऋण आदि पर विस्तृत प्रस्तुतियां शामिल थीं। कार्यक्रम में इन योजनाओं के पात्रता मानदंड, आवेदन प्रक्रियाओं और लाभों पर प्रकाश डाला गया, जिससे प्रतिभागियों को अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए इनका लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। असम राइफल्स ने एक इंटरैक्टिव सत्र की भी सुविधा प्रदान की, जिसमें उपस्थित लोगों के प्रश्नों और चिंताओं को संबोधित किया गया, इस प्रकार उन्हें अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार करने के लिए ज्ञान और संसाधनों के साथ सशक्त बनाया गया। कार्यक्रम को खूब सराहा गया और इसका उद्देश्य एक आत्मनिर्भर और कुशल समुदाय को बढ़ावा देना है।

रंगिया यूक्लिड सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शैक्षिक बैठक आयोजित

कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की सफलता ही शिक्षक की सच्ची निपुणता है : परेश वैश्य

रंगिया (विभास)। हमारा देश आजादी के पचहत्तर साल पार कर चुका है, लेकिन देश की शिक्षा अभी तक अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाई है। अभी भी कक्षा में छात्र क्या सीखने आए हैं, इसपर ध्यान नहीं दिया जाता बल्कि एक थोपा हुआ पाठ्यक्रम छात्रों को अध्ययन करना पड़ता है। पारंपरिक शिक्षा प्रणाली में कक्षा में छात्रों के लिए स्वाधीनता कम है। कक्षा में शिक्षक का निर्देश चलता है। पारंपरिक शिक्षा छात्र-केंद्रित न होकर शिक्षक-केंद्रित हो गई है। वहीं सभी ने आशा की है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 इस क्षेत्र में आमूल बदलाव लाएगी। इस शिक्षा नीति में छात्रों को कई विषयों के बाद अपनी पसंद के विषयों को पढ़ने का अवसर दिया जाता है। बृहस्पतिवार को रंगिया के ऐतिहासिक हरदत्त वीरदत्त भवन प्रांगण में रंगिया के शिक्षण संस्थान यूक्लिड सीनियर सेकेंडरी स्कूल द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर एक दिलचस्प शैक्षिक चर्चा का आयोजन किया गया जिसमें प्रमुख शिक्षाविद् परेश वैश्य ने उपस्थित होकर यह बात कही। उन्होंने कहा कि मनुष्य की बौद्धिक उत्कृष्टता एवं प्रतिभा को बाहर लाकर उसका पूर्ण विकास का अवसर

शिक्षा द्वारा दिया जाना आवश्यक है। वर्तमान शिक्षा छात्रों को नौकरी के लिए संभावित होने के लिए प्रेरित करती है, लेकिन नौकरी देने वाला बनने के लिए प्रशिक्षित नहीं करती। उन्होंने आगे कहा कि इस पीढ़ी के शिक्षार्थी प्रतिभाशाली हैं, लेकिन उनमें कई क्षेत्रों में सहनशीलता की कमी है और वे नकारात्मक निर्णय लेने से नहीं कतराते हैं। आज की पीढ़ी आरामदायक माहौल में रहकर बड़े सपने देखते है लेकिन दृढ़ता और निरंतरता के साथ इसे लागू करने में असफल होने से कई निराश हो जाते हैं। साथ ही उन्होंने इस मौके पर शिक्षार्थियों को पारंपरिक विषय के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता की आवश्यकता जैसे कि डेटा विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स जैसे विषयों का अध्ययन करने का अवसर लेने का आह्वान किया। उन्होंने छात्रों को भूगोल, इतिहास और गणित विषय को अच्छी तरह अध्यन करने के लिए आह्वान किया। भावी जीवन में यह सभी विषय बहुत से क्षेत्र में एक निर्णायक भूमिका निभाने कि बात कही। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में परीक्षा के अंक पत्र के बदलाव की दक्षता सभी क्षेत्र में अग्रस्थान लेगी। इसलिए, कंठस्थ विद्या से अंकों का संग्रह की दौड़ में न जाकर कौशल एवं तकनीक को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। साथ ही, कुछ शिक्षकों के नैतिक पतन पर समाज में पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव से अपने को दूर रखते हुए नई पीढ़ी का नेतृत्व करने के लिए अपने स्वयं के प्रयासों का उपयोग करने का आह्वान किया। कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की सफलता ही असली शिक्षक की सफलता है। हमेशा छात्रों को अपने आप से बड़ा बनाना ही शिक्षकों को आनंद मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समाज में कुछ अभिभावक शिक्षकों की निरपेक्षता पर सवाल उठाते हैं? यदि बच्चा शिक्षा में उत्तीर्ण नहीं होता है तो बच्चे के नाम पर होने वाले व्यय के अनुपात में शिक्षक को जिम्मेदार ठहराते हैं। यह एक चर्चा करने का विषय बताते हुए उन्होंने टिप्पणी की। प्रमुख फिल्म निर्माता, विद्वान शिक्षक, पंकज पल्लव शर्मा के संचालन में आयोजित उक्त शैक्षिक बैठक में उपस्थित पुब कामरूप महाविद्यालय के अवसरप्राप्त अध्यापक पबिन कलिता ने इतिहास के अध्ययन के महत्व के बारे में भाषण दिया। यूक्लिड सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य अब्दुल रहीम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में प्रतिष्ठित शिक्षाविद् तथा रंगिया महाविद्यालय के अवसरप्राप्त अध्यक्ष भवेंद्र नाथ डेका ने कार्यक्रम

गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात से प्रतिबंध हटा, चावल की दूसरी किस्मों की एक्सपोर्ट ड्यूटी घटाई गई

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। इसके साथ ही उसना चावल (बॉयल्ड राइस) पर एक्सपोर्ट ड्यूटी में बदलाव कर इसे आधा कर दिया गया है। पहले बॉयल्ड राइस पर 20 प्रतिशत एक्सपोर्ट ड्यूटी लगती थी, जिसे घटा कर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। इस संबंध में सरकार की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक ब्राउन राइस पर भी एक्सपोर्ट ड्यूटी घटकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी तरह व्हाइट राइस पर लगने वाली एक्सपोर्ट ड्यूटी शून्य कर दी गई है। ड्यूटी में हुई ये कटौती तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। बताया जा रहा है कि फिलहाल देश में अनाज का भंडार पर्याप्त मात्रा में मौजूद है। इसके साथ ही किसानों ने नई फसल की कटाई भी शुरू कर दी है। आने वाले हफ्तों में ये कटाई और तेज होगी। जिससे देश में अनाज के भंडारण में कमी होने या अनाज की उपलब्धता घटने की आशंका खत्म हो जाएगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल देश में भरपूर मानसूनी बारिश होने की वजह से किसानों ने 41.35 मिलियन हेक्टर खेत में चावल की फसल लगाई है, जबकि पिछले साल देश में 40.45 मिलियन हेक्टर खेत में चावल की खेती हुई थी। इस वजह से भी नए सीजन में चावल के उत्पादन में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। ऐसे में एक्सपोर्ट ड्यूटी में कमी लाने या एक्सपोर्ट पर प्रतिबंध जारी रखने का अब कोई औचित्य नहीं रह गया है। इसके पहले

पिछले साल केंद्र सरकार ने बॉयल्ड राइस के निर्यात पर 20 प्रतिशत की ड्यूटी लगाई थी, क्योंकि उसके पहले के सीजन में सामान्य से कम बारिश होने की वजह से चावल की फसल प्रभावित हुई थी। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने पिछले साल जुलाई में चावल की घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए और चावल की कीमत को नियंत्रण में रखने के लिए गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन अब एक्सपोर्ट ड्यूटी में कमी होने से भारत से निर्यात किए जाने वाले चावल के निर्यात मूल्य में कमी आएगी। साथ ही शिपमेंट में भी तेजी आएगी।

गैर बासमती सफेद चावल के एक्सपोर्ट पर लगे प्रतिबंध और चावल की अन्य किस्मों पर लगने वाली एक्सपोर्ट ड्यूटी में की गई कमी का राइस एक्सपोर्टर्स ने स्वागत किया है। मून राइस एक्सपोट्र्स के सीईओ नरेश गुप्ता का कहना है कि निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटाने का फैसला कृषि क्षेत्र को मजबूती देगा और इससे किसानों की आय में भी बढ़ोतरी होगी। हालांकि कुछ जानकारों का कहना है की गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात से प्रतिबंध हटाने का सीधा असर परमल धान की कीमत पर होगा। चावल के निर्यात पर लगे प्रतिबंध के समाप्त होने के बाद बाजार में तेजी आने की संभावना है। बाजार में धान की मांग तुलनात्मक तौर पर और अधिक बढ़ेगी, जिससे सरकारी खरीद शुरू होने के पहले भी किसानों को अपनी उपज के एवज में ज्यादा कीमत मिल सकेगी।

अमित शाह, भाजपा, कांग्रेस ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह को नमन किया

नई दिल्ली, (हि.स)। कृतज्ञ राष्ट्र आज भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के सबसे महान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह का भावपूर्ण स्मरण कर उन्हें नमन कर रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर उन्हें नमन किया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स हैंडल में लिखा, "क्रांतिवीर भगत सिंह जी ने न केवल ब्रिटिश हुकूमत को बुलंद आवाज से ललकारा, बल्कि देश की स्वतंत्रता व सुनहरे कल के लिए अपने प्राणों की आहुति भी दी। एक ओर उन्होंने अपने ओजस्वी विचारों से युवाओं को मां भारती की स्वाधीनता के लिए प्रेरित किया, तो दूसरी ओर टुकड़ों में बंटे

स्वतंत्रता संग्राम को संगठित किया। उनके बलिदान की चिंगारी ऐसी महाज्वाला बनी, जिससे पूरे देश में आजादी की लहर और प्रचंड हो गई। शहीद-ए-आजम भगत सिंह जी को उनकी जयंती पर कोटिशः वंदन।" भाजपा ने एक्स हैंडल पर लिखा, "देशभक्ति, शौर्य और पराक्रम के अद्वितीय प्रतीक शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर शत-शत नमन।" इसके अलावा प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने भी उन्हें नमन किया है। कांग्रेस ने एक्स पर लिखा, "देश के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले महान क्रांतिकारी अमर शहीद भगत सिंह जी की जयंती पर कोटिशः नमन।" उल्लेखनीय है कि शहीद-ए-आजम भगत सिंह का जन्म पंजाब के बंगा (अब पाकिस्तान) में 28 सितंबर, 1907 को हुआ था। उन्होंने अंग्रेजों की गुलामी की जंजीरों से भारत माता को मुक्त कराने की लड़ाई लड़ी। उनको कम उम्र में 23 मार्च 1931 को लाहौर जेल में मौत की सजा दे दी गई। भगत सिंह के प्रेरक नारा 'इंकलाब जिंदाबाद' देशभक्ति की भावना को जगाता है।

जम्मू-कश्मीर के लोग भ्रष्टाचार व आतंकवाद से मुक्त सरकार की उम्मीद कर रहे हैं : नरेन्द्र मोदी

जम्मू, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग शांति चाहते हैं। वे अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए भ्रष्टाचार और आतंकवाद से मुक्त सरकार की उम्मीद कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को जम्मू के एमएएम स्टेडियम में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि इस विधानसभा चुनाव ने जम्मू के लोगों को अगली सरकार तय करने का ऐतिहासिक अवसर दिया है। उन्हें इस मौके का फायदा उठाने और भाजपा को चुनने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर के वासी अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए राज्य में शांति के साथ भ्रष्टाचारमुक्त, आतंकवादमुक्त सरकार और अलगाववाद से मुक्ति चाहते हैं। मोदी ने कहा कि चुनाव के पहले दो

चरणों में भारी मतदान हुआ है। यह तय है कि भाजपा जम्मू-कश्मीर में पूर्ण बहुमत के साथ अपनी पहली सरकार बनाने जा रही है। उल्लेखनीय है कि यह प्रधानमंत्री का जम्मू-कश्मीर का तीसरा दौरा और एक पखवाड़े में चौथी चुनावी रैली है। उन्होंने पहले चरण के चुनाव से चार दिन पहले 14 सितंबर को डोडा जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित किया था और दूसरे चरण के चुनाव से पहले 19 सितंबर को श्रीनगर और कटरा में दो और रैलियां की थीं। राज्य में चुनाव के अंतिम चरण में सात जिलों की 40 विधानसभा क्षेत्रों में, जिसमें जम्मू क्षेत्र की 24 और कश्मीर क्षेत्र की 16 सीटों के लिए प्रचार रविवार शाम को बंद हो जाएगा।

जान गंवाने वाले 5 कोरोना योद्धा परिवारों को 1-1 करोड़ की सम्मान राशि देगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली, (हि.स.)। कोरोना महामारी के दौरान जान गंवाने वाले 5 कोरोना योद्धा के परिवारों को दिल्ली सरकार 1-1 करोड़ रुपये की सम्मान राशि देगी। मुख्यमंत्री ने इसकी मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री आतिशी ने शनिवार को कहा कि दिल्ली में कोरोना योद्धाओं ने महामारी के दौरान जान की परवाह किए बिना मानवता और समाज की रक्षा करने का काम किया और अपने जीवन का बलिदान दिया। दिल्ली सरकार इनके जज्बे को सलाम करती है। बेशक इस राशि से दिवंगत कोरोना योद्धाओं के परिवार के नुकसान की पूर्ति नहीं की जा सकती लेकिन उनके परिवार को एक सम्मानजनक जीवन जीने का जरिया जरूर मिलेगा। उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार अबतक 92 योद्धाओं के परिवारों को 1-1 करोड़ रुपये की सहायता सम्मान राशि दे चुकी है।

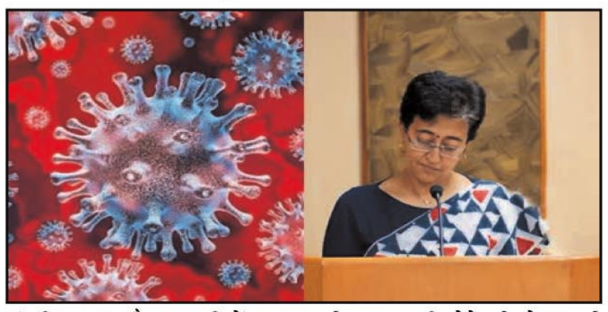

अब इनको मिलेगी सम्मान राशि -

-संजय मनचंदा, फार्मासिस्ट एसडीएमसी- संजय मनचंदा कोरोना के दौरान पेशेंट केयर फैसिलिटी में बतौर फार्मासिस्ट तैनात थे। साथ ही वो आशा वर्कर्स व एएनएम के साथ कंटेनमेंट जोन में भी विजिट करते थे। ड्यूटी के दौरान ही वो कोरोना संक्रमित हुए और कुछ दिनों बाद उनका देहांत हो गया।

-रवि कुमार सिंह, जूनियर असिस्टेंट, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज- रवि कुमार सिंह मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में बतौर जूनियर असिस्टेंट तैनात थे। यहां ड्यूटी पर रहते हुए वे कोरोना संक्रमित हुए और उनका देहांत हो गया। दिल्ली सरकार ने उनके परिवार को 1 करोड़ रुपए की सम्मान राशि देने की घोषणा की है।

-वीरेंद्र कुमार, सफाई कर्मचारी-वीरेंद्र कुमार कोरोना के दौरान एक हंगर रिलीफ सेंटर में साफ-सफाई का काम देखते थे। ड्यूटी के दौरान वो कोरोना संक्रमित हुए और कुछ समय बाद उनका देहांत हो गया। दिल्ली सरकार ने उनके परिवार को 1 करोड़ रुपए की सम्मान राशि देने की घोषणा की है।

-भवानी चंद्र, एएसआई, दिल्ली पुलिस- भवानी चंद्र, कोरोना में लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात थे। ड्यूटी पर रहते हुए वे कोरोना संक्रमित हुए और उनका देहांत हो गया। दिल्ली सरकार ने उनके परिवार को 1 करोड़ रुपए की सम्मान राशि देने की घोषणा की है।

-मो. यासिन, प्राइमरी टीचर, एमसीडी- कोरोना के दौरान मो. यासीन राशन डिस्ट्रीब्यूशन की ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान वे कोरोना संक्रमित हुए और कुछ समय बाद उनका देहांत हो गया। दिल्ली सरकार ने उनके परिवार को 1 करोड़ रुपये की सम्मान राशि देने की घोषणा की है।

मुंबई पर आतंकी हमले की चेतावनी के बाद हाई अलर्ट जारी, बढ़ाई गई गश्त

मुंबई, (हि.स.)। केंद्रीय खुफिया एजेंसी की ओर से मुंबई पर आतंकी हमले की चेतावनी के बाद पुलिस ने हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। मुंबई पुलिस ने भीड़भाड़ वाली जगहों और धार्मिक स्थलों के साथ संवेदनशील स्थलों पर सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस के अनुसार केंद्रीय खुफिया एजेंसी ने मुंबई पुलिस को जानकारी दी है कि देश की आर्थिक राजधानी एक बार फिर आतंकियों के निशाने पर है। इसी पृष्ठभूमि में मुंबई पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है और शहर में गश्त बढ़ा दी गई है। साथ ही आने वाले नवरात्रि पर्व को देखते हुए प्रसिद्ध मंदिरों की भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। इन स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर के बाहर भी पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है। श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा संबंधी नियम जारी किए गए हैं।

दिल्ली में चार बेटियों के साथ पिता ने की खुदकुशी

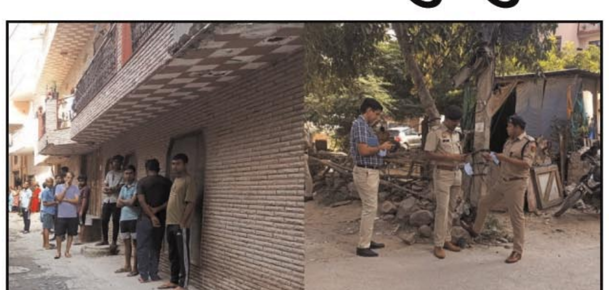

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के रंगपुरी गांव में एक व्यक्ति ने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी चार बेटियों के साथ खुदकुशी कर ली। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने चारों के शव नजदीकी अस्पताल भिजवाए। मरने वालों की पहचान हीरालाल, 18 वर्षीय नीतू, 15 वर्षीय निशि, 10 वर्षीय नीरू और 8 वर्षीय निधि के रूप में हुई है। पुलिस ने शुक्रवार को फ्लैट का ताला तोड़कर शवों को बाहर निकाला। चारों बेटियां दिव्यांग होने के कारण चलने-फिरने में असमर्थ थीं और पत्नी की मौत के बाद हीरालाल अपनी बेटियों की हालत देखकर पूरी तरह से टूट चुका था। उसने बच्चियों को जहरीला पदार्थ खिलाकर खुद भी जान दे दी। हीरालाल परिवार के साथ रंगपुरी गांव में किराये के मकान में रहता था। वह मूल रूप से बिहार के छपरा जिले के मसरख गांव का रहने वाला था। हीरालाल वसंत कुंज स्थित एक अस्पताल में कारपेंटर के तौर पर काम करता था। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह हीरालाल के फ्लैट से बदबू आनी शुरू हुई। इस पर सड़क की दूसरी तरफ स्थित मकान में रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को फोन कर यह जानकारी दी।

हिमाचल कांग्रेस में मचे घमासान पर भाजपा का तंज- इस बार राहुल बनाम प्रियंका

नई दिल्ली, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश मॉडल की तारीफ करने को लेकर हिमाचल कांग्रेस में घमासान मचा गया है। इस पर भारतीय जनता पार्टी ने चुटकी लेते हुए कहा कि हिमाचल कांग्रेस बंटती नजर आ रही है। इस बार साफ तौर पर राहुल बनाम प्रियंका है। शनिवार को भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने एक वीडियो के माध्यम से कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी बंटती नजर आ रही है और इस बार मामला सिर्फ सुक्खू बनाम विक्रमादित्य या सुक्खू बनाम प्रतिभा सिंह नहीं है बल्कि इस बार साफ तौर पर राहुल बनाम प्रियंका है। उन्होंने कहा कि जैसे ही विक्रमादित्य सिंह ने 'उत्तर प्रदेश का मॉडल' की तारीफ की और उसे हिमाचल प्रदेश में लागू

करने की बात कही तो कांग्रेस फंस गई। राहुल गांधी खेमे से एक के बाद एक विक्रमादित्य सिंह के खिलाफ बयान जारी होने लगे। आज लोग देख रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी किस तरह से वोटबैंक का हित साध रही है। फटकार के बाद भी विक्रमादित्य सिंह के तेवर नहीं बदले हैं और उनके मंत्री धनीराम शांडिल ने भी विक्रमादित्य सिंह का समर्थन किया है। यानी राहुल गांधी खेमे से लगातार मिल रही फटकार के बाद भी प्रियंका खेमा सीधे तौर पर कह रहा है कि हम अपनी बात पर अड़े रहेंगे।

केजरीवाल को दिल्ली में एक घर की तलाश, जल्द छोड़ेंगे सीएम आवास

नई दिल्ली, (ईएमएस)। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था वह जल्द ही सिविल लाइंस में 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित सीएम के आधिकारिक आवास को खाली कर देंगे। सूत्रों के मुताबिक केजरीवाल के लिए नई दिल्ली क्षेत्र में नए आवास की तलाश जारी है, जो उनकी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता हो। केजरीवाल ने पहले कहा ही था कि वह श्राद्ध पक्ष खत्म होने और नवरात्र शुरू होने के बाद दिल्ली सीएम आवास खाली कर देंगे। दिल्ली विधानसभा में आम आदमी पार्टी को पूर्ण बहुमत मिलने और दूसरी बार मुख्यमंत्री चुने जाने के बाद 2015 से केजरीवाल सीएम के आधिकारिक आवास पर रह रहे हैं। जंतर-मंतर पर

एक जनसभा में केजरीवाल ने कहा था कि एक दशक से ज्यादा समय तक दिल्ली के सीएम रहने के बावजूद उन्होंने अभी तक शहर में अपना घर नहीं खरीदा है। दिसंबर 2013 में पहली बार दिल्ली के सीएम बनने से पहले केजरीवाल गाजियाबाद के कौशांबी इलाके में रहते थे। सीएम के तौर पर केजरीवाल मध्य दिल्ली के तिलक लेन स्थित घर में रहे। फरवरी 2015 के विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी के भारी बहुमत के साथ सत्ता में आने के बाद वे उत्तरी दिल्ली के सिविल लाइंस इलाके में 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित आवास में रहने चले गए थे।

बीजेपी जहां कमजोर अब आरएसएस वहां करेगी मजबूत

चंडीगढ़,(ईएमएस)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव का प्रचार जोरों पर है। चुनाव में जीत को लेकर सभी पार्टियां अपने-अपने दावे पेश कर रही हैं। वहीं राज्य में बीजेपी हैट्रिक लगाने के लिए अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भी मैदान में उतर आया है। अब आरएसएस कार्यकर्ता हरियाणा में अंदर ही अंदर बीजेपी उम्मीदवार के पक्ष में माहौल बनाने का काम करेंगे। आरएसएस का उन सीटों पर खास ध्यान है जहां बीजेपी थोड़ी कमजोर पड़ रही है। बीजेपी नेतृत्व का मानना है कि यदि इन सीटों पर पार्टी के साथ आरएसएस कार्यकताओं ने भी जोर लगाया तो

परिणाम बदल सकते हैं। आरएसएस कार्यकर्ता घर-घर जा रहे हैं। इसके साथ सार्वजनिक स्थलों पर भी केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों पर चर्चा कर रहे हैं। बीजेपी से जुड़े एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि चुनाव के अंतिम दिनों में बीजेपी ने स्टार प्रचारकों के साथ पन्ना प्रमुखों की बूथ लेवल पर सक्रियता बढ़ा दी है। इसके साथ आरएसएस भी सक्रिय हो गई है। उनका एक सिद्धांत है कि जहां कम, वहां हम। इसके आधार पर वह उन सीटों पर जा रहे हैं, जहां भाजपा कमजोर दिख रही है। बीजेपी की आंतरिक रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी ने पिछले कुछ दिनों में अपना चुनाव उठाया है। इसलिए शीर्ष नेतृत्व ने अब पूरी ताकत झोक दी है। आरएसएस की टीमों का बीजेपी से कोई लेना-देना नहीं होगा। उनकी टीमें अलग से क्षेत्रों में जाएंगी। चुनाव से पहले बीजेपी और आरएसएस के बीच उम्मीदवारों के चयन से लेकर बूथ स्तर के प्रबंधन पर चर्चा हुई थी। बीजेपी ने आरएसएस के सुझाव को मानते हुए 25 से ज्यादा नए चेहरों को मैदान में उतारा है।

आयुष्मान में अब 170 आयुर्वेदिक पैकेज होंगे शामिल

-जन औषधि केंद्रों की तरह आयुष औषधि केंद्र भी किए जाएंगे शुरू

नई दिल्ली, (ईएमएस)। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना में अब आयुर्वेदिक पैकेजों को भी शामिल किया जाएगा। इसके लिए आयुष मंत्रालय ने तैयारी कर ली है। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने बताया कि आयुष उपचार को मेनस्ट्रीम हेल्थकेयर सिस्टम से जोड़ने के लिए यह पहल की जा रही है साथ ही बीमा कंपनियों से भी बातचीत चल रही है। शुरूआत में 170 आयुर्वेदिक पैकेजों को आयुष्मान योजना में शामिल किया जाएगा। जैसे-जैसे मांग बढ़ेगी, पैकेज की संख्या में भी बढ़ोतरी की जाएगी। इसके अलावा, एलोपैथी दवाओं के लिए शुरू किए गए जन औषधि केंद्रों की तरह आयुष औषधि केंद्र भी शुरू किए जाएंगे। अक्टूबर में दिल्ली के

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में आयुष औषधि केंद्र शुरू हो जाएगा। आयुष मंत्रालय की योजना छोटे-छोटे गांवों में भी ऐसे मेडिकल स्टोर खोलने की है। इन स्टोर में लोगों को कम कीमत में आयुर्वेदिक दवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव का कहना है कि आयुर्वेद, होम्योपैथिक, यूनानी चिकित्सा में प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों के सामने एक समस्या होती है कि जो दवाईयां लिखी जाती हैं, मरीजों को उनमें से कई दवाइयां नहीं मिलती। मेडिकल स्टोर्स पर भी आयुष की कम ही दवाएं होती हैं, लेकिन अब इनके लिए स्पेशल मेडिकल स्टोर खोले जाएंगे। प्राइवेट पार्टनरशिप में ऐसे केंद्र शुरू करने का विकल्प होगा। आयुष मंत्री के मुताबिक जिला स्तर पर 50, 30 और 10 बेड के अस्पताल भी बनाए जाएंगे। मेडिकल सीटों में भी बढ़ोतरी की जा रही है। केंद्रीय मंत्री ने आयुष मंत्रालय के 100 दिनों की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि पांच करोड़ लोगों की स्वास्थ्य जांच की योजना पर काम चल रहा है। जिन लोगों की स्वास्थ्य जांच होगी, उनके लिए ऐप तैयार किया जा रहा है, जहां पर उनको खानपान, बीमारी से बचाव व अन्य अहम जानकारियों के नोटिफिकेशन मिल सकेंगे। प्रकृति परीक्षण अभियान को चलाने के लिए देश के सभी आयुर्वेद कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र, डॉक्टर व फैकल्टी की मदद ली जाएगी। इस अभियान से शोध क्षेत्र का सबसे बड़ा रिसर्च सैंपल साइज मिलेगा और आयुर्वेद क्षेत्र में बड़ी रिसर्च होगी।

बीएसई और एनएसई ने ट्रांजेक्शन फीस स्ट्रक्चर में किया बदलाव, 1 अक्टूबर से लागू होगी नई व्यवस्था

नई दिल्ली, (हि.स.)। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के निर्देश के अनुसार बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने कैश तथा फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) ट्रेडिंग के लिए ट्रांजेक्शन फीस में बदलाव करने का ऐलान किया है। ट्रांजेक्शन फीस की नई दरें 1 अक्टूबर से लागू हो जाएंगी। सेबी ने एक सर्कुलर जारी करके शेयर बाजार समेत मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस (एमआईआई) के सभी सदस्यों के लिए एक समान फीस स्ट्रक्चर को अनिवार्य कर दिया है। दरअसल, जुलाई के महीने में ही सेबी ने एक सर्कुलर जारी करके मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस (एमआईआई) की ओर से लगाए जाने वाले ट्रांजेक्शन चार्ज के संबंध में निर्देश जारी किया था कि एमआईआई के पास सभी सदस्यों के लिए एक समान फीस स्ट्रक्चर होना चाहिए। ये फीस स्ट्रक्चर मौजूद वॉल्यूम बेस्ड स्लैब सिस्टम को रिप्लेस करेगा। सेबी के

सर्कुलर में ये भी साफ किया गया था कि ट्रेडिंग मेंबर्स की ओर से अपने क्लाइंट्स से वसूले जाने वाले चार्जेज और मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस को ट्रेडिंग मेंबर्स द्वारा दिए जाने वाले चार्जेज में परस्पर समानता होनी चाहिए, ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। सेबी के निर्देश के अनुरूप ही बीएसई और एनएसई ने अलग-अलग सर्कुलर जारी करके ट्रांजेक्शन फीस में होने वाले बदलाव की जानकारी दी है। बीएसई के सर्कुलर के मुताबिक इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में सेंसेक्स और बैंकेक्स ऑप्शंस कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए ट्रांजेक्शन फीस को रिवाइज करके 3,250 रुपये प्रति करोड़ प्रीमियम टर्नओवर कर दिया गया है। हालांकि सर्कुलर में स्पष्ट किया गया है कि इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में दूसरे कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए ट्रांजेक्शन चार्ज में कोई बदलाव नहीं किया गया है। मौजूदा व्यवस्था में सेंसेक्स 50 ऑप्शंस और स्टॉक ऑप्शंस के लिए बीएसई प्रति करोड़ प्रीमियम टर्नओवर पर 500 रुपये ट्रांजेक्शन फीस चार्ज करता है। इंडेक्स और स्टॉक फ्यूचर्स के लिए कोई ट्रांजेक्शन फीस नहीं ली जाती है। बीएसई की तरह ही एनएसई ने भी सर्कुलर जारी करके बताया है कि अब कैश मार्केट के लिए प्रति लाख ट्रेडड वैल्यू पर 2.97 रुपये ट्रांजेक्शन फीस होगी। इसी तरह इक्विटी फ्यूचर्स के लिए ट्रांजेक्शन फीस प्रति लाख ट्रेडड वैल्यू पर 1.73 रुपये और इक्विटी ऑप्शंस के लिए प्रति लाख प्रीमियम वैल्यू पर 35.03 रुपये होगी। इसके अलावा करेंसी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में फ्यूचर्स के मामले में ट्रांजेक्शन फीस प्रति लाख ट्रेडड वैल्यू पर 0.35 रुपये होगी, जबकि इंटरेस्ट रेट ऑप्शंस समेत अन्य ऑप्शंस के लिए प्रति लाख प्रीमियम वैल्यू पर 31.10 ट्रांजैक्शन फीस होगी।

अगर हम इतिहास को नहीं जानते तो हमारा पतन निश्चित है : ले. कर्नल राव

उदयपुर (हिंस)। भारत तिब्बत समन्वय संघ के राष्ट्रीय महामंत्री लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीनिवास राव ने कहा कि यदि हम इतिहास को नहीं जानते हैं तो हमारा पतन निश्चित है। यह बात उन्होंने शनिवार को उदयपुर में शुरू हुई भारत तिब्बत समन्वय संघ की राष्ट्रीय कोर परिषद की उत्तरार्द्ध बैठक *तप-2024* के उद्घाटन सत्र में कही। बेंगलूरु से आए राष्ट्रीय महामंत्री और राजस्थान राज्य प्रभारी लेफ्टिनेंट कर्नल ने कहा कि चीन ने धोखे से हमारी जमीन पर कब्जा किया। चीन हमारा दुश्मन है। उसकी नीति विस्तारवादी है। उस पर विश्वास नहीं किया जा सकता। उसकी विस्तारवादी नीति का ही नतीजा है कि तिब्बत के वासी आज निर्वासन की पीड़ा भुगतने को मजबूर हैं। भारत-तिब्बत समन्वय संघ तिब्बत को भारत को अभिन्न अंग मानता है और उसकी मुक्ति के लिए लगातार प्रयत्नरत है। यहां हिरणमगरी सेक्टर-13 स्थित आशीष वाटिका में आयोजित इस राष्ट्रीय कोर परिषद की दो दिवसीय बैठक का आरंभ धर्मगुरु दलाईलामा की प्रार्थना व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र में राज्य के अतिरिक्त महाधिवक्ता एडवोकेट प्रवीण

खंडेलवाल, उदयपुर नगर निगम के उपमहापौर पारस सिंघवी, बीटीएसएस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व सहकारिता क्षेत्र की जानीमानी हस्ती प्रकाश पत्न पारखी, चित्तौड़ प्रांत अध्यक्ष एडवोकेट दिनेश गुप्ता मंचासीन थे। उपमहापौर पारस सिंघवी ने कहा कि संकल्प दृढ़ और प्रयास अनथक हो तो सफलता अवश्य प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि हमने कभी सोचा नहीं था कि संघ का प्रचारक प्रधानमंत्री बनेगा, कभी सोचा नहीं था राम मंदिर बनेगा, कभी सोचा नहीं था कि कश्मीर में धारा 370 हटेगी, लेकिन देशहित की भावना को सर्वोपरि रखकर लगातार प्रयत्नों का ही परिणाम है कि यह सभी कार्य हुए। उन्होंने कहा कि चुनौतियां अभी कई हैं। आदिवासी भाइयों का धर्मांतरण किया जा रहा है। चर्च का पादरी आदिवासी बन जाता है और सरकारी लाभ ले रहा है। जनजाति सुरक्षा मंच देश भर में इसके लिए धर्मांतरित हो चुके लोगों को सरकारी लाभ की सूची से हटाने के लिए डी-लिस्टिंग अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और हिंदू समाज के उत्थान के लिए सभी को दृढ़ संकल्पित होकर प्रयत्न करने होंगे। अतिरिक्त महाधिवक्ता प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि कैलाश मानसरोवर जल्दी से आजाद हो, इसके लिए पुरजोर प्रयत्न करने के लिए संकल्पित होना होगा। हमारा लक्ष्य मुश्किल है, मगर असंभव नहीं है। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रकाश पत्न पारखी ने कहा कि इंदौर बैठक में तय हुआ था कि अगली बैठक उदयपुर में की जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि हमें सगंठन के कार्य को नीचे के स्तर तक लेकर जाना है। आरंभ में चित्तौड़ प्रांत अध्यक्ष एडवोकेट दिनेश गुप्ता व अन्य स्थानीय पदाधिकारियों ने अतिथियों व बाहर से आए प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उद्घाटन सत्र का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री राजो मालवीय ने किया व धन्यवाद क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सोनी ने ज्ञापित किया। संघ के राष्ट्रीय सह संयोजक (संवाद प्रभाग) संजय सोनी ने बताया कि तिब्बत को चीन से स्वतंत्र कराए बगैर भारत की आजादी अधूरी है।

वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए एक पथ प्रदर्शक है मीडिया

सिरोही (हिंस)। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मुख्यालय शांतिवन के आनंद सरोवर परिसर में चल रहे राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन के दूसरे दिन देशभर से आए वक्ताओं ने मीडिया वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए एक पथ प्रदर्शक विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। मीडिया विंग द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का मूल विषय स्वस्थ एवं सुखी समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तीकरण-मीडिया की भूमिका है। नोएडा के इंडिया टुडे मीडिया संस्थान डीन एवं निदेशक डॉ. ध्रुव ज्योति पति ने कहा कि यहां आकर बहुत प्रसन्न महसूस कर रहा हूं। यहां के दिव्य वातावरण में अद्भुत वातावरण होती है। अध्यात्म में ही वह शक्ति है कि इसके बल से ही वैश्विक शांति आएगी। हम उस महान संस्कृति से आते हैं जहां अलग-अलग भाषा, रंग-भेद और संस्कृति के लोग सद्भाव के साथ रहते हैं। जब हम आत्म निरीक्षण, आत्म विश्लेषण और आत्म चिंतन करने शुरू करने देंगे तो दुनिया की ज्यादातर समस्याएं समाप्त हो जाएंगी। वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए मीडिया एक पथ प्रदर्शक है। जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी जयपुर के स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन डीन व प्रो. डॉ. नरेंद्र कौशिक ने कहा कि दुनिया में शांति स्थापित करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। देश में जो समस्याएं आईं हैं उनके समाधान के लिए मीडिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही आपात स्थिति में मीडिया ने सद्भाव का संदेश दिया है। नगर निगम जयपुर हेरिटेज के जनसंपर्क विभाग के संयुक्त निदेशक मोतीलाल वर्मा ने कहा कि सोशल मीडिया से समाज में अशांति का माहौल बन रहा है। आज से 40-50 साल पहले लोगों का जीवन बहुत सुखमय था, क्योंकि हम सीधेतौर पर लोगों से कनेक्ट होते थे। अब फिर समय आ गया है कि मीडिया को लोगों के जीवन में शांति और मार्गदर्शन के लिए आगे आना होगा। हम उस स्वर्णिम संस्कृति से आते हैं जहां कभी देवी-देवताओं की दुनिया थी। फिर से वही दुनिया लाने के लिए हमें अध्यात्म की ओर बढ़ना होगा। गुजरात डीसा के स्तंभकार व स्वतंत्र पत्रकार भगवानदास ठक्कर ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज परिवार द्वारा भारत सहित पूरे विश्व में सकारात्मकता और विश्व शांति के लिए प्रचार किया जा रहा है। संस्था का एक ही उद्देश्य है विश्व शांति। अब इसमें मीडिया को भी होना है। किसी युद्ध में जब मीडिया की भूमिका पॉजीटिव होती है तो वह युद्ध भी समाप्त हो जाते हैं। भारत में आए कोरोनाकाल में मीडिया ने समाज के सामने बहुत ही पॉजीटिव खबरें दीं और हम इस महामारी से उबर पाए। मुंबई की लोक सामना समाचार की अखिल भारतीय ब्यूरो प्रमुख डॉ. दीप्ति जोशी ने कहा कि हमारी लोकशाही के तीन स्तंभ की हालत बहुत ही नाजुक है। ऐसे में मीडिया को सजग रहने की जरूरत है। जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जेएआर) के अध्यक्ष हरि बल्लभ मेघवाल ने कहा कि पत्रकारों के आदर्श नारद मुनि जी ने लोक संवाद के आदर्श प्रस्तुत किए हैं।

फिरौती के डर से पलायन कर रहे व्यापारी व कारोबारी : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

कैथल (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी सरकार ने हरियाणा को पलायन स्टेट बना दिया है। फिरौती के डर से कंपनियां व कारोबारी हरियाणा से पलायन कर रहे हैं। रोजगार ना मिलने की वजह से युवा दूसरे प्रदेश व विदेशों में पलायन कर रहे हैं। भाव ना मिलने की वजह से किसान खेती से पलायन कर रहे हैं। अग्निवीर से दुःखी युवा स्टेडियम से पलायन कर गए और हरियाणा की नौकरियां दूसरे राज्यों में पलायन कर रही हैं। हुड्डा शनिवार को कलायत के उम्मीदवार विकास के समर्थन में गांव जाखौली में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा से लगातार हो रहा प्रतिभाओं व अवसरों का पलायन बेहद चिंताजनक है। इसको रोकना कांग्रेस की पहली प्राथमिकता होगी। कांग्रेस सरकार सुनिश्चित करेगी कि हरियाणा से अपराधियों, बदमाशों, नशाखोरी, बेरोजगारी, महंगाई व तानाशाही का

पलायन हो और प्रदेश विकास व खुशहाली में देश का नंबर वन राज्य बने। जनसभा को हुड्डा के साथ-साथ सांसद जयप्रकाश जेपी, पूर्व सांसद सुरेंद्र सिंह बरवाला, वरिष्ठ नेता फूल सिंह खेड़ी, रामभज समेत कई लोगों ने संबोधित किया। सभी ने कांग्रेस उम्मीदवार विकास सहारण के लिए वोट की अपील की। इस मौके पर बीजेपी किसान मंडल अध्यक्ष सतबीर गिल, आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष दीपक राणा और जेजेपी छोड़कर जिला परिषद चेयरमैन दीप मलिक ने कांग्रेस ज्वाइन की। इनके साथ ब्लॉक समिति के 17 में से 11 सदस्य बीजेपी व जेजेपी छोड़कर भी कांग्रेस में शामिल हुए। इस मौके पर जय प्रकाश जेपी ने बताया कि कांग्रेस ने ऐसा घोषणापत्र जारी किया है जो हर वर्ग की उम्मीदों को पूरा करता है। बुजुर्गों को 6000 पेंशन, महिलाओं को 2 हजार रुपए प्रतिमाह, कर्मचारियों को ओपीएस और युवाओं को 2 लाख पक्की नौकरियां कांग्रेस सरकार देने जा रही है।

राजस्थान में सफाई कर्मचारी के 23, 820 पदों पर निकली भर्ती

जयपुर (हिंस)। राज्य सरकार ने 23 हजार 820 पदों पर सफाई कर्मचारियों की भर्ती निकाली है। स्वायत्त शासन विभाग ने इसका नोटिफिकेशन 27 सितंबर की देर रात जारी किया है। राजस्थान के मूल निवासी सात अक्टूबर से छह नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। उम्मीदवारों का सलेक्शन लॉटरी के आधार पर किया जाएगा, जिसमें तीन गुना ज्यादा अभ्यर्थियों को सिलेक्ट किया जाएगा। इसके बाद दो महीने सफाई करके दिखाना होगा। इसका सरकार की ओर से नियमानुसार भुगतान भी किया जाएगा। इस प्रक्रिया में सर्वश्रेष्ठ काम करने वाले उम्मीदवारों का चयन कर उन्हें दो साल प्रोबेशन पीरियड पर रखा जाएगा। इसके बाद उन्हें स्थायी नियुक्ति दी जाएगी। राजस्थान सफाई कर्मचारी भर्ती के लिए आवेदन करने के लिए अभ्यर्थी का राजस्थान का मूल निवासी होना अनिवार्य है। भर्ती में आवेदन करने वाले उम्मीदवार के पास सफाई, सार्वजनिक सीवरेज की सफाई का 1 साल का कार्य अनुभव होना अनिवार्य है। ऐसे में जिन भी उम्मीदवार ने नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद में सड़क की सफाई और सार्वजनिक सीवरेज की सफाई का काम करने वाली कंपनी और ठेकेदारों से प्रमाण पत्र हासिल किया है। सिर्फ वही भर्ती में आवेदन कर सकेंगे। जबकि प्राइवेट कंपनियों की ओर से जारी प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे। राजस्थान सफाई कर्मचारी भर्ती 2024 के लिए आयु सीमा 18 से 40 वर्ष तक रखी गई है। इसके अलावा आरक्षित वर्गों को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट प्रदान की जाएगी। राजस्थान सफाई कर्मचारी भर्ती 2024 में आयु की गणना एक जनवरी 2024 को आधार मानकर की जाएगी। राजस्थान सफाई कर्मचारी भर्ती के लिए अभ्यर्थियों का सलेक्शन निकाय स्तर पर गठित चयन समिति द्वारा लॉटरी और प्रैक्टिकल के जरिए किया जाएगा। आवेदन करने के बाद अभ्यर्थी का इंटरव्यू लिया जाएगा। इंटरव्यू के बाद हर अभ्यर्थी से प्रैक्टिकल करवाया जाएगा, जिसमें झाडू लगवाने से लेकर नालियों की सफाई तक का काम करवाया जा सकता है। इसके लिए सरकार द्वारा तीन गुना अभ्यर्थियों को सिलेक्ट किया जाएगा। इससे पहले राजस्थान में 24 हजार 797 पदों पर सफाई कर्मचारियों की भर्ती निकाली गई थी। लेकिन भर्ती में वाल्मीकि समाज को प्राथमिकता देने की मांग को लेकर प्रदेशभर में सफाई कर्मचारियों ने आंदोलन शुरू कर दिया था। इसके बाद सरकार की ओर से 24 हजार से ज्यादा पदों पर निकाली गई भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर एक बार फिर नए सिरे से सफाई कर्मचारियों की भर्ती निकाली गई है। इसमें वाल्मीकि समाज की प्राइवेट कंपनी की ओर से प्रमाण पत्र को मान्यता नहीं देने की मांग को मान लिया गया है।

कांग्रेस पूरा करती है अपने घोषणा पत्र के वादे : सुरेंद्र राजपूत

यमुनानगर (हिंस)। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत यमुनानगर पहुंचे और निजी होटल में पार्टी के घोषणा पत्र को लेकर एक पत्रकार वार्ता की। शनिवार को पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने कहा कांग्रेस के द्वारा आज जारी किए गए घोषणा पत्र के द्वारा कांग्रेस पार्टी ने हरियाणा की जनता के लोगों के जनहित में जो घोषणाएं की है वह जमीनी स्तर पर हम पूरी करेंगे। उन्होंने कहा कि घोषणा पत्र के अनुसार बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगो को 6000 रुपए प्रतिमाह पेंशन दी जाएगी। महिला को खाते में हर महीने 2000 रुपए आएंगे वहीं 500 रुपए का रसोई गैस सिलेंडर भी उन्हें दिया जाएगा। इसके अलावा गरीबों को 100-100 गज के प्लाट दिए जाएंगे व निर्माण के लिए उन्हें साढे तीन लाख रुपए भी दिए जाएंगे। किसानों को एमएसपी का कानून दिया जाएगा और पोर्टल से हो रही परेशानी से जनता को निजात दिलाई जाएगी। बेरोजगार युवाओं के लिए दो लाख नौकरियां दी जाएंगी। वहीं उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार पर महंगाई, बेरोजगारी युवाओं में बढ़ता नशा, महिला पहलवानों और किसानों पर अत्याचार और लाचार कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने केवल सरकारी संपत्तियों को अडानी, अंबानी को बेचने का काम किया। जब 2014 से पहले हमारी सरकार में 56 रुपए का एक डॉलर दाम था। वही आज यह बढ़कर 84 रुपए प्रति डॉलर हो गया है। जबकि प्रधानमंत्री मोदी बड़ी-बड़ी बात किया करते थे। उन्होंने कहा कि वही प्रदेश की बात करें तो प्रदेश का बजट तो एक लाख 80 हजार करोड़ रुपए है और कर्ज दस सालों में बढ़कर चार लाख करोड़ रुपए से अधिक बढ़ गया है। उन्होंने अवैध खनन को लेकर जगाधरी भाजपा प्रत्याशी एवम पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवर पाल पर जमकर निशाना साधा और आरोप लगाए।

योगी सरकार के अथक प्रयास से बीमारू से स्वस्थ प्रदेश बना यूपी

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 में बीमारू प्रदेश कहे जाने वाले उत्तर प्रदेश की कमान संभालने के बाद प्रदेश को स्वस्थ प्रदेश बनाने के लिए वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज का संकल्प लिया। साढ़े सात वर्षों में निरंतर किए गए प्रयासों के चलते आज उनका संकल्प साकार होता दिखाई दे रहा है। वर्ष 2017 के पहले प्रदेश के छात्रों को मेडिकल की डिग्री के लिए दूसरे राज्यों और विदेशों का रुख करना पड़ता था। आज उन्हे प्रदेश में ही मेडिकल की पढ़ाई करने की सुविधा मिल रही है। इससे न सिर्फ प्रदेश में पहले की अपेक्षा डॉक्टर्स की कमी दूर हुई है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं में भी व्यापक सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री योगी के प्रयासों का ही नतीजा है कि प्रदेश में पिछले साढ़े सात वर्षों की तुलना में प्रदेश में मेडिकल कॉजेल की संख्या में दोगुने का इजाफा हुआ है। वर्तमान में प्रदेश में 78 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं, जबकि वर्ष 2017 में इनकी संख्या महज 39 थी। इसी तरह प्रदेश में पिछले साढ़े सात वर्षों में एमबीबीएस की सीटों में 108 प्रतिशत और पीजी की सीटों में 181 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। मेडिकल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग उत्तर

प्रदेश की महानिदेशक किंजल सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज के संकल्प की दिशा में लगातार काम हो रहा है। इसी का नतीजा है कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर मेडिकल कॉलेज की संख्या में वृद्धि हुई है। वर्ष 2016-2017 में कुल 39 मेडिकल कॉलेज थे। इनमें 14 सरकारी और 25 प्राइवेट कॉलेज शामिल थे। वहीं योगी सरकार के प्रयासों से पिछले साढ़े सात वर्षों में प्रदेश में मेडिकल कॉलेज की संख्या में दोगुने का इजाफा हआ है। वर्तमान में प्रदेश में कुल 78 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। इनमें 43 सरकारी और 35 प्राइवेट मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। इतना ही नहीं, प्रदेश में पिछले साढ़े सात वर्षों में एमबीबीएस की सीटों में 108 प्रतिशत और पीजी की सीटों में 181 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वर्ष 2016-2017 में प्रदेश में एमबीबीएस की कुल सीटें 5, 390 थी। इनमें एमबीबीएस की 1, 840 सीटें सरकारी और 3550 सीटें प्राइवेट थीं। वहीं आज वर्ष 2024-25 में कुल सीटें 11, 200 हैं। इनमें एमबीबीएस की कुल 5150 सरकारी सीटें और 6050 प्राइवेट सीटें शामिल हैं। इसी तरह पीजी की सीटों की बात करें तो वर्ष 2016-17 में 1, 344 सीटें थी। इनमें सरकारी 741 और प्राइवेट की 603 सीटें शामिल हैं। वहीं आज वर्ष 2024-25 में इनकी कुल संख्या 3, 781 हैं। इनमें सरकारी 1, 759 और प्राइवेट की 2022 सीटें शामिल हैं। डीजीएमई किंजल सिंह ने बताया कि वर्तमान सत्र 2024-25 में प्रदेश के 12 स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय क्रमशः बिजनौर, कुशीनगर, सुल्तानपुर, गोंडा, ललितपुर, लखीमपुर खीरी, चंदौली, बुलंदशहर, पीलीभीत, औरैया, कानपुर देहात और कौशांबी के कॉलेजों की 15 प्रतिशत सीटों को ऑल इंडिया कोटा के तहत काउंसिलिंग की प्रक्रिया चल रही है। जबकि 85 प्रतिशत सीटों पर राज्य स्तरीय यूजी नीट प्रथम चक्र की काउंसिलिंग से अधिकांश पर आवंटन किया जा चुका है। वहीं सोनभद्र के मेडिकल कॉलेज को मान्यता देने के लिए केंद्रीय मंत्री स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के समक्ष द्वितीय अपील योजित की गई। अमेठी में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय का निर्माण कार्य प्रगति पर चल रहा है। इसका निर्माण कार्य 34 प्रतिशत पूर्ण किया जा चुका है। वर्ष 2025-26 में 100 सीटों की लेटर ऑफ परमिशन प्राप्त करने के लिए एनएमसी, नई दिल्ली का पोर्टल खुलते ही आवेदन किया जाएगा। इसी तरह पीपीपी मोड के तहत मऊ में कल्पनाथ राय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। यहां पर एनएमसी के लेटर ऑफ परमिशन के लिए आगामी शैक्षणिक सत्र 2025-26 में आवेदन किया जाएगा। इसके साथ ही पीपीपी मोड के वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) स्कीम के तहत बागपत, हाथरस और कासगंज में मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए जल्द ही कैबिनेट के समक्ष प्रस्ताव रखा जाएगा।

घुमंतू जातियों को वर्तमान परिवेश के अनुसार ढालना आवश्यक : महेंद्र सिंह

जोधपुर (हिंस)। डॉक्टर हेडगेवार संघ कार्यालय में घुमंतू जातियों की एक बैठक संपन्न हुई। बैठक में राजस्थान सरकार द्वारा विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू जातियों के भूमिहीन परिवारों के लिए जारी किए गए पट्टों और अन्य सरकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जोधपुर के विभिन्न क्षेत्रों से आए कई पदाधिकारी और समाज से जुड़े व्यक्तियों ने भाग लिया। राजस्थान सरकार वर्तमान में विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू जनजातियों के लिए कई योजनाओं और कार्यक्रमों को राज्य स्तर पर प्रभावी रूप से लागू कर रही है। इस बैठक का आयोजन महानगर संयोजक लूणाराम सैन के नेतृत्व में हुआ, जिसमें राजस्थान क्षेत्रीय घुमंतू कार्य प्रमुख महेंद्र सिंह और विभाग संयोजक बुधराम की विशेष उपस्थिति रही। बैठक में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और इन्हें घुमंतू जनजातियों तक कैसे पहुंचाया जा सकता है, इस पर विशेष चर्चा की गई। महेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि घुमंतू जातियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती सूचनाओं और योजनाओं के बारे में जानकारी की कमी है। जागरूकता के अभाव में ये जातियां सरकार की योजनाओं का पूरा लाभ नहीं उठा पा रही हैं। इन्होंने जोर देकर कहा कि समाज के प्रभुत्व वाले जागरूक व्यक्तियों को इन योजनाओं की जानकारी होनी चाहिए, ताकि वे अपने समाज के लोगों को जागरूक कर उन्हें इन योजनाओं का लाभ दिला सकें। उन्होंने यह भी कहा कि घुमंतू जनजातियों को अपनी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रखते हुए, वर्तमान समय के अनुसार आधुनिक परिवेश में ढलने की आवश्यकता है। तभी वे समाज की मुख्यधारा से जुड़कर अपने अधिकारों और सुविधाओं का समुचित लाभ प्राप्त कर सकते हैं। महानगर संयोजक लूणाराम ने इस अवसर पर समरसता पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न सामाजिक व वर्गों को एक मंच पर लाने और आपसी विचार-विमर्श का आयोजन करने पर बल दिया। उन्होंने विशेष रूप से नवरात्रि उत्सव के अवसर पर कन्या पूजन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को आयोजित करने का सुझाव दिया, जिससे समरसता और एकता को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने कहा कि अन्य वर्गों को भी इस प्रक्रिया में शामिल कर हमें समाज में समरसता का भाव विकसित करना चाहिए। बैठक का मुख्य उद्देश्य घुमंतू और अर्ध-घुमंतू जनजातियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोडना था। इसके लिए जागरूकता बढ़ाने और समाज में एकता के भाव को प्रबल करने पर जोर दिया गया।

नोएडा के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में बलिया का सत्तू बिखेर रहा खुशबू

बलिया (हिंस)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ग्रेटर नोएडा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में बलिया के मशहूर सत्तू ने मजबूत दस्तक दी है। जहां शुद्ध देसी चने का सत्तू सबको लुभा रहा है। भट्टी में भुने शुद्ध देशी चने से निर्मित सत्तू का प्रदर्शन जिले के व्यापारी सौरभ अग्रवाल कर रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला ग्रेटर नोएडा के द्वितीय संस्करण में बलिया से प्रतिभाग करने के लिए जिले से सौरभ अग्रवाल द्वारा संचालित निधि उद्योग का चयन हुआ है। निधि उद्योग के द्वारा भट्टी में भुने गए शुद्ध देसी चने के सत्तू का स्टाल लगाया गया है। 22 सौ अधिक स्टालों के बीच बलिया के सत्तू ने अपनी चमक बिखेरी है। खास बात यह है कि बलिया के विशिष्ठ स्वाद के सत्तू को एक जिला एक उत्पाद की श्रेणी में चयन किए जाने के लिए भी पहल की गई है। प्रशासन ने इसे ओडीओपी में शामिल करने के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा है। उम्मीद है कि लघु व सूक्ष्म उद्योग विभाग द्वारा शीघ्र ही सर्वे कराया जाएगा। एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत यदि सत्तू का चयन हो जाएगा तो हजारों परिवारों को रोजगार उपलब्ध होगा। क्योंकि जिले में शुद्ध देसी चने को भट्टी में पारंपरिक तरीके से भूनकर तैयार किया जाता है। जिसकी सोंधी खशबू सभी को लुभाती है। शायद यही वजह है कि बलिया

के सत्तू से निर्मित बाटी-चोखा देश-विदेश में मशहूर है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में चने के सत्तू को लेकर देश-विदेश के लोगों की प्रतिक्रिया देखकर व्यापारी सौरभ अग्रवाल काफी खुश हैं। उन्होंने बताया कि हमारे स्टाल पर आ रहे लोगों के सकारात्मक रुख को देख कर प्रसन्नता हो रही है। हम व्यापारियों के लिए गौरव का पल है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला ग्रेटर नोएडा के द्वितीय संस्करण में बलिया से मशहूर शुद्ध देशी चने से निर्मित भट्टी वाला चना सत्तू का प्रदर्शन पर लगातार सराहना मिल रही है।

गंडक बराज के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी जारी, 5 लाख 1 हजार 6 सौ क्यूसेक पानी छोड़ा गया

पश्चिम चंपारण (बगहा) (हिंस)। पड़ोसी देश नेपाल के जलग्रहण क्षेत्र व पहाड़ी क्षेत्रों में 48 घंटा से रुक-रुक कर हो रही झमाझम बारिश से गंडक नदी के जलस्तर में फिर एक बार लगातार वृद्धि जारी है। गंडक बराज द्वारा शनिवार की शाम को 5 लाख 1 हजार 6 सौ क्यूसेक पानी छोड़ा गया, लेकिन अभी भी गंडक बराज के जलस्तर में भारी वृद्धि जारी है। इस संदर्भ में गंडक बराज के अधीक्षण अभियंता नवल किशोर भारती ने बताया कि जल स्तर में वृद्धि को देखते हुए गंडक बराज के सभी 36 फाटकों को पूर्ण रूप से खोल दिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि पानी की बढ़ती स्थिति के मद्देनजर गंडक बराज पर तैनात सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हाई अलर्ट कर दिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि गंडक बराज के जल स्तर में बनी वृद्धि को देखते हुए रात दिन बराज पर कैंप किया गया है। वहीं पल-पल की रिपोर्ट पर नजर रखी जा रही हैं। नेपाल के जल ग्रहण एवं पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही रूक-रूक झमाझम बारिश होने के कारण गंडक नदी का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। वही नेपाल के देव घाट से 6 लाख 38 हजार क्यूसेक पानी फोलो

किया गया हैं। जिससे निचले कई इलाकों में फिर से गंडक नदी का पानी फैलने लगा है। वही गंडक नदी से सटे वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के अंतर्गत वाल्मीकि नगर वन क्षेत्र के कक्षा संख्या एम 29 एवं 30 तथा 28 धनहिया दियरा, ठाडी आदि के जंगल में गंडक का पानी और बरसात का पानी फैला रहा है। वन क्षेत्र में बरसाती पानी एवं गंडक नदी का पानी घुसने से वन्य जीव सुरक्षित जगहों की तलाश में ऊंचे स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं। गंडक नदी के तटवर्ती गांव चकदहवा, झंडू टोला एसएसबी कैंप, बिन टोली, कान्ही टोला के आलावा ऊत्तर-प्रदेश के शिवपुर, मरचहवा आदि निचले क्षेत्रों में पानी घुसना शुरू हो गया हैं। अभियंता ने बताया कि देर शाम तक 5 लाख से अधिक गंडक नदी के जलस्तर में बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। वही एसएसबी के झंडाहवा टोला कैंप के साथ-साथ चकदाहवा, कान्ही टोला व बीन टोली आदि गांव में बाढ़ का पानी घुस गया है। लगभग 600 घरों में शनिवार की अगले सुबह में घुसने के बाद लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जिसके चलते बाढ़ का पानी एसएसबी कैंप सहित गांव में घुस गया है। पानी बढ़ने के साथ ही लोग अपने माल -जाल के साथ चकदहवा विद्यालय व ऊंचे बांध पर शरण लेने लगे हैं। एसएसबी 21 वी वाहिनी झंडूटोला के इंस्पेक्टर सह कंपनी कमांड़र राजेन्द्र कुमार ने बताया कि गंडक नदी का जलस्तर शनिवार की अहले सुबह से अचानक बढ़ गया। जिसके चलते बाढ़ का पानी एसएसबी कैंप के साथ-साथ गांव में प्रवेश कर गया है। लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के लिए एसएसबी के अधिकारी व जवान नाव द्वारा बचाव कार्य में जुटे गए हैं।

संपादकीय

नकली-मिलावटी दवाएं

प्रख्यात शायर गालिब के एक शेर का सारांश यह है कि आखिर इस देश को हुआ क्या है? क्या यहां जीना भी आसान नहीं? आम आदमी बीमार भी नहीं पड़ सकता, क्योंकि असली दवा ही मुहाल नहीं है। यह सारांश उन रपटों के संदर्भ में सटीक है, जो केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने तैयार की हैं। यह भारत सरकार का संगठन है, जो फार्मा उद्योग के उत्पादन, दवाओं, इंजेक्शन आदि की गुणवत्ता को नियंत्रित करता है। उसने दो रपटें सार्वजनिक की हैं। एक में 48 दवाओं का ब्यौरा है, जो मिलावटी पाई गई हैं। दूसरी रपट में 5 नकली दवाओं का खुलासा किया गया है। चौंकना स्वाभाविक है, क्योंकि इन रपटों में 'पेरासिटामॉल 500 एमजी' जैसी दवा भी है, जो आम आदमी बुखार और शरीर दर्द आदि के लिए, डॉक्टर की पर्ची के बिना ही, खरीदता और खाता रहता है। दवाएं नकली हों या मिलावटी, सभी बड़ी, नामी कंपनियों की बनाई हुई हैं। रक्तचाप के लिए हम अक्सर 'टेल्मा' दवा लेते हैं। उसकी कई किस्में हैं, लेकिन 'टेल्मा-एच' का नमूना नकली पाया गया है। इसका उत्पादन प्रख्यात फार्मा कंपनी 'ग्लेनमार्क' करती है। इसी तरह गैस, एसिडिटी की प्रचलित दवाई 'पैन-डी' भी नकली पाई गई है। अस्थमा, लिवर, एलर्जी, मधुमेह, कैल्शियम और दांत इंफेक्शन की एंटीबॉयोटिक्स दवाएं भी मिलावटी और नकली मिली हैं। आम बीमार आदमी असमंजस में है कि वह लगातार दवा खा रहा है, लेकिन ठीक नहीं हो पा रहा है, तो इसका कारण क्या है? कारण मिलावटी और नकली दवाएं ही है, लेकिन आम आदमी को क्या पता? अधिकांश डॉक्टर भी इस काले धंधे से अनभिज्ञ हैं। गंभीर और नाजुक तथ्य यह है कि 'पेरासिटामॉल' और 'हिंदुस्तान एंटीबॉयोटिक्स लिमिटेड' तो भारत सरकार की कंपनियां हैं। भारत का फार्मा उद्योग 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक का है और हम 200 देशों को दवाइयां सप्लाई करते हैं। क्या ऐसी मिलावटी दवाएं ही निर्यात की जा रही हैं? यदि विदेश में भी इन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, तो भारत के निर्यात-कारोबार की छवि और मात्रा का क्या होगा? यहां एक आलेख में ही सभी मिलावटी और नकली दवाओं के नाम देना संभव नहीं है। वे मीडिया में प्रकाशित किए गए हैं, लेकिन अधिकांश दागदार कंपनियां नामी हैं। ऐसा कई बार होता रहा है कि नकली बाजार में छापे के दौरान नकली दवाएं पकड़ी जाती रही हैं। उनमें कैंसर की बेशकीमती दवाएं और इंजेक्शन भी पकड़े गए हैं, लेकिन सरकार और राजनीतिक दल अक्सर खामोश रहे हैं। क्योंकि नामी फार्मा कंपनियों से भाजपा को 61 करोड़, कांग्रेस को 5 करोड़, सपा को 3 करोड़ और आम आदमी पार्टी को 1 करोड़ रुपए के चंदे 'चुनावी बॉन्ड' के जरिए मिले हैं। 'पैन-डी' ने भाजपा को 15 करोड़ रुपए का चंदा दिया है, जबकि तेलंगाना की पार्टी 'बीआरएस' को भी 20 करोड़ रुपए चंदा दिया गया है। प्रख्यात 'सन फार्मा कंपनी' ने भाजपा को 31.5 करोड़ रुपए चंदे में दिए हैं। सवाल है कि क्या चुनावी चंदे के बदले आम आदमी की सेहत से खिलवाड़ किया जा सकता है? नकली दवाओं के कारण अनेक मौतें भी हुई होंगी! फिलहाल उसका डाटा हमारे पास नहीं है। क्या कंपनियों के मोटे-मोटे मुनाफे ही कारोबार का एकमात्र लक्ष्य हैं, बेशक बीमार आदमी बीमार ही रहे या अकाल मौत के मुंह में चला जाए? मिलावटी या नकली नमूने पकड़े गए हैं, तो नामी कंपनियों के रटे-रटाए स्पष्टीकरण हैं कि ये उत्पादन हमारे नहीं हैं। ये नकली दवाएं हैं। 'सन' और 'टॉरेंट' कंपनियों के ऐसे स्पष्टीकरण सामने आए हैं। औषधि नियंत्रण संगठन उन स्पष्टीकरणों को स्वीकार भी कर लेगा, लेकिन किन नकली कंपनियों ने इन उत्पादों की नकल की है और बाजार में जहर बेच रहे हैं, इस पर नियंत्रण कौन लगाएगा? कौन सजा तय करेगा? अपने मुनाफे और अमीरी के लिए कुछ लोग यह जानलेवा खेल खेल रहे हैं।

> एक में 48 दवाओं का ब्यौरा है, जो मिलावटी पाई गई हैं। दूसरी रपट में 5 नकली दवाओं का खुलासा किया गया है। चौंकना स्वाभाविक है, क्योंकि इन रपटों में 'पेरासिटामॉल 500 एमजी' जैसी दवा भी है, जो आम आदमी बुखार और शरीर दर्द आदि के लिए, डॉक्टर की पर्ची के बिना ही, खरीदता और खाता रहता है। दवाएं नकली हों या मिलावटी, सभी बड़ी, नामी कंपनियों की बनाई हुई हैं। रक्तचाप के लिए हम अक्सर 'टेल्मा' दवा लेते हैं। उसकी कई किस्में हैं, लेकिन 'टेल्मा-एच' का नमूना नकली पाया गया है। इसका उत्पादन प्रख्यात फार्मा कंपनी 'ग्लेनमार्क' करती है। इसी तरह गैस, एसिडिटी की प्रचलित दवाई 'पैन-डी' भी नकली पाई गई है। अस्थमा, लिवर, एलर्जी, मधुमेह, कैल्शियम और दांत इंफेक्शन की एंटीबॉयोटिक्स दवाएं भी मिलावटी और नकली मिली हैं। आम बीमार आदमी असमंजस में है कि वह लगातार दवा खा रहा है, लेकिन ठीक नहीं हो पा रहा है, तो इसका कारण क्या है? कारण मिलावटी और नकली दवाएं ही है, लेकिन आम आदमी को क्या पता? अधिकांश डॉक्टर भी इस काले धंधे से अनभिज्ञ हैं।

हर मोड़ पर इसने भारत को पटखनी देने का हर संभव प्रयास किया

देश विरोधी शक्तियों का साथ देते राहुल गांधी ?

डॉ राकेश कुमार आर्य

अमेरिका कभी भी वैश्विक राजनीति में भारत का मित्र नहीं रहा है। हर मोड़ पर इसने भारत को पटखनी देने का हर संभव प्रयास किया है। पाकिस्तान और चीन को भारत के विरुद्ध उकसाने की गतिविधियों में भी अमेरिका की सीआईए सक्रिय रही है। इसके साथ-साथ वहां के नेतृत्व ने भी भारत को नीचा दिखाने में कभी किसी प्रकार की कमी नहीं छोड़ी। इसे महज एक संयोग या राहुल गांधी का बचकानापन ही नहीं कहा जा सकता कि वह अमेरिका की धरती पर जाकर भारत के विरुद्ध जहर उगलकर अपने देश लौट आए हैं। इसके पीछे भारत के वर्तमान नेतृत्व को चलता करने की अंतरराष्ट्रीय साजिश काम कर रही है। जिसका मोहरा राहुल गांधी को बनाया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रची जा रही इस साजिश का नेतृत्व अमेरिका और चीन कर रहे हैं। ये दोनों ही देश भारत को अपने लिए एक चुनौती बनने देने से रोकने के लिए सक्रिय हैं। खबर है कि भारत फरवरी 2026 तक विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। भला इस खबर को चीन और अमेरिका कैसे पचा सकते हैं।

ऐसी परिस्थितियों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को उसकी भीतरी समस्याओं में उलझाने का काम किया जा रहा है। इसके लिए पूरी तरह समाप्त हो गए खालिस्तानी आंदोलन को फिर से जीवित करने का गंभीर प्रयास किया जा रहा है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि जिस राहुल गांधी की दादी को खालिस्तानी आतंकवादियों ने ही मारा था, वह भी खालिस्तानी आंदोलन का समर्थन करते दिखाई दे रहे हैं। राहुल गांधी इस बात को भूल गए हैं कि उनकी दादी ने अपनी मृत्यु से कुछ समय पहले ही कहा था कि उनके शरीर के रक्त का एक-एक कतरा देश के काम आएगा। आज इंदिरा गांधी के खून की कीमत को राहुल गांधी सत्ता स्वार्थ के लिए पूरी तरह भूल चुके हैं। तभी तो वह अमेरिका की धरती पर खड़े होकर खालिस्तानी आंदोलन को हवा देते दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका ने अपनी धरती पर भारत के खालिस्तानी आतंकवादियों को खुला समर्थन और संरक्षण देना आरंभ कर दिया है। अमेरिका की इसी नीति के चलते वांछित खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित दक्षिणी जिला न्यायालय में एक दीवानी मुकदमा दायर किया है। जिसमें अमेरिका की एक अदालत ने भारत सरकार को समन जारी किए हैं। यह वही अमेरिका है जो अपने यहां नीग्रो लोगों का राष्ट्र देने को कभी तैयार नहीं होता। यद्यपि नीग्रो लोगों की मांग बहुत अधिक जायज है, परन्तु अमेरिका अपनी तानाशाही दिखाकर इन लोगों की मांग को मानने को तैयार नहीं है। इसके विपरीत वह भारत को तोड़ने के षडयंत्रों में अपने आप को सम्मिलित करता रहा है। इसका एक कारण यह भी है कि अमेरिका को सही जवाब देने वाला हमारे पास नेतृत्व नहीं रहा है।

> पाकिस्तान और चीन को भारत के विरुद्ध उकसाने की गतिविधियों में भी अमेरिका की सीआईए सक्रिय रही है। इसके साथ-साथ वहां के नेतृत्व ने भी भारत को नीचा दिखाने में कभी किसी प्रकार की कमी नहीं छोड़ी। इसे महज एक संयोग या राहुल गांधी का बचकानापन ही नहीं कहा जा सकता कि वह अमेरिका की धरती पर जाकर भारत के विरुद्ध जहर उगलकर अपने देश लौट आए हैं। इसके पीछे भारत के वर्तमान नेतृत्व को चलता करने की अंतरराष्ट्रीय साजिश काम कर रही है।

इस संबंध में हमें सावरकर जी के जीवन का एक प्रसंग याद आता है। बात उन दिनों की है, जब देश के बंटवारे की गतिविधियां बड़े जोरों पर चल रही थीं। उन्हीं दिनों अमेरिका का एक पत्रकार लुई फिशर भारत में रहकर भारत विभाजन पर देश के बड़े नेताओं की प्रतिक्रिया जान रहा था। वह पहले तो जिन्ना के पास गया और उसके पश्चात वह वीर सावरकर जी के पास पहुंचा। बातचीत आरंभ हुई तो फिशर की जुबान फिसल गई और उसने बिना यह सोचे कि अब तू जिन्ना के पास नहीं अपितु सावरकर जी के पास बैठा है, उनसे भी यह प्रश्न कर दिया कि "आखिर आपको मुसलमानों को अलग देश पाकिस्तान देने में आपत्ति क्या है?" इस पर सावरकर जी ने उल्टे फिशर से ही प्रति प्रश्न कर लिया "आप लोग भारी मांग के उपरांत भी नीग्रो लोगों के लिए अलग नीग्रो स्थान क्यों नहीं स्वीकार कर लेते?" श्री फिशर ने इस प्रश्न पर वही बात कह दी, जिसे सावरकर जी उनसे कहलवाना चाहते थे। वह बोले "देश का विभाजन करना राष्ट्रीय अपराध होगा, इसलिए नहीं करते।" सावरकर जी को अपनी बात कहने का सही अवसर मिल गया था। वह बोले "आपका उत्तर सही राष्ट्रभक्ति से ओत – प्रोत और तथ्य पूर्ण है। हर राष्ट्रभक्त अपने देश के टुकड़े सहन नहीं कर सकता। देश का विभाजन चाहने वाले देशभक्त कदापि नहीं कहे जा सकते। इसीलिए हम भारत विभाजन की योजना को राष्ट्र विरोधी बात कहकर उसका विरोध कर रहे हैं। जबकि मुस्लिम लीगी जो इस देश को ही नापाक मानते हैं, इसके टुकड़े कर देने पर तुले हुए हैं। लुई फिशर ने बाद में अपने एक लेख में लिखा "मैंने सावरकर के हृदय में जहां राष्ट्रभक्ति की असीमित भावना देखी वहां जिन्ना के हृदय में भारत में भारतीय संस्कृति के प्रति घोर घृणा के बीज दिखाई दिए।

सावरकर के राष्ट्रवाद को पानी पी पीकर कोसने वाले राहुल गांधी क्या सावरकर के व्यक्तित्व से कोई शिक्षा ले पाएंगे? संभवतः कदापि नहीं। क्योंकि वह उस दोगली विचारधारा में पले बढ़े हैं जो दोगले लोगों को राष्ट्रभक्त मानने की समर्थक रही है और राष्ट्रभक्तों को अपराधी के दृष्टिकोण से देखती रही है।

दोगले लोगों की आरती उतारना और देशभक्तों को लताड़ना कांग्रेसी संस्कारों का एक ऐसा रक्तबीज है जो इसे कभी भी राष्ट्र के प्रति पवित्र नहीं होने देता। अमेरिका की धरती पर जाकर जिस प्रकार देश विरोधी बयान देकर राहुल गांधी लौटे हैं, उससे उन्होंने कांग्रेस के इसी रक्तबीज का एक बार फिर परिचय दिया है।

अतः अमेरिका की अदालत ने भारत सरकार को समन जारी नहीं किया है बल्कि उससे समन जारी करवाया गया है। जिन लोगों ने अपने ही देश के विरुद्ध जाकर अमेरिका को अपना समर्थन देकर उसका दुस्साहस इतना बढ़ाया है, वे राष्ट्रीय संदर्भ में पूर्णतया नंगे हो चुके हैं और अब उन्हें देश की जनता को पहचानने में देर नहीं करनी चाहिए। जो लोग राहुल गांधी की सभाओं में नारे लगाते हैं कि "राहुल तुम संघर्ष करो – हम तुम्हारे साथ हैं" उन्हें भी इस नारे की गंभीरता पर विचार करना चाहिए कि वह किस बिंदु पर राहुल गांधी के साथ हैं? क्या देश तोड़ने के बिंदु पर भी साथ खड़े हैं।

दृष्टि कोण

हिमालय का दर्द और सोनम वांगचुक की यात्रा

चौबीस दिन पैदल चलते हुए भाई सोनम वांगचुक हाल ही में नालागढ़ पहुंचे, जहां उनका स्थानीय साथियों ने भावपूर्ण स्वागत किया। लद्दाख से लेकर जगह-जगह उनकी यात्रा का इसी तरह स्वागत हो रहा है। सोनम जी के नेतृत्व में 100 के लगभग यात्री टोली हिमालय के दर्द को बांटते हुए हिमालय के संरक्षण का संदेश लेकर 2 अक्टूबर गांधी जयंती के दिन दिल्ली पहुंचेंगे। अनादिकाल से पदयात्रा भारतवर्ष में शुद्ध जनहित और आध्यात्मिक संदेश पहुंचाने और समाज को जगाने का सशक्त माध्यम रहा है। वांगचुक जी की यात्रा को मिलता समर्थन यह सिद्ध कर रहा है कि पदयात्रा आज भी शुद्ध जनहित और आध्यात्मिक संदेश फैलाने का सशक्त माध्यम है, जिसकी प्रासंगिकता असंदिग्ध है, बशर्ते यात्रा का लक्ष्य स्वार्थ-जनित नहीं होना चाहिए। एक बार मैं और मेरे साथी रतन चंद और रघुवीर सिंह पिरता हिमाचल और गढ़वाल की हिमालय बचाओ संपर्क वाहन यात्रा पर रेणुका जी पहुंचे। वहां हम एक साधू आश्रम में ठहरे। रात में भोजन के उपरांत आश्रम प्रमुख से अपनी यात्रा का आशय बताया तो वह कहने लगे, 'अरे, हिमालय तुम्हें बचा रहा है, तुम हिमालय को बचाने वाले कौन होते हो?'

फिर चर्चा शुरू हुई कि हिमालय की हमें बचाने की शक्ति हमारी गलत विकास की गतिविधियों के कारण और हमारे लालच के कारण अति दोहन के चलते नष्ट हो रही है। अतः हिमालय को बचाने का अर्थ है हिमालय की वायु को शुद्ध करने की शक्ति, जल संरक्षण की शक्ति, जलवायु नियंत्रण की शक्ति, जैव विविधता द्वारा देश की सेवा करने की शक्ति, थके हारे मानस को शांति प्रदान करने की शक्ति, सदानीरा नदी तन्त्र द्वारा सेवा करने की शक्ति को लालच के लिए नुकसान पहुंचाने से बचाना और नुकसान पहुंचाने वालों को रोकना ही हिमालय को बचाना है। बस इतना सुनते ही आश्रम प्रमुख गदगद हो गए और अपना पैड निकाल कर अपना संदेश भी लिख दिया और इसको भी जगह जगह दिखाने का हमें आदेश दिया। हिमालय के जो प्राकृतिक और सांस्कृतिक अवदान हैं, उनको बचाना। हिमालय सांस्कृतिक विविधता का भी भंडार है। किसी भी समाज के दीर्घकालिक हित के लिए सांस्कृतिक विविधता भी बहुत आवश्यक तत्व है। हिमालय में यदि बर्फ न रहे तो हिमालय का क्या अर्थ रह जाएगा? किसी भी पारिस्थितिकी तंत्र में वहां के समाजों का होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। मनुष्य समाज और प्रकृति तन्त्र का संतुलित रिश्ता ही पारिस्थितिकीय संतुलन का आधार है। हमारे आज के विकास का मॉडल इस तत्व की अनदेखी कर रहा है। हम सोचने लगे हैं कि सभी समस्याओं के समाधान इंजीनियरिंग और तकनीकी समझ से मिल सकते हैं। किन्तु ऐसा है नहीं। हम पानी का एक कतरा, हवा का एक श्वास, मिट्टी का एक ढेला, प्रकृति के तत्वों का प्रयोग किए बिना, बना नहीं सकते। जिन्दा रहने के लिए हवा, पानी और भोजन ही सबसे बुनियादी जरूरतें हैं। हमारा विकास इन्हीं पर आघात कर रहा है। ग्लेशियर पिघल रहे हैं, जिससे नदियों के अस्तित्व पर खतरा आ गया है। वे मौसमी होकर रह जाएंगी। मिट्टी हमारी रासायनिक खेती पद्धति द्वारा जहरीली होती जा रही है। वही जहर हमारे खाद्य पदार्थों में पहुंच रहे हैं। हवा को सभ्यता का धुआं जहरीला कर रहा है, तो संकट जिन्दा रहने पर आने वाला है।

हिमालय क्योंकि सबसे संवेदनशील परिस्थिति तन्त्र है, इसलिए यहां होने वाले दुष्प्रभाव अधिक घातक होंगे और पूरे देश को प्रभावित करेंगे। लोग अब इन मुद्दों को समझने लगे हैं, इसीलिए लद्दाख की आवाज को हिमाचल में इतना समर्थन मिल रहा है। असल में यह आवाज पूरे हिमालय की है। मुख्यधारा के विकास मॉडल से यहां जो परिस्थितितंत्र को नुक्सान हो रहा है, उसकी और अधिक अनदेखी पूरे देश के लिए घातक सिद्ध होगी। हिमालय बचा रहेगा तो पूरा देश बचा रहेगा। हिमालय के लोगों की विकास की जरूरतों को पूरा करने के लिए हमें वैकल्पिक विकास मॉडल पर काम करना पड़ेगा। इसके लिए स्थानीय समाजों की समझ का उपयोग करना जरूरी है, जिसके लिए लद्दाख के लोगों की चुनी हुई सरकार की मांग तर्कसम्मत है, जिसे माना जाना चाहिए। इसी दृष्टि से लद्दाख को छठी अनुसूची में डालने की मांग है। इस अनुसूची में डाले जाने से प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करने में स्थानीय समाजों की भूमिका सशक्त होगी। और सरकार को भी संसाधनों के तर्कपूर्ण दोहन के लिए व्यवस्था बनाने में आसानी होगी।

कुछ अलग

खजाना मैंने खाली नहीं किया...

मी लार्ड! खजाना मैंने खाली नहीं किया। मैं तो खजाने के पास गया तक नहीं। मेरे पास तो खजाने की चाबी भी नहीं है। मैंने खजाना खोलकर भी नहीं देखा। मुझे तो सिर्फ इतना पता है कि मेरी जेब से पैसे कट कर खजाने में जाते रहे हैं। मैं बिजली, पानी का बिल देता हूं और बिल के पैसे खजाने में जाते हैं। मैं सडक पर गाड़ी चलाते समय टोल टैक्स पर पर्ची कटवाता हूं और उसके पैसे भी खजाने में जाते हैं। मैं घर के लिए जो राशन खरीद कर लाता हूं, उस पर भी सरकार टैक्स वसूलती है और यह पैसा सरकार के खजाने में जाता है। जन्म प्रमाणपत्र से लेकर मृत्यु प्रमाणपत्र तक बनाने में सरकार हमसे पैसे लेती है और वह पैसे खजाने में जाते हैं। मी लार्ड! मैंने तो जब से जन्म लिया है, तब से मैं खजाने में पाई पाई डालता आया हूं। मुझ पर तो यह तोहमत भी नहीं लग सकती कि मैंने खजाना अपने मित्रों में बांट दिया है। हेलीकॉप्टर की सैर पर उड़ा दिया है। फाइव स्टार होटलों में ठहरने पर खर्च कर दिया है। मैं तो जो कुछ भी करता हूं, अपनी जेब से करता हूं। सरकारी खजाने को मैंने छेड़ा तक नहीं है। अब खजाना खाली कैसे हो गया, यह जांच का विषय है और मैं इस जांच में अपना पूरा सहयोग देने को तैयार हूं। लेकिन मैंने खजाना खाली नहीं किया है। मुझे तो महंगाई भत्ते की अभी तक किस्त नहीं मिली है। मुझे अभी तक एरियर नहीं मिला है। मेरे मेडिकल बिलों का अभी तक भुगतान नहीं हुआ है। जब मुझे कुछ मिल ही नहीं रहा है, तो फिर मैंने खजाना खाली कैसे कर दिया। अकेला मैं ही नहीं। मेरे जैसे हजारों और सरकारी कर्मचारी व पेंशनर्स हैं। उन्होंने भी खजाना खाली नहीं किया। वह तो रूखी सूखी खाकर अपनी मांगों के समर्थन में धरना दे रहे हैं। धरने के एवज में उन्हें नोटिस तो मिल रहे हैं, लेकिन खजाने से पैसा नहीं मिल रहा। इसलिए उन्होंने भी खजाना खाली नहीं किया। मैंने कई कर्मचारियों को फोन लगा कर पूछा कि आपने तो नहीं खजाना खाली किया। उन्होंने भी साफ मना कर दिया। मैंने पब्लिक से पूछा। पब्लिक बोली, नेताओं से पूछो, हमसे क्यों पूछ रहे हो। ब्यूरोक्रेसी से पूछो। ब्यूरोक्रेसी को सब मालूम रहता है। उनके बीवी बच्चों के लिए सरकारी गाडियां इधर से उधर दौड़ती हैं। कभी बाजार से धनिया लाने के लिए। कभी बच्चों को स्कूल छोडने और ले जाने के लिए। कभी साहब की बीवी को किटी पार्टी तक पहुंचाने के लिए गाडियां दौड़ती रहती हैं। पेट्रोल का भुगतान सरकारी खजाने से होता है। हो सकता है कि पेट्रोल ही सरकारी खजाना पी गया हो। मैंने अपने शहर के एक-दो ठेकेदारों से पूछा कि सरकारी खजाना कहीं आपकी जेब में तो नहीं आ गया है। वे उल्टा अपना दुखड़ा बताने बैठ गए कि पिछले दो सालों से उनकी पेमेंट फंसी हुई है और उन्हें रोजी-रोटी के लाले पड़े हुए हैं। फिर मैंने विपक्ष के नेता से पूछा कि खजाना खाली कैसे हो गया। आपको तो सब मालूम ही होगा। वे बोले कि हम तो खजाना भरा हुआ छोड़ कर गए थे। पूरे अदब के साथ बाकायदा खजाने की चाबी हाथ में थमाई थी। अब खजाना खाली कैसे हो गया, इसके लिए सरकार जिम्मेदार है। इसलिए स्पष्टीकरण सरकार को देना चाहिए। सत्ता पक्ष के नेता से पूछा तो वे बोले पिछली सरकार खजाना खाली कर गई थी। हम तो भरने में लगे हुए हैं। तो मी लॉर्ड, अब आप ही बताइए कि मेरे जैसा पब्लिक का आम बंदा खजाना खाली कैसे कर सकता है? इसलिए बाइज्जत मेरे सर से इल्जाम वापस लिया जाए।

देश दुनीया से

हिंदुत्व में रुकावट हैं दलितों पर अत्याचार

हिंदुओं की एकता की बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी का यह सपना शायद ही कभी पूरा हो सकेगा। देश में अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचारों के मामले में देशभर में उत्तरप्रदेश पहले, मध्यप्रदेश दूसरे और राजस्थान तीसरे स्थान पर है। इन तीनों ही राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि हाशिए पर रह रहे इन वर्गों पर अत्याचारों का मामला राष्ट्रीय मुद्दा नहीं बन सका। इन वर्गों की दुहाई के लिए घडियाली आंसू बहाने वाले राजनीतिक दलों और संगठनों ने इन अत्याचारों पर धरना-प्रदर्शन करना तो दूर, मुंह तक नहीं खोला। भाजपाशासित राज्यों में एससी-एसटी पर अत्याचार शीर्ष पर होने के बावजूद यह मुद्दा चिंता का विषय नहीं बन सका। अत्याचारों के आंकड़ों की यह तस्वीर भाजपा के हिंदुओं के एकता प्रयासों की सच्चाई उजागर करती है। एक सरकारी रिपोर्ट से पता चला है कि वर्ष 2022 में अनुसूचित जातियों (एससी) के खिलाफ 97.7 प्रतिशत अत्याचार 13 राज्यों में केंद्रित थे, जिनमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में ऐसे मामलों की सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई। उत्तर प्रदेश में 12287 मामले (23.78 प्रतिशत), राजस्थान में 8651 मामले (16.75 प्रतिशत) और मध्य प्रदेश में 7732 मामले (14.97 प्रतिशत) दर्ज किए गए। इसके अलावा अन्य राज्यों में अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें बिहार में 6799 मामले (13.16 प्रतिशत), ओडिशा में 3576 मामले (6.93 प्रतिशत) और महाराष्ट्र में 2706 मामले (5.24 प्रतिशत) शामिल हैं। वर्ष 2022 में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज किए गए कुल मामलों में से लगभग 81 प्रतिशत केवल इन छह राज्यों में दर्ज किए गए। इस अधिनियम के तहत 2022 में अनुसूचित जातियों के खिलाफ कुल 51656 मामले दर्ज किए गए। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि ये मामले भारतीय दंड संहिता के तहत भी दर्ज किए गए थे। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि एसटी के खिलाफ अत्याचार के अधिकांश मामले भी 13 राज्यों में हुए।

एसटी से जुड़े 9735 मामलों में से मध्य प्रदेश में 2979 मामले (30.61 प्रतिशत), राजस्थान में 2498 मामले (25.66 प्रतिशत) और ओडिशा में 773 मामले (7.94 प्रतिशत) दर्ज किए गए। एसटी से संबंधित अन्य मामलों में महाराष्ट्र में 691 मामले (7.10 प्रतिशत) और आंध्र प्रदेश में 499 मामले (5.13 प्रतिशत) शामिल हैं। इस रिपोर्ट में जांच और चार्जशीट से संबंधित डेटा भी प्रस्तुत किया गया है। अनुसूचित जाति से संबंधित मामलों में 60.38 प्रतिशत मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए गए, जबकि झूठे दावों या सबूतों की कमी के कारण 14.78 प्रतिशत मामलों में अंतिम रिपोर्ट दी गई। वर्ष 2022 के अंत तक 17166 मामलों की जांच अभी भी लंबित थी। अनुसूचित जनजाति से संबंधित मामलों में 63.32 प्रतिशत मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए गए, जबकि 14.71 प्रतिशत मामलों में अंतिम रिपोर्ट दी गई। 2022 के अंत तक 2702 मामलों की जांच जारी थी। रिपोर्ट में एक प्रमुख चिंता अधिनियम के तहत दोषसिद्धि दर में गिरावट है। साल 2022 में यह दर 2020 के 39.2 प्रतिशत से घटकर 32.4 प्रतिशत हो गई। रिपोर्ट में इन मामलों के निपटारे के लिए विशेष अदालतों की अपर्याप्त संख्या पर भी चिंता व्यक्त की गई है। 14 राज्यों के 498 जिलों में से केवल 194 जिलों ने विशेष अदालतें स्थापित की हैं ताकि मामलों की तेजी से सुनवाई हो सके। रिपोर्ट में ऐसे विशिष्ट जिलों की पहचान की गई है जहां अत्याचार की घटनाएं काफी अधिक हैं, लेकिन केवल 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने ऐसे जिलों की घोषणा की है। उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में, जहां अनुसूचित जाति से संबंधित मामलों की अधिक संख्या दर्ज की गई, वहां कोई अत्याचार-ग्रस्त जिला नहीं बताया गया। रिपोर्ट में जाति आधारित हिंसा को रोकने और कमजोर समुदायों के लिए मजबूत सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इन जिलों में हस्तक्षेप करने का आह्वान किया गया है। अनुसूचित जाति-जनजाति पर अत्याचारों की रोकथाम करने के लिए किए गए सरकारी उपाय दिखावटी साबित हुए हैं। यह समस्या सुरसा की तरह मुंह फाड़े चली आ रही है। आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों में एससी/एसटी संरक्षण प्रकोष्ठ स्थापित किए गए हैं। बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, केरल और मध्य प्रदेश में एससी/एसटी अपराधों से निपटने के लिए विशेष पुलिस स्टेशन स्थापित किए गए हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो इन वर्गों पर अत्याचारों के मामले में पुलिस की भूमिका पर सवालिया निशान लगते रहे हैं।

यदि पुलिस ईमानदारी से कार्रवाई करती तो अत्याचारों के इन आंकड़ों की नौबत नहीं आती। एससी-एसटी अधिनियम-1989 संसद द्वारा पारित एक अधिनियम है जो एससी एवं एसटी समुदायों के सदस्यों के विरुद्ध भेदभाव का निषेध करने तथा उनके विरुद्ध अत्याचार को रोकने के लिए बनाया गया है।

> देश में अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचारों के मामले में देशभर में उत्तरप्रदेश पहले, मध्यप्रदेश दूसरे और राजस्थान तीसरे स्थान पर है। इन तीनों ही राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि हाशिए पर रह रहे इन वर्गों पर अत्याचारों का मामला राष्ट्रीय मुद्दा नहीं बन सका। इन वर्गों की दुहाई के लिए घडियाली आंसू बहाने वाले राजनीतिक दलों और संगठनों ने इन अत्याचारों पर धरना-प्रदर्शन करना तो दूर, मुंह तक नहीं खोला। भाजपाशासित राज्यों में एससी-एसटी पर अत्याचार शीर्ष पर होने के बावजूद यह मुद्दा चिंता का विषय नहीं बन सका।

आप का नजरीया

खेद है कंगना

हालांकि अपने बयान से पलटी मार कर मंडी से सांसद कंगना रणौत राजनीतिक भूल के आंसू पौंछ रही हैं, फिर भी यहां प्रश्न हिमाचल से लोकसभा में होने का है। किसान विरोधी बयानों के आलम में, सांसद ने पूरी भाजपा को हरियाणा की जंग का प्रायश्चित बना दिया। एक लंबी फेहरिस्त में मोहतरमा कंगना के बयानों के झाड़ पार्टी को परेशान और देश को हैरान कर रहे हैं, लेकिन हिमाचल के लिए यह सियासी हादसा सिद्ध हो रहा है। बेशक कंगना ने जो पाया, उसके पीछे उसकी अपनी शख्सियत, मेहनत और दबंगता रही है, लेकिन सार्वजनिक जीवन में रहते जुबान अलग होती है और यह भी कि उन्हें केवल मंडी संसदीय क्षेत्र का अभिभावक बनना है। अपने कारणों से वह यूं तो देश के हालात में प्रचार की सामग्री सिद्ध हुई हैं, लेकिन न तो उन्हें सियासी माया मिली और न ही राम, बल्कि करियर के नुकसान से वह अपना रुतबा, शोहरत और परिपक्वता के लिहाज से बॉलीवुड की शान भी खो रही हैं। अपने बड़बोलेपन के कारण कंगना को अपनी फिल्मों का नुकसान उठाना पड़ रहा है। खासतौर पर 'इमरजेंसी' फिल्म को लेकर हुए सुलूक को ही यह एक्टर अपने चरित्र में पहचान ले, तो शायद खेद का विषय राजनीति हो जाएगा। इसमें दो राय नहीं कि कंगना चर्चाओं और विवादों का पिटारा अपने साथ लेकर चलती हैं, लेकिन मंडी संसदीय क्षेत्र के लिए यह प्रचार अच्छा नहीं है। मंडी इस बरसात में भी अपने जीवन के संगीत में बरसात के खलल से परेशान रहा, तो कंगना जैसी संपर्कों वाली सांसद से कुछ खास की आशा थी। हैरानी यह कि उनके पास न अल्पाविधि और न बहुआयामी संकल्प हैं। वह राजनीतिक वैमनस्य की जुबान में न घर के लिए कुछ कह पा रही और न ही घाट की भाषा जान पाई। किसान विरोधी बयान को उनकी जुबान का फिसलना नहीं माना गया, तो खेद जाहिर करके वह अपने सियासी सफर की निचली पायदान को अंगीकार कर रही हैं। हम सियासी जीत हार में भूल रहे हैं कि जिन्हें चुन रहे हैं, वे अपनी ही प्राथमिकताओं के घोड़े हैं। हैरानी यह कि देश में साक्षरता दर के उच्च शिखर पर बैठे हिमाचल को अपने जनप्रतिनिधि ही चुनने नहीं आ रहे। इधर हिमाचल में भी कुछ विधायकों-मंत्रियों के कारनामे सुलगते हैं, तो आग सोशल मीडिया के परिदृश्य में सेंकी जाती है। अंततः हिमाचल को ज्वाला से खेलना रास आ रहा है और सियासत बेपरवाह हो कर समाज को चौराहों पर खड़ा कर रही है। धीरे-धीरे शासक वर्ग की टोलियों में कुछ चहेतों, दोस्तों और प्रभावशाली लोगों की तूती बोल रही है। हम जिन्हें पंचायत में भेजते, वे मनरेगा के इंजीनियर बन जाते हैं और जो नगर निकायों में भेजे जाते, वे अतिक्रमण के बीज उगा कर संपत्तियों के मालिक बन जाते हैं। शिमला जिन्हें भेजा, वे मुद्दों पर सदन से बाहर देखे गए और जो दिल्ली रवाना किए, वे संसद के बैक बेंचर बने रहे। आखिर कितने प्रश्न हिमाचल के, मेरे हलके, मेरे गांव-शहर के, गुम हो गए तेरी फिजूल की चर्चा में कहीं उसूल गुम हो गए। कंगना को जिन आशाओं ने दिल्ली भेजा, वे अब पटरी से उतर गई हैं। अंततः हम अपने भविष्य के पांच साल जिन्हें सौंपते हैं, वे चाहें तो इन्हें पच्चीस कर दें और न समझें तो शून्य कर दें।

नेपाल : लगातार बारिश के चलते पूरे देश के एयरपोर्ट बंद, आंतरिक उड़ानों पर रोक, इंटरनेशनल उड़ानों को भारत किया डाइवर्ट

काठमांडू।
नेपाल में पिछले 24 घंटे से लगातार हो रही भारी बारिश से देशभर का जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। बारिश के चलत पूरे देशे के एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। काठमांडू से शुक्रवार रात से ही आंतरिक उड़ानों को रोक दिया गया है, जबकि इंटरनेशनल फ्लाइट्स को भारत के अलग-अलग एयरपोर्ट के लिए डाइवर्ट किया गया है।

नेपाल में हो रही लगातार मूसलाधार बारिश के कारण सरकार ने काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल से आंतरिक उड़ानों पर रोक लगा दी है। इस एयरपोर्ट पर एयर सुबह से एयर तीन अंतरराष्ट्रीय विमान की लैंडिंग हो सकी। बारिश के कारण यहां की विजिबिलिटी बहुत ही कम होने के कारण विमानों के उड़ान और अवतरण बाधित हो रही है।

नागरिक उड्डयन विभाग के महाप्रबंधक प्रदीप अधिकारी ने बताया कि काठमांडू सहित देशभर के सभी एयरपोर्ट को अगली सूचना तक के लिए बंद करने का आदेश दे दिया गया है। काठमांडू से आंतरिक उड़ानों पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को कई अंतरराष्ट्रीय विमानों को भारत के लखनऊ, कोलकाता और वाराणसी डाइवर्ट कर दिया गया था। शनिवार को भी सुबह से ही हो रही मूसलाधार बारिश के कारण अधिकांश एयरलाइंस को भारत डाइवर्ट किया गया है। बीच बीच में बारिश कम होने और विजिबिलिटी ठीक होने पर अपराह्न 1 बजे तक सिर्फ तीन इंटरनेशनल एयरलाइंस को ही लैंडिंग की अनुमति मिल पाई है।

महाप्रबंधक अधिकारी के मुताबिक दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु से आने वाले विमानों को वहीं रोका गया है। इसके अलावा चीन के बीजिंग, सिचुवान, ल्हासा और ग्वांजाओ से आने वाले विमानों को चीन के ही ताइफू के तरफ मोड़ दिया गया है। इसके अलावा सिंगापुर, मलेशिया, जापान, कोरिया, तुर्की सहित दुबई, कतर आबूधाबी से आए विमानों को भारत के अलग अलग एयरपोर्ट के तरफ डाइवर्ट किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

रावलपिंडी में टकराव की आशंका, पीटीआई की रैली से पहले धारा 144 लागू

रावलपिंडी । पाकिस्तान के रावलपिंडी शहर में अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और पुलिस के बीच टकराव आशंका बढ़ गई है। पंजाब सरकार ने पीटीआई की रैली से पहले शहर में धारा 144 लागू कर दी है। पंजाब सरकार ने शनिवार को आहूत रैली के मद्देनजर धारा 144 के तहत सभी प्रकार की सभाओं, रैलियों, विरोध प्रदर्शनों और हथियार प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध 28 और 29 सितंबर को प्रभावी रहेगा। इसी के साथ अटक, झेलम और चकवाल जिलों में भी धारा 144 लागू कर दी गई है। इस बीच, पीटीआई ने समर्थकों से लियाकत बाग में इकट्ठा होने का आह्वान किया। नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब ने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा, मैं आप सभी से दोपहर दो बजे लियाकत बाग में बड़ी संख्या में आने का आग्रह करता हूं। हम एक सभा करेंगे, यह हमारा कानूनी और संवैधानिक अधिकार है। उल्लेखनीय है कि पीटीआई ने मंगलवार को डीसी से 28 सितंबर को रावलपिंडी में सार्वजनिक रैली के लिए अनुमति मांगी थी।

श्रीलंका के पूर्व मंत्री कुमार वेलगामा का निधन

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व मंत्री और कलूटारा के पूर्व सांसद कुमार वेलगामा का निधन हो गया। उन्होंने

74 वर्ष की आयु में राजधानी कोलंबो के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। पूर्व मंत्री कुमार वेलगामा का इस अस्पताल में चल रहा था। साल 2020 से वे न्यू लंका फ्रीडम पार्टी के नेता रहे हैं और समागी जन बालवेगया के साथ चुनाव लड़े हैं। वेलगामा 1984 से 2000 के बीच अगालावटे निर्वाचन क्षेत्र में श्रीलंका फ्रीडम पार्टी के मुख्य आयोजक थे। वेलगामा 2007 से 2010 तक औद्योगिक विकास मंत्री और 2010 से 2015 की शुरुआत तक एसएलएफपी के नेतृत्व वाली सरकार में परिवहन मंत्री थे।

पाकिस्तान में भिड़ रहे शिया-सुन्नी, अब तक 64 की हो गई मौत, नहीं हो पाया समाधान

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान की सीमा से सटे आतंक प्रभावित कुर्रम जिले में हिंसा थमने का नाम ही नहीं ले रही है। एक महीने पहले ही यहां सीजफायर का समझौता किया गया था। बावजूद इसके यहां खूनी झड़प रोकी नहीं जा सकी हैं। बीते एक सप्ताह में ही इस संघर्ष में कम से कम 64 लोगों की मौत हो गई है। इससे पहले भी हिंसा में लगभग 50 लोगों की मौत हो गई थी। विवाद को गहराता देख सरकार ने दखल देकर दोनों समुदायों के बीच अगस्त महीने में समझौता करवाया था। सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि फिर भड़की हिंसा की वजह से यातायात प्रभावित हुआ है। इसके आलावा खाने-पीने के सामान की सप्लाई भी कम हो गई है। लोगों को फ्यूल और दवाई के लिए भी तरसना पड़ रहा है। हिंसा की वजह से शैक्षिक संस्थान बंद कर दिए गए हैं। कुर्रम पहाड़ी इलाका है और इसका बॉर्डर अफगानिस्तान के साथ लगता है। यहां करीब सात लाख लोग रहते हैं जिनमें से 42 फीसदी शिया समुदाय से हैं। लगभग 24 करोड़ की आबादी वाले सुन्नी बहुल पाकिस्तान में पाराचिनार शहर के आसपास सुन्नियों की संख्या ज्यादा है। यहां पर जातीय हिंसा लंबे समय से चली आ रही है।बीते सप्ताह शनिवार को शुरू हुई हिंसा गुरुवार को छठे दिन भी जारी रहीं। पुलिस के अनुसार, दोनों पक्ष छोटे-बड़े हथियारों से एक-दूसरे को निशाना बना रहे हैं। तनाव के चलते पाराचिनार-पेशावर मुख्य सड़क और पाक-अफगान खारलाची सीमा बंद हो गई है। इससे भोजन, ईंधन और दवाओं सहित आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधित है। प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता बैरिस्टर सैफ अली ने कहा, अधिकारी कबायली बुजुर्गों की मदद से तनाव को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। डिप्टी कमिश्नर जावेदउल्लाह महसूद ने कहा कि संघर्ष विराम के लिए प्रयास जारी हैं, जिला प्रशासन, पुलिस, सैन्य नेतृत्व और आदिवासी बुजुर्ग क्षेत्र में शांति लाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। खूनी संघर्ष कुर्रम से शुरू हुआ और बालिशखेल, सद्दा, खार कल्ले, पीवार और मकबल जैसे क्षेत्रों में फैल गया। ये इलाके अफगानिस्तान के खोस्त, पक्तिया, लोगर और नांगरहार प्रांतों की सीमा से लगे हैं, जिन्हें आईएसआईएस और पाकिस्तान तालिबान का गढ़ माना जाता है। यहां जुलाई महीने में 50 लोग मारे गए और 225 घायल हो गए थे।

इजराइल के हमले में हिजबुल्लाह सरगना हसन नसरल्लाह मारा गया

बेरूत।
लेबनान पर इजराइल के अब तक के सबसे भीषण हवाई हमले में ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह का सरगना हसन नसरल्लाह मारा गया। चीन के समाचार पत्र बीजिंग डेली ने इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के हवाले से एक्स हैंडल पर लिखा है- 28 सितंबर को बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर इजराइल के हवाई हमलों में लेबनानी आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह का नेता हसन नसरल्लाह मारा गया। इस हवाई हमले में हिजबुल्लाह का मुख्यालय ढेर हो गया है। इजराइल के सुरक्षाबलों (आईडीएफ) ने मुख्यालय के तहखाने में छुपे समूह के सरगना हसन नसरल्लाह को निशाना बनाकर एयर स्ट्राइक कर आसपास के इलाके को आग के गोले में बदल दिया। इससे पहले आईडीएफ ने दावा किया था कि हसन नसरल्लाह का बचकर बाहर आना कल्पना से परे है। इजराइली वायुसेना ने शुक्रवार शाम लेबनान की राजधानी बेरूत में बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। इस दौरान हिजबुल्लाह के मुख्य मुख्यालय पर हमला किया गया। हमलों में हिज्बुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह को निशाना बनाया गया। माना जा रहा है कि नसरल्लाह हमले के समय मुख्य मुख्यालय के कमांड सेंटर में था। इजराइल के एक अधिकारी ने कहा था कि ऐसे हमले से नसरल्लाह के जिंदा बच निकलने की कल्पना करना बहुत मुश्किल है। बताया गया है कि इस हमले ने लेबनान की राजधानी को हिलाकर रख दिया। राजधानी में धुआं छा गया। हमले में कम से कम छह इमारतें ध्वस्त हो गईं। आईडीएफ प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने हमले के कुछ ही मिनटों बाद कैमरे के सामने बयान दिया। हगारी ने कहा कि कमांड सेंटर बेरूत में हिजबुल्लाह के गढ़ माने जाने वाले दहिह उपनगर में नागरिक इमारतों के नीचे बनाया गया था।

इससे पहले मारा गया हिजबुल्लाह कमांडर सरूर - हिजबुल्लाह के टेलीविजन चैनल अल-मनार के मुताबिक गुरुवार को इजराइल के हमले में उसके कमांडर मोहम्मद हुसैन सरूर का निधन हो गया। यह हमला बेरूत के दक्षिणी उपनगर दहिह पर किया गया था।

नसरल्लाह की बेटी जैनब का शव मलबे से बरामद - हिजबुल्लाह के टेलीविजन चैनल अल-

मनार के अनुसार हसन नसरल्लाह की बेटी जैनब का शव कमांड सेंटर के मलबे में मिला है। इसकी पुष्टि लेबनान के अधिकारियों ने की है। जैनब हिजबुल्लाह के प्रति अपनी निष्ठा और अपने परिवार के बलिदान के लिए जानी जाती है। जैनब ने अपने भाई हादी की मौत पर सार्वजनिक रूप से बात की थी। वह 1997 में इजराइली बमबारी में मारा गया था।

सीरिया में हमास का फहद मारा गया - रिपोर्ट में आईडीएफ के हवाले से कहा गया है कि दक्षिणी सीरिया में हमास नेटवर्क के प्रमुख अहमद मोहम्मद फहद को रात को किए गए हवाई हमले में मार गिराया गया। फहद गोलान हाइट्स पर रॉकेट हमले में शामिल था।

मालदीव की चीन से नहीं बैठी पटरी, वापस भारत की शरण में आ रहे मुइज्जू

माले। मालदीव ने सोचा था चीन से दोस्ती करके भारत पर दबाव बना लेगा ये उसकी गलत फहमी निकली। अतत: मालदीव की सभी गलत फहमियां दूर हो गई और उसे वापस भारत की शरण में लौटना पड़ रहा है। ये इसलिए कहा जा रहा है कि खुद मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने इंडिया आउट के किसी भी एजेंडे से इनकार करते हुए कहा कि उनके देश में विदेशी सेना की उपस्थिति द्वीपीय देश के लिए एक गंभीर समस्या थी। अब मुइज्जू अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में भारत की यात्रा करने वाले हैं। उनकी इस यात्रा से दोनों देशों के रिश्तों में आई कड़वाहट को दूर करने की कोशिश के तौर देखा जा रहा है। वे 6-10 अक्टूबर के दौरान द्विपक्षीय यात्रा के लिए भारत में रहेंगे। नाम नहीं बताने की शर्त पर दोनों देशों के लोगों ने बताया कि पीएम मोदी के साथ उनकी बैठकें 7 अक्टूबर को होने की संभावना है। बता दें कि मुइजू पिछली बार 9 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए छह अन्य क्षेत्रीय देशों के नेताओं के साथ नई दिल्ली आए थे। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में शामिल होने के लिए अमेरिका पहुंचे मुइज्जू ने गुरुवार को प्रिंसटन विश्वविद्यालय के कार्यक्रम 'डीन्स लीडरशिप सीरीज' में एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा कि हम किसी भी समय, किसी भी देश के खिलाफ कभी नहीं रहे। यह भारत को बाहर करना नहीं है। मालदीव के लोगों को अपने देश में विदेशी सेना की उपस्थिति से एक गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा था। मुइज्जू ने कहा कि मालदीव के लोग नहीं चाहते कि एक भी विदेशी सैनिक देश में रहे।भारत और मालदीव के बीच संबंध पिछले साल नवंबर से ही तनावपूर्ण हो गए थे, जब चीन के प्रति झुकाव रखने वाले मुइज्जू ने मालदीव के राष्ट्रपति का पदभार संभाला था।

विनाशकारी तूफान हेलेन का असर व्यापक और विनाशकारी रहा

फ्लोरिडा ।
तूफान हेलेन शुक्रवार देर रात कमजोर होकर श्रेणी 1 का तूफान बन गया, लेकिन इसके बावजूद इसका असर व्यापक और विनाशकारी रहा। तूफान ने लगभग 140 मील प्रति घंटे की तेज हवाओं और भारी बारिश के साथ फ्लोरिडा को प्रभावित किया, जिससे कई इलाकों में बड़े पैमाने पर बिजली गुल हो गई।

फ्लोरिडा में 1.3 मिलियन और जॉर्जिया में 583,000 से अधिक लोग बिजली के बिना रह गए, वहीं दक्षिण कैरोलिना और उत्तरी कैरोलिना में भी हजारों घर और व्यवसाय प्रभावित हुए। तूफान के कारण कम से कम तीन लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जिनमें जॉर्जिया और फ्लोरिडा के लोग शामिल हैं।

इन मौतों में से एक व्यक्ति की मौत टैम्पा क्षेत्र में एक वाहन पर यातायात संकेत गिरने से हुई। स्थिति को संभालने के लिए

भारी बारिश के बीच लाखों घरों की बिजली हुई गुल, कम से कम तीन लोगों की मौत

फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने 3,500 नेशनल गार्ड्समैन को तैयार रखा है, जबकि हवाई यात्रा पर भी व्यापक असर पड़ा है, जिससे लगभग 1,300 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं।

तूफान केंद्र ने दक्षिण-पूर्वी अमेरिका में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के खतरे की चेतावनी दी है। कुछ क्षेत्रों में 6 से 12 इंच तक बारिश होने की संभावना है, जबकि कुछ स्थानों पर यह 20 इंच तक भी पहुंच सकती है। इसके चलते बाढ़ और भूस्खलन का खतरा अधिक हो गया है, जिससे हजारों लोग प्रभावित हो सकते हैं, और यह स्थिति जीवन के लिए खतरा बन सकती है।

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप से ज्यादा धन मिल रहा है कमला हैरिस को

न्यूयॉर्क ।
अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रत्याशी कमला हैरिस को चुनाव में ज्यादा चंदा मिल रहा है। वह चुनाव में रिपब्लिकन प्रत्याशी से ज्यादा खर्च कर रही हैं। अमेरिका में मतदाता जिस पार्टी के उम्मीदवार को जिताना होता है, उस उम्मीदवार को ज्यादा चंदा मिलता है।2020 के इलेक्शन में जो वाईडेन के चुनाव में ट्रंप से ज्यादा पैसा चुनाव प्रचार में खर्च हुआ था। वर्तमान मे राष्ट्रपति का चुनाव लड़ रही, कमला हैरिस को अगस्त माह मेंपूर्व राष्ट्रपति ट्रंप से 376 करोड रुपए अधिक चंदा मिला था। कमला हेरिस को अभी तक 8300 करोड रुपए से ज्यादा का चंदा मिल चुका है। जबकि पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को अभी तक चुनाव चंदे के रूप में 5700 करोड रुपए ही मिले हैं। चुनावी चंदा बता रहा है,कि राष्ट्रपति पद के चुनाव में इस बार कमला हैरिस ने बढ़त ले ली है। कमला हैरिस अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति बनने जा रही हैं।

प्रो यूनुस ने वैश्विक समुदाय से नए बांग्लादेश के निर्माण में सहयोग मांगा

न्यूयॉर्क।
बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने वैश्विक समुदाय से नए बांग्लादेश के निर्माण में सहयोग मांगा है। उन्होंने कहा वह बांग्लादेश में स्वतंत्रता और लोकतंत्र सुनिश्चित करना चाहते हैं। प्रो. यूनुस ने कल न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र की आम बहस के संबोधन में बांग्लादेश के मौजूदा सूरत-ए-हाल पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के आम लोगों, खासकर युवाओं की शक्ति ने देश को व्यवस्था में सुधार लाने और भेदभाव को समाप्त करने का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने कहा, इसलिए मैं अंतरराष्ट्रीय समुदाय से लोकतंत्र, कानून के शासन, समानता और समृद्धि के लिए बांग्लादेश के साथ जुड़ाव जारी रखने और उसे गहरा करने का आह्वान करता हूं, ताकि हम एक न्यायपूर्ण और समावेशी लोकतांत्रिक समाज के रूप में उभर सकें। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष फिलेमोन यांग की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में 193 संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों, सरकारों या उनके प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, वह सामूहिक संकल्प (जिसके कारण शेख हसीना को हटाया गया) भविष्य के बांग्लादेश को परिभाषित करेगा और राष्ट्रों के समुदाय में एक

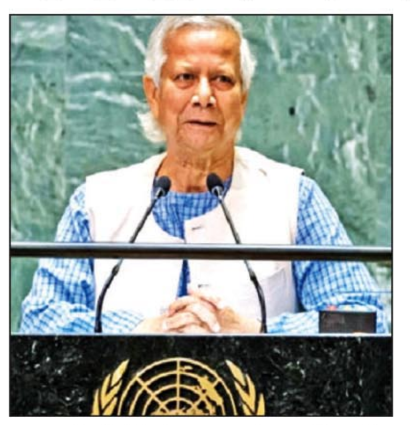

उत्तरदायी और जिम्मेदार राज्य के रूप में स्थापित करेगा। यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश में हाल के आंदोलन के समय न्यायपूर्ण, समावेशी और कार्यशील लोकतंत्र का सपना देखा गया। इस आंदोलन मेंआठ सौ से ज्यादा लोग शहीद हुए। प्रो. यूनुस ने कहा, अंतरिम सरकार ने देखा है कि बांग्लादेश में भ्रष्टाचार, संस्थाओं का निर्मम राजनीतिकरण, कुलीनतंत्र और धन-संपत्ति का गबन हो रहा है। सरकार की मुख्य प्राथमिकता सार्वजनिक पदों और संस्थाओं में बैठे लोगों को जवाबदेह बनाना है। अंतरिम सरकार सुशासन सुनिश्चित करेगी। मौलिक अधिकारों को बढ़ावा देगी। उनकी रक्षा करेगी। भव्य बुनियादी ढांचे के विकास पर शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए आवंटन को प्राथमिकता देगी। यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश में छोटे किसानों और कारीगरों को आजीविका चलाने वालों को जोखिम का सामना करना पड़ता है। पूर्वी बांग्लादेश में पांच मिलियन से अधिक लोगों ने अपने जीवन में सबसे विनाशकारी बाढ़ देखी है। इसलिए वह बांग्लादेश जैसे जलवायु-संवेदनशील देशों में जलवायु अनुकूलन के लिए मजबूत संसाधनों को चैनलाइज करने का आग्रह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश मानवीय आधार पर 1.2 मिलियन से अधिक रोहिंग्याओं को महत्वपूर्ण सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय लागतों पर शरण दे रहा है। म्यांमार में लंबे समय से चल रहा संकट बांग्लादेश के लिए राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सुरक्षा निहितार्थों के साथ बढ़ते जोखिम पैदा करता है। बांग्लादेश को उनके स्थायी प्रत्यावर्तन को अंजाम देने में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के निरंतर समर्थन की आवश्यकता है। गाजा के हालात पर प्रो. यूनुस ने कहा कि फिलिस्तीन के लोगों के खिलाफ मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए जिम्मेदार सभी लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान को भारत का करार जवाब

न्यूयॉर्क।
भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र की आम बहस में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने पर करारा जवाब दिया है। भारत ने इस पर प्रतिक्रिया देने के लिए अपने जवाब देने के अधिकार का शुक्रवार को इस्तेमाल किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में प्रथम सचिव भाविका मंगलानंदन ने भारत के जवाब देने के अधिकार के तहत प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा, यह महासभा आज सुबह खेदजनक रूप से हास्यास्पद घटना की गवाह बनी। आतंकवाद, मादक पदार्थ के कारोबार और अंतरराष्ट्रीय अपराध के लिए दुनियाभर में पहचाने जाने वाले एवं सेना से संचालित एक देश ने विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र पर हमला

करने का दुस्साहस किया। दुनिया जानती है कि पाकिस्तान अपने पड़ोसियों के खिलाफ हथियार के तौर पर सीमा पार आतंकवाद का लंबे समय से इस्तेमाल करता रहा है।

भारतीय राजनयिक भाविका मंगलानंदन ने जवाब में पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों के भारतीय संसद पर 2001 के हमले और मुंबई के 26/11 आतंकी हमलों का जिक्र किया। उन्होंने कहा, उसने हमारी संसद, हमारी वित्तीय राजधानी मुंबई, बाजार तथा तीर्थस्थलों पर हमला किया है। यह सूची लंबी है। ऐसे देश का हिंसा के बारे में कहीं भी बोलना पूरी तरह पाखंड है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ ने कहा था कि स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए भारत को अनुच्छेद 370 को बहाल करना होगा और जम्मू-कश्मीर के मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान के लिए बातचीत शुरू करनी होगी। इस पर भाविका मंगलानंदन ने कहा कि भारत आपसी सामरिक व्यवस्था के उनके देश के प्रस्ताव को ठुकरा चुका है। भारत कह चुका है कि आतंकवाद के साथ किसी प्रकार का कोई समझौता नहीं हो सकता। बल्कि पाकिस्तान को यह पता होना चाहिए कि भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद के अनिवार्य रूप से परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

मंगलानंदन ने वैश्विक समुदाय को स्मरण कराया कि यह वही देश है जिसने लंबे समय तक अल-कायदा नेता ओसामा बिन लादेन को पनाह दी। दुनियाभर में कई आतंकवादी घटनाओं में पाकिस्तान का हाथ है। भारतीय राजनयिक ने कहा, इसमें किसी को कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि उसके (पाकिस्तान के) प्रधानमंत्री इस प्रतिष्ठित मंच में ऐसा बोलेंगे। बावजूद इसके हमें यह स्पष्ट करना चाहिए कि उनके शब्द हम सभी के लिए कितने अस्वीकार्य हैं। हम जानते हैं कि पाकिस्तान सच्चाई का सामना और अधिक झूठ से करना चाहेगा। बार-बार झूठ बोलने से कुछ नहीं बदलेगा। भारत का रुख स्पष्ट है। उसे दोहराने की जरूरत नहीं है। चुनाव में धांधली के इतिहास वाले देश के लिए एक लोकतंत्र में राजनीतिक विकल्पों के बारे में बात करना अजीब है।

उन्होंने कहा, सच यह है कि पाकिस्तान की नजर हमारे क्षेत्र पर है। उसने भारत के अविभाज्य और अभिन्न अंग जम्मू-कश्मीर में चुनाव को बाधित करने के लिए लगातार आतंकवाद का इस्तेमाल किया है। यह ऐसा देश है जिसने 1971 में नरसंहार किया। अब भी अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार करता है। अब वह असहिष्णुता और भय के बारे में बोलने की हिमाकत करता है। यह हास्यास्पद है। पाकिस्तान की असलियत दुनिया जानती है। इसके बाद पाकिस्तान के एक राजनयिक ने जवाब देने के अधिकार के तहत मंगलानंदन के बयान पर प्रतिक्रिया दी।

मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने को विहिप-बजरंग दल का प्रदर्शन

मेरठ, (हि.स.)। सरकार द्वारा अधिग्रहीत मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने की मांग को लेकर विहिप एवं बजरंग दल के कार्यकताओं ने शनिवार को प्रदर्शन किया। उन्होंने राज्यपाल को भेजे ज्ञापन में हिन्दुओं को अपने मंदिरों का संचालन करने की अनुमति देने की मांग उठाई। तिरुपति बालाजी मंदिर में वितरित होने वाले महाप्रसाद की पवित्रता को लेकर शनिवार को विहिप एवं बजरंग दल ने आक्रोश रैली निकाली। जिमखाना मैदान पर इकट्ठा हुए कार्यकताओं ने कमिश्नरी तक रैली निकाली और जोरदार प्रदर्शन किया। इसके बाद जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से बाहर करने की मांग उठाई। विहिप नेता अमित जिंदल ने कहा कि तिरुपति बालाजी मंदिर में वितरित होने वाले महाप्रसाद की पवित्रता को लेकर आस्थावान हिंदुओं की बहुत श्रद्धा होती है। दुर्भाग्य से इस महाप्रसाद को बनाने वाले घी में गाय व सूअर की चर्बी तथा मछली के तेल की मिलावट के अत्यंत दुखद और हृदय विदारक समाचार आ रहे हैं। पूरे देश का हिंदू समाज आक्रोशित है और हिंदुओं का क्रोध अलग-अलग रूप में प्रकट हो रहा है। इस पवित्र तीर्थ का संचालन आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित बोर्ड द्वारा होता है। उन्होंने कहा कि वहां केवल महाप्रसाद बनाने के मामले में ही हिंदू आस्थाओं के साथ खिलवाड़ नहीं किया गया, अपितु हिंदुओं के द्वारा अत्यंत श्रद्धा भाव से अर्पित की गई देव राशि (चढ़ावा) के सरकारी अधिकारियों व राजनेताओं द्वारा दुरुपयोग के भी कष्टकारी समाचार मिलते रहते हैं। कई बार तो हिंदुओं के धर्म पर आघात कर हिंदुओं का धर्मांतरण करने वाली संस्थाओं को इस पवित्र राशि से अनुदान देने के समाचार भी मिलते रहे हैं। कई अन्य राज्य सरकारें भी मंदिरों की संपत्ति व आय का निरंतर दुरुपयोग करती रहती हैं तथा उनका उपयोग गैर हिंदू और हिंदू विरोधी कार्यो में करती रही है। हमारे देश में संविधान के सर्वोपरि होने की दुहाई बार-बार दी जाती है परंतु दुर्भाग्य से हिंदुओं की आस्थाओं के केंद्र मंदिरों पर विभिन्न सरकारें अपना नियंत्रण स्थापित कर हिंदुओं की भावनाओं के साथ सबसे घृणित धोखाधड़ी संविधान की आड़ में ही कर रही हैं। जो सरकारें संविधान की रक्षा के लिए निर्माण की जाती हैं वे ही संविधान की आत्मा की धज्जियां उड़ा रही है। अपने निहित स्वार्थ के कारण मंदिरों का अधिग्रहण कर वे संविधान की धारा 12, 25 व 26 का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन कर रही हैं। विहिप नेताओं ने सवाल उठाया कि क्या स्वतंत्रता प्राप्ति के 77 वर्ष बाद भी हिंदुओं को अपने मंदिरों का संचालन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती? अल्पसंख्यकों को अपने धार्मिक संस्थान चलाने की अनुमति है, परंतु हिंदू को यह संविधान सम्मत अधिकार क्यों नहीं दिया जा रहा? यह सर्वविदित है कि मुस्लिम आक्रमणकारियों ने मंदिरों को लूटा और नष्ट किया था। अंग्रेजों ने चतुराईपूर्वक उन पर नियंत्रण स्थापित करके उन्हें निरंतर लूटने की प्रक्रिया स्थापित कर दी। स्वतंत्रता के 77 वर्ष बाद भी भारत की सरकारें इस औपनिवेशिक मानसिकता से ग्रस्त है और हिंदुओं के मंदिरों पर नियंत्रण स्थापित कर लूट रही है। तिरुपति बालाजी व अन्य स्थानों पर की जा रही अनियमितताओं के कारण अब हिंदू समाज का यह विश्वास हो गया है कि अपने मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराए बिना उनकी पवित्रता को पुनर्स्थापित नहीं किया जा सकता। यह स्थापित मान्यता है कि हिंदू मंदिरों की संपत्ति व आय का उपयोग मंदिरों के विकास व हिंदुओं के धार्मिक कार्यों के लिए ही होना चाहिए। वास्तविकता यह है कि मंदिरों की आय व संपत्ति की खुली लूट अधिकारियों व राजनेताओं के द्वारा तो की ही जाती हैं कई बार उनके चहेते हिंदू विरोधियों द्वारा भी की जाती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को उनके द्वारा नियंत्रित सभी हिंदू मंदिर अविलंब मुक्त करके हिंदू संतों व भक्तों को एक निश्चित व्यवस्था के अन्तर्गत सौंपने के लिए प्रेरित करें। इस व्यवस्था का प्रारूप पूज्य संतों ने कई वर्षों के चिंतन मनन व चर्चा के बाद निर्धारित किया है।

करोड़ों की सरकारी जमीन मामले में फरार चल रहे 50-50 हजार के दो इनामी गिरफ्तार

कानपुर, (हि.स.)। नजूल की बेशकीमती भूमि पर अवैध कब्जा मामले में फरार चल रहे 50–50 हजार रुपये के दो इनामी अपराधियों को अपराध शाखा कानपुर नगर के स्वाट टीम ने शनिवार को गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ कोतवाली थाने में इस संबंध में मुकदमा दर्ज था, जिसके बाद से फरार थे। सहायक पुलिस आयुक्त अपराध मो. मोहसिन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में सिविल लाइंस कोतवाली थाना क्षेत्र के निवासी जितेश झा और फीलखाना थाना क्षेत्र के नवाब साहब का हाता पटकापुर का रहने वाला अली अब्बास है। जो वर्तमान में लाल बंगला 321 लोहा मील कंपाउंड में रह रहा है। दोनों के खिलाफ कोतवाली थाना में सरकारी संपत्ति को अपूरणीय क्षति पहुंचाने व आम जनमानस में छवि धूमिल करने के संबंध में विभिन्न धाराओं में दो मुकदमें दर्ज थे। इसमें नजूल की लगभग एक करोड़ से अधिक की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश का आरोप है। मुकदमा दर्ज होने के बाद से पुलिस लगातार इनकी तलाश में थी। इन पर इनाम भी घोषित था। दोनों पर विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

सीबीआई ने कोलियरी प्रबंधक और हाजरी बाबू को रिश्वत लेते दबोचा

धनबाद, (हि.स.)। निरसा के इसीएल मुगमा क्षेत्र के श्यामपुर बी कोलियरी के प्रबंधक प्रवीण कुमार मिश्रा एवं हजारी बाबू गौर रवानी को बीस हजार रुपए रिश्वत लेने के मामले शुक्रवार की देर रात सीबीआई की टीम ने प्रबंधक के आवास से गिरफ्तार किया है। सीबीआई की टीम ने हिरासत में लिए गए दोनों व्यक्तियों से मुगमा स्थित ईसीएल के गेस्ट हाउस में अहले सुबह तक पूछताछ करती रही। इस दौरान पुलिस टीम को प्रबंधक के आवास पर तैनात किया गया था। बताया जाता है कि हरियाजाम कोलियरी से स्थानांतरित होकर श्यामपुर बी कोलियरी आए मो. सलीम से कोलयरी प्रबंधक परवीन कुमार मिश्रा और हाजरी बाबू गौर रवानी मैगजीन कलर्क के पद पर पदस्थापित करने के एवज में उनसे 20 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर रहे थे। जिसकी शिकायत सलीम ने सीबीआई से की थी। मामले के सत्यापन के बाद सीबीआई की टीम ने जाल बिछाकर प्रबंधक आवास के समीप हजारी बाबू गौर रवानी को 20 हजार रुपये लेते गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद कोलयरी प्रबंधक परवीन कुमार मिश्रा से भी लंबे पूछताछ के बाद सीबीआई की टीम ने दोनों को लेकर धनबाद सीबीआई कार्यालय के लिए रवाना हो गई।

कोसी नदी के संभावित बाढ़ की सूचना वाले इलाकों में अभियंताओं ने किया कैंप

मधुबनी, (हि.स.)। बिहार के मधुबनी में शनिवार करीब एक बजे रात रात्रि में कोसी नदी के संभावित बाढ की सूचना वाले इलाकों में अभियंताओं ने कैंप किया। डीएम ने अभियंत्रण विभाग को सचेत रहकर मुस्तैदी का निर्देश दिया। कोसी बेसिन के इलाकों में भारी बारिश, जलस्तर में तेजी से हो रही बढ़ोतरी की सूचना पर अरविन्द कुमार वर्मा ने रेड एलर्ट किया। जिला प्रशासन द्वारा कोसी बेसिन के आसपास बसे निजी घर बनाकर रह रहे निवासियों को सचेत किया गया। प्रशासनिक सूत्रानुसार किसी भी आपदा स्थिति में जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 06276-222576 या आपदा प्रबंधन के हेल्पलाइन नंबरः 0612-2294204 व टोल फ्री नंबर 1070 पर तत्काल संपर्क करने का निर्देश सार्वजनिक की गई। डीपीआरओ परिमल बाबू हि.स से बातचीत में बताया कि डीएम के सख्त निर्देश पर कोसी विभागीय अभियंत्रण विभाग को रतजग्गा कर नदी के आसपास कैंप करने का निर्देश है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा फ्लैश फ्लड की चेतावनी व पूवार्नुमान के उपरांत जिला प्रशासन पूरी तरह से व्यवस्थित इन्तजाम के साथ अलर्ट मोड में बताया। डीएम अरविंद कुमार वर्मा के निर्देश के आलोक में सभी संबंधित अअधिकारी व अभियंता तटबंधों की लगातार निगरानी कर रहे हैं। डीपीआरओ के मुताबिक अभियंत्रण विभाग स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। कोसी बेसिन के इलाकों में भारी बारिश होने से जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी होने की खबर है। जिला प्रशासन द्वारा जिले के संभावित बाढ़ग्रस्त क्षेत्रो के आसपास बसे निवासियों को सचेत किया जा रहा है। कोसी परियोजना के अभियंत्रण विभाग कैंप कर रहा।

गो-संरक्षण : योगी सरकार ने 27 हजार हेक्टेयर से अधिक गोचर भूमि को कराया कब्जा मुक्त

- उप्र में कुल 27688.75 हेक्टेयर गोचर भूमि को किया गया कब्जा मुक्त

- अयोध्या, आगरा, बाराबंकी समेत 12 जनपदों में 100 प्रतिशत गोचर भूमि हुई कब्जामुक्त

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में गो-संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए योगी सरकार ने हजारों हेक्टेयर गोचर भूमि को अवैध कब्जाधारियों से मुक्त करा लिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश के बाद राजस्व विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर अवैध कब्जाधारियों से कुल 27 हजार हेक्टेयर से अधिक गोचर भूमि को कब्जा मुक्त कराया गया है। इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश के 12 जिलों में 100 फीसदी गोचर भूमि अब कब्जामुक्त हो चुकी हैं। वहीं अन्य जिलों में भी तेजी से अभियान को आगे बढ़ाने के निर्देश मुख्यमंत्री की ओर से दिये गये हैं। सबसे अधिक अयोध्या में 2 हजार हेक्टेयर से अधिक भूमि पर अवैध कब्जाधारियों ने अतिक्रमण कर रखा था, जिसे मुक्त कराया गया है। राजस्व विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार अयोध्या के अलावा आगरा, फिरोजाबाद, कासगंज, बाराबंकी, संत कबीर नगर, सिद्धार्थनगर, चित्रकूट, श्रावस्ती, रामपुर, गाजीपुर और वाराणसी में 27 हजार 688 हेक्टेयर से अधिक भूमि को कब्जामुक्त कराया गया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने जिलों के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्रामवार गोचर भूमि की सूची तैयार की जाए। बारिश के उपरांत गोचर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करने का व्यापक अभियान चलाया जाये। अतिक्रमण से मुक्त होने के उपरांत भूमि को पशुपालन विभाग द्वारा उपयोग में लिया जाए।

मुख्यमंत्री योगी ने यह भी निर्देश दिये हैं कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में निराश्रित गोवंश का वास्तविक आंकलन करें और गो-आश्रय स्थलों में अतिरिक्त शेड का निर्माण करें। गोआश्रय स्थलों की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था हो, कहीं पर भी कीचड़ और जल भराव की स्थिति उत्पन्न न हो। सभी आश्रय स्थलों में भूसा, हरा चारा, पानी आदि की समुचित व्यवस्था होनी चाहिये। मृत गोवंश को ससम्मान एवं ठीक विधि से दफनाने की व्यवस्था हो।

एक अक्टूबर से होगी धान की खरीद, जिले को मिला 500 मीट्रिक टन का लक्ष्य

जालौन, (हि.स.)। समर्थन मूल्य योजना के अन्तर्गत खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में जनपद में धान, ज्वार एवं बाजरा खरीद हेतु जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने बिन्दुवार क्रय नीति के अनुसार धान,ज्वार व बाजरा खरीद के संबंध में कहा कि जनपद में धान,ज्वार व बाजरा का क्रय 1 अक्टूबर 2024 से प्रारम्भ होगा। जनपद में धान के 4, ज्वार के 10 तथा बाजरा के 10 क्रय केन्द्र स्थापित किये गये हैं। जनपद हेतु धान का क्रय लक्ष्य 500 मी०टन शासन द्वारा निर्धारित किया गया है। क्रय केन्द्रों पर धान , ज्वार व बाजरा के कय हेतु समस्त व्यवस्थाएं पूर्ण हैं। आवक होने पर नियमानुसार धान,ज्वार व बाजरा का क्रय किया जायेगा। जिला कृषि अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जालीन, प्रबन्धक भारतीय खाद्य निगम उरई, वरिष्ठ निरीक्षक, विधिक बाँट मोंप विज्ञान, जालौन एवं समस्त मण्डी सचिव द्वारा अपने विभाग से सम्बन्धित बिन्दुओं से अवगत कराया गया। अपरजिलाधिकारी / जिला खरीद अधिकारी संजय कुमार ने कृषकों को खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य योजना के अन्तर्गत धान,ज्वार व बाजरा विक्रय करने के लिएसभी मण्डी सचिव को व्यापक प्रचार-प्रसार कराने तथा किसानों से क्रय किये जाने वाले धान,ज्वार व बाजरा का वर्षा आदि से सुरक्षित रखने हेतु क्रेटस एवं तिरपाल की व्यवस्था कराने के निर्देश दिये गये।

लोकसभा चुनाव के पहले से मिल रही थी धमकियां, अब बेटे का भी नाम लेकर डराया : राजीव राय

- सपा नेता रविदास मल्होत्रा ने कहा, संसद को दी जाए सुरक्षा

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद राजीव राय, आरके चौधरी, विधायक रविदास मेहरोत्रा और अरमान खान ने संयुक्त रूप से शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने खुद को धमकी मिलने के मामले में पुलिस पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि वह जब लोकसभा का चुनाव लड़ रहे थे, तब भी पुलिस कार्रवाई में सहयोग नहीं कर रही थी। जिसके चलते अभी तक उन्हें धमकियां मिल रही हैं और उन्हें और पारिवारिकजनों को जान का खतरा बना हुआ है। लखनऊ में पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए समाजवादी पार्टी के घोसी सीट से सांसद राजीव राय ने कहा कि मुझे चुनाव (लोकसभा) के पहले से धमकी आती रही हैं। कई बार मेरा पीछा किया गया, जिसकी जानकारी एसएसपी को दी। एसएसपी द्वारा मुझे ही अनाप-सनाप बताया गया। बीती 20 सितम्बर का वाक्या बताते हुए सपा सांसद ने कहा कि 10 बजकर 11 मिनट पर मुझे पाकिस्तान की नम्बर से कॉल आई। कॉल करने वाले कहीं न कहीं भारत का था, भले नम्बर पाकिस्तान का हो। इस बार उसने अपना नाम विजय बताया। इस बार उसने मेरे बेटे का नाम भी ले लिया। इस मामले में पुलिस मेरा सहयोग नहीं कर रही है। पुलिस को इस मामले में गहनता से जांच करते हुए धमकी देने वाले शख्स को पकड़ना चाहिए। इस मामले में रविदास मेहरोत्रा ने कहा कि एक सांसद को धमकी मिलने के मामले को पुलिस ने गंभीरता से नहीं लिया, जबकि उन्हें काफी समय से धमकी मिल रही थीं। काफी परेशानी के बाद सांसद को धमकी मिलने के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया, लेकिन कार्रवाई अभी भी शून्य है। अगर सांसद को ऐसे में कुछ हो जाता है तो जवाबदेही सरकार और पुलिस की होगी। सपा नेता ने कहा कि संसद को मामले को देखते हुए सुरक्षा उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री से पंजाबी हिंदू बिरादरी के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शनिवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में पंजाबी हिंदू बिरादरी के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल ने 12 अक्टूबर को रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित "रावण दहण" कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने अवगत कराया कि पंजाबी हिंदू बिरादरी ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी "रावण दहण" कार्यक्रम धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया है। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को सपरिवार इस कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए आग्रह किया। मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में भव्य आतिशबाजी, स्थानीय लोक कलाकारों के साथ उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध कलाकार, पायरो फायर बॉक्स मुंबई और कोलकाता की टीम द्वारा प्रदर्शन, श्री राम जी की जीवंत मूर्ति, रावण वध की जीवंत झांकी इत्यादि सहित मनमोहक संस्कृति कार्यक्रम की प्रस्तुति भी की जाएंगी, जो दर्शकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र होंगे। मुख्यमंत्री ने पंजाबी हिंदू बिरादरी के सदस्यों को शुभकामनाएं दी। प्रतिनिधिमंडल में पंजाबी हिंदू बिरादरी के अध्यक्ष सुधीर उग्गल और दशहरा कमेटी के अध्यक्ष कुणाल अजमानी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

हेमंत सरकार ने आंगनवाड़ी सेविका-सहायिका को धोखा दिया : जेपी पांडेय

रांची, (हि.स.)। झारखंड प्रदेश समाज कल्याण आंगनवाड़ी कर्मचारी संघ के संयोजक जय प्रकाश पाण्डेय ने कहा है कि हेमंत सरकार ने आंगनवाड़ी सेविका- सहायिका को धोखा दिया है। हेमंत सरकार के 27 सितंबर को हुई कैबिनेट की बैठक में आंगनवाड़ी सेविका-सहायिका के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है। उन्होंने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि 23 सितंबर को आंगनवाड़ी सेविका-सहायिका के रैली में गिरिडीह के विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने आंगनवाड़ी सेविका-सहायिका को संबोधित करते हुए कहा था की 27 अक्तूबर के कैबिनेट के बैठक में आप लोगों को खुशखबरी मिल जाएगी। लेकिन कैबिनेट में ऐसा कुछ भी निर्णय नहीं हुआ। इस पर संगठन में भारी आक्रोश व्याप्त है और आने वाले विधान सभा चुनाव में सबक सिखाने की तैयारी हो रही है साथ ही पांच अक्टूबर से संपूर्ण राज्य के लगभग 80 हजार सेविका-सहायिका अपने आंगनवाड़ी केन्द्रों को बंद करने का निर्णय ले लिया है। जब तक वेतनमान नहीं तब तक आंगनवाड़ी केंद्र नहीं। सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों की सेविका- सहायिकाएं 05 अक्तूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चली जायेगी। जब तक उनके 08 सूत्री मांगों को सरकार पूरी नही कर देती। सभी जिलाध्यक्ष अपने जिले में बैठक कर 05 अक्तूबर से बंदी का एलान करे और केंद्रों को नियमित जांच भी करे की कोई भी केंद्र खुला नहीं रहना चाहिए। इस एलान में समाज कल्याण आंगनवाड़ी कर्मचारी संघ के महामंत्री अशोक नयन,प्रदेश अध्यक्ष देवांति देवी,प्रयाग यादव,सुंदरी तिर्की,रेखा कुमारी,रीना देवी,अनिता विरुआ,माला देवी,लीना सिन्हा, पुष्पा देवी,सीता तिग्गा,के डी सिंह,सुशील कुमार पांडेय और महेश सोरेन के संयुक्त निर्णय से किया गया है।

भारत के हिंदुओं पर किसी कीमत पर अत्याचार नहीं होने देंगे : धीरेंद्र शास्त्री

पटना, (हि.स.)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा है कि कब तक हम दूसरों के भरोसे रहेंगे और दूसरों की दृष्टि से देखेंगे। भारत के हिंदुओं पर किसी भी कीमत पर अत्याचार नहीं होने देंगे। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री तीन दिवसीय बिहार दौरे पर हैं। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि 21 नवंबर से 29 नवंबर तक सम्पूर्ण भारत को एकजुट करने, ऊंच-नीच, छुआछूत मिटाने के लिए, सनातनी को एकजुट करने के लिए प्रण लिया है। घर-घर बागेश्वर बाबा बनाएंगे। 160 किलोमीटर पदयात्रा करेंगे। वह शुकवार रात बिहार के गया पहुंचे। पितृपक्ष मेला के दौरान वह अगले तीन दिनों तक प्रवास करेंगे। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि भारत में सबसे ज्यादा जहर है जात-पात, ऊंच-नीच और छुआछूत का है। भारत में शांति और क्रांति की आवश्यकता है। हम पद यात्रा करके सनातनी लोगों को एकजुट करके धर्म विरोधियों के मुंह पर तमाचा मारेंगे। उन्होंने कहा कि हमें कोई नेता न बाबा बनना है। हमें भारत के हिंदू बहन बेटियों पर कोई अत्याचार ना करे ऐसा काम करना है। उन्होंने कहा कि जो हिंदुओं का हाल बांग्लादेश में हुआ वह भारत में नहीं हो। धीरेंद्र शास्त्री तीन दिनों के गया प्रवास के दौरान विशेष भक्तों को पिंडदान कराएंगे तथा भागवत कथा करेंगे। गया जिला प्रशासन ने सुरक्षा को लेकर कड़े इंतेजाम किए हैं। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री शुक्रवार से लेकर 30 अक्टूबर तक बोधगया के प्रवास पर रहेंगे।

एसपी ने पुलिस गश्ती के नाम पर मटरगश्ती करने वाले अधिकारियो पर की कारवाई

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। एसपी स्वर्ण प्रभात ने ससमय गश्ती पर नहीं निकल कर मटरगश्ती करने वाले पुलिस पदाधिकारियो पर बड़ी कारवाई करते हुए उनके वेतन को स्थगित किया है। साथ ही गश्ती में बिलंब करने वाले थानेदारो से स्पष्टीकरण की भी मांग की है। उक्त कारवाई एसपी ने सभी थानों की गश्ती गाड़ी में लगे जीपीएस सिस्टम के अवलोकन के उपरांत किया है। शनिवार को जिला पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार जीपीएस जांच में एक दर्जन थाना पुलिस की गाड़ी गश्ती पर एक से डेढ़ घंटा लेट से निकलते और वापस होते पाया गया है। एसपी द्वारा किये गए उक्त कार्रवाई के बाद जिला पुलिस महकमा में हड़कंप मचा हुआ है। उल्लेखनीय है, कि एसपी ने प्रातः, दिवा व संध्या गश्ती में लापरवाही को लेकर नगर थाना, हरसिद्धि, रघुनाथपुर, आदापुर, महुअवा नकरदेई, ढाका, पहाड़पुर, फेनहारा, छतौनी थाना के थानेदार से शो कॉज किया है। एसपी की जांच में प्रातः गश्ती में नगर थाना 30 मिनट, हरसिद्धि थाना आधा घंटा,दिवा गस्ती में रघुनाथपुर 1.50 घंटा, आदापुर 50 मिनट, महुआवा 35 मिनट,नकरदेई 25 मिनट,ढाका 35 मिनट व पहाड़पुर 50 मिनट लेट से गस्ती निकलते पाया गया है।वही संध्या गस्ती में आदापुर 40 मिनट व फेनहारा 1.5 घंटा देरी से गश्ती निकाला गया। वही रात्रि गस्ती में हरसिद्धि 4 घंटा, आदापुर 55 मिनट लेट से गश्ती निकाला गया है।वही दिवा गश्ती से छतौनी थाना की गश्ती गाड़ी 40 मिनट पहले ही वापस हो गयी। वही संध्या में नगर थाना 50 मिनट, आदापुर 50 मिनट व महुआवा एक घंटा पहले ही गश्ती से वापस होते पाया गया है। जबकि रात्रि गश्ती में पहाड़पुर थाना एक घंटा व ढाका थाना 4.5 घंटा पहले ही गश्ती से वापस होते पाये गये है। जिसका अवलोकन करने के बाद एसपी स्वर्ण प्रभात ने इसे पुलिस की बड़ी चूक और कर्त्तव्यहीनता मानते हुए सभी पुलिसकर्मियो का वेतन स्थगित कर दिया है।साथ ही संदर्भित थानेदारो से स्पष्टीकरण की मांग की है।

बीएसई और एनएसई ने ट्रांजेक्शन फीस स्ट्रक्चर में किया बदलाव, 1 अक्टूबर से लागू होगी नई व्यवस्था

नई दिल्ली।
मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के निर्देश के अनुसार बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने कैश तथा फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) ट्रेडिंग के लिए ट्रांजेक्शन फीस में बदलाव करने का ऐलान किया है। ट्रांजेक्शन फीस की नई दरें 1 अक्टूबर से लागू हो जाएंगी। सेबी ने एक सर्कुलर जारी करके शेयर बाजार समेत मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस (एमआईआई) के सभी सदस्यों के लिए एक समान फीस स्ट्रक्चर को अनिवार्य कर दिया है। दरअसल, जुलाई के महीने में ही सेबी ने एक सर्कुलर जारी करके मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस (एमआईआई) की ओर से लगाए जाने वाले ट्रांजेक्शन चार्ज के संबंध में निर्देश जारी किया था कि एमआईआई के पास सभी सदस्यों के लिए एक समान फीस स्ट्रक्चर होना चाहिए। ये फीस स्ट्रक्चर मौजूद वॉल्यूम बेस्ड स्लैब सिस्टम को रिप्लेस करेगा। सेबी के सर्कुलर में ये भी साफ किया गया था कि ट्रेडिंग मेंबर्स की ओर से अपने क्लाइंट्स से वसूले जाने वाले चार्जेज और मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस को ट्रेडिंग मेंबर्स द्वारा दिए जाने वाले चार्जेज में परस्पर समानता होनी चाहिए, ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। सेबी के निर्देश के अनुरूप ही बीएसई और एनएसई ने अलग-अलग सर्कुलर जारी करके ट्रांजेक्शन फीस में होने वाले बदलाव की जानकारी दी है। बीएसई के सर्कुलर के मुताबिक इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में सेंसेक्स और बैंकेक्स ऑप्शंस कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए ट्रांजेक्शन फीस को रिवाइज करके 3,250 रुपये प्रति करोड़ प्रीमियम टर्नओवर कर दिया गया है। हालांकि सर्कुलर में स्पष्ट किया गया है कि इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में दूसरे कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए ट्रांजेक्शन चार्ज में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

भारत और भूटान ने बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने का निर्णय लिया

नई दिल्ली। भारत और भूटान ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कुछ सीमा पार बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास में तेजी लाने के लिए चर्चा की। इनमें अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक एकीकृत जांच चौकी की स्थापना का मुद्दा भी शामिल रहा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल और भूटान के उद्योग, वाणिज्य एवं रोजगार मंत्रालय (एमओआईसीई) के सचिव दाशो ताशी वांगमो के बीच थिम्पू में हाल ही में हुई बैठक में इन मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने बैठक की सह-अध्यक्षता करते हुए सीमापार और संपर्क के बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने का निर्णय लिया। इसमें जयगांव-फुंटशोलिंग में एक एकीकृत जांच चौकी की स्थापना और कोकराझार-गेलेफू और बानरहाट-समात्से के बीच रेल संपर्क शामिल है। बयान के अनुसार दोनों सचिवों ने भूटान से भारत में कबाड़ के आयात के लिए एलसीएस (भूमि सीमा शुल्क स्टेशन) जयगांव की अधिसूचना, भारत-भूटान सीमा पर सीमा हाट की स्थापना, व्यापारियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने और भूटान से भारत में बोल्डर के आयात पर विचार-विमर्श किया। इसके अलावा भूटान से भारत में आयात के लिए लकड़ी की तीन अतिरिक्त किस्मों को शामिल करने पर भी चर्चा हुई। साथ ही मार्च 2024 में हस्ताक्षरित भूटान खाद्य एवं औषधि प्राधिकरण (बीएफडीए) द्वारा प्रयोग किए जाने वाले आधिकारिक नियंत्रण को भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा मान्यता देने के लिए समझौते के शीघ्र परिचालन पर विचार-विमर्श किया गया।

सीडीएससीओ द्वारा एकत्र नमूने नकली, अल्केम द्वारा निर्मित नहीं: अल्केम लैबोरेटरीज

ALKEM
Alkem Laboratories

नई दिल्ली। मुंबई की दवा कंपनी अल्केम लैबोरेटरीज ने उन दावों का खंडन किया जिसमें कहा गया था कि उसके उत्पाद पैन डी और क्लैवम 625 केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की जांच में विफल रहे हैं। कंपनी ने बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) को नियामकीय फाइलिंग में यह जानकारी दी है। कंपनी ने मूल्यांकन रिपोर्ट के साथ सीडीएससीओ को एक जवाब भी भेजा है, जिसमें पुष्टि की गई है कि सीडीएससीओ द्वारा एकत्र किए गए नमूने नकली हैं और अल्केम द्वारा निर्मित नहीं हैं। कंपनी का खंडन सीडीएससीओ द्वारा इस साल अगस्त में पैन-डी और क्लैवम 625 के एक-एक बैच सहित 50 से अधिक दवाओं को मानक गुणवत्ता (एनएसक्यू) के अनुरूप नहीं पाए जाने के बाद आया है। पैन-डी प्रिस्क्रिप्शन दवा है जो एसिड रिफ्लक्स, अपच और गैस की शिकायत होने पर मरीज को दी जाती है और क्लैवम 625 एक एंटीबायोटिक है, जो फेफड़ों, कान, नेजल साइनस, यूरिनरी ट्रैक्ट, त्वचा और सॉफ्ट टिश्यू के जीवाणु संक्रमण के उपचार के लिए किया जाता है। आंतरिक जांच के आधार पर कंपनी ने कहा कि केंद्रीय औषधि नियामक ने जांचे के लिए जो नमूने लिए थे वे नकली थे और हमारा द्वारा निर्मित नहीं थे। इस खंडन के साथ अहमदाबाद की टॉरंट फार्मा के बाद अल्केम दूसरी ऐसी कंपनी बन गई है जिसने सीडीएससीओ द्वारा परीक्षण किए गए नमूनों को नकली बताते हुए अपनी दवाओं के गुणवत्ता परीक्षण में विफल होने के दावों का खंडन किया।

सिस्को ने चेन्नई में अपना पहला मैन्युफैक्चरिंग प्लांट शुरू किया, इस परियोजना से तमिलनाडु में 1,200 नौकरियां मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली । भारत में अपनी उत्पादन क्षमता में विस्तार करने के लिए सिस्को ने चेन्नई में अपने पहले मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की शुरुआत कर दी है। इससे सिस्को का लक्ष्य सालाना 1.3 अरब डॉलर से ज्यादा का उत्पादन करना है, जिससे निर्यात और घरेलू उत्पादन दोनों बढेगा। इस परियोजना से तमिलनाडु में 1,200 नौकरियों का सृजन होने की उम्मीद है। सिस्को ने इस प्लांट को स्थापित करने के लिए फ्लेक्स के साथ साझेदारी की है। इस यूनिट में शुरू में सिस्को के नेटवर्क कन्वर्जेंस सिस्टम (एनसीएस) 540 सीरीज राउटर्स पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कंपनी ने साइट पर उन्नत राउटिंग और स्विचिंग उत्पादों का उत्पादन करने की योजना बनाई है ताकि बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। सिस्को ने कहा कि यह अत्याधुनिक प्लांट भारत और दुनिया भर में संगठनों की तेजी से बढ़ती प्रौद्योगिकी जरूरतों को पूरा करने के लिए सिस्को के बेहतरीन राउटिंग और स्विचिंग उत्पादों की एक सीरीज का उत्पादन करेगी।

गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात से प्रतिबंध हटा चावल की दूसरी किस्मों की एक्सपोर्ट ड्यूटी घटाई गई

नई दिल्ली।
केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। इसके साथ ही उसना चावल (बॉयल्ड राइस) पर एक्सपोर्ट ड्यूटी में बदलाव कर इसे आधा कर दिया गया है। पहले बॉयल्ड राइस पर 20 प्रतिशत एक्सपोर्ट ड्यूटी लगती थी, जिसे घटा कर 10 प्रतिशत कर दिया गया है।

इस संबंध में सरकार की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक ब्राउन राइस पर भी एक्सपोर्ट ड्यूटी घटकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी तरह व्हाइट राइस पर लगने वाली एक्सपोर्ट ड्यूटी शून्य कर दी गई है। ड्यूटी में हुई ये कटौती तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। बताया जा रहा है कि फिलहाल देश में अनाज का भंडार पर्याप्त मात्रा में मौजूद है। इसके साथ ही किसानों ने नई फसल की कटाई भी शुरू कर दी है। आने वाले हफ्तों में ये कटाई और तेज होगी। जिससे देश में अनाज के भंडारण में कमी होने या अनाज की उपलब्धता घटने की आशंका खत्म हो जाएगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल देश में भरपूर मानसूनी बारिश होने की वजह से किसानों ने 41.35 मिलियन हेक्टर खेत में चावल की फसल लगाई है, जबकि पिछले साल देश में 40.45 मिलियन हेक्टर खेत में चावल की खेती हुई थी। इस वजह से भी नए सीजन में चावल के उत्पादन में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। ऐसे में एक्सपोर्ट ड्यूटी में कमी लाने या एक्सपोर्ट पर प्रतिबंध जारी रखने का अब कोई औचित्य नहीं रह गया है। इसके पहले पिछले साल केंद्र सरकार ने बॉयल्ड राइस के निर्यात पर 20 प्रतिशत की ड्यूटी लगाई थी, क्योंकि उसके पहले के सीजन में सामान्य से कम

बारिश होने की वजह से चावल की फसल प्रभावित हुई थी। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने पिछले साल जुलाई में चावल की घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए और चावल की कीमत को नियंत्रण में रखने के लिए गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन अब एक्सपोर्ट ड्यूटी में कमी होने से भारत से निर्यात किए जाने वाले चावल के निर्यात मूल्य में कमी आएगी। साथ ही शिपमेंट में भी तेजी आएगी। गैर बासमती सफेद चावल के एक्सपोर्ट पर लगे प्रतिबंध और चावल की अन्य किस्मों पर लगने वाली एक्सपोर्ट ड्यूटी में की गई कमी का राइस एक्सपोर्टर्स ने स्वागत किया है। मून राइस एक्सपोर्ट्स के सीईओ नरेश गुप्ता का कहना है कि निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटाने का फैसला कृषि क्षेत्र को मजबूती देगा और इससे किसानों की आय में भी बढ़ोतरी होगी।

हालांकि कुछ जानकारों का कहना है की गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात से प्रतिबंध हटाने का सीधा असर परमल धान की कीमत पर होगा। चावल के निर्यात पर लगे प्रतिबंध के समाप्त होने के बाद बाजार में तेजी आने की संभावना है। बाजार में धान की मांग तुलनात्मक तौर पर और अधिक बढ़ेगी, जिससे सरकारी खरीद शुरू होने के पहले भी किसानों को अपनी उपज के एवज में ज्यादा कीमत मिल सकेगी।

जीएसटी के दायरे में आएंगे पेट्रोल - डीजल, 20 रुपए होगा सस्ता: पुरी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने हाल ही में पेट्रोल और डीजल को वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाने की संभावना पर चर्चा की। पुरी ने कहा कि यह कदम देश की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने के लिए जरूरी है और इसके लिए आम सहमति बनानी होगी। अगर ऐसा होता है तो पेट्रोल और डीजल की कीमत में 20 रुपए लीटर तक की कमी देखने को मिल सकती है। पुरी ने पुणे इंटरनेशनल सेंटर के 14वें स्थापना दिवस पर एक व्याख्यान में कहा कि वह लंबे समय से इस मुद्दे का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी वरिष्ठ सहयोगी, वित्त मंत्री, ने भी इस दिशा में सकारात्मक बातें की हैं। मंत्री ने कहा कि पेट्रोल और डीजल राज्यों के लिए महत्वपूर्ण राजस्व स्रोत हैं और इसलिए सभी राज्यों की सहमति आवश्यक होगी। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने के लिए ईंधन की खोज और उत्पादन को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने यह भविष्यवाणी की कि अगले दो दशकों में भारत दुनिया की कुल ऊर्जा खपत में 25 प्रतिशत का योगदान देगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पेट्रोल और डीजल राज्यों के लिए महत्वपूर्ण राजस्व स्रोत हैं। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी राज्यों की सहमति की आवश्यकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि सभी राज्यों का इसमें शामिल होना कठिन है, क्योंकि शराब और ऊर्जा जैसे उत्पादों पर राज्य करों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। पुरी ने केरल हाईकोर्ट के उस सुझाव का भी उल्लेख किया, जिसमें जीएसटी परिषद में इस मुद्दे पर चर्चा करने की बात कही गई थी। लेकिन केरल के वित्त मंत्री ने इससे असहमति जताई, क्योंकि गैर-भाजपा शासित राज्य पेट्रोल और डीजल पर लगने वाला अतिरिक्त वैट छोड़ने को तैयार नहीं हैं। इस स्थिति में, पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने के लिए सहमति स्थापित करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा, लेकिन यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

इस साल आईपीओ बाजार रहेगा तेज, दिसंबर तक 1 लाख करोड़ जुटा सकती हैं कंपनियां

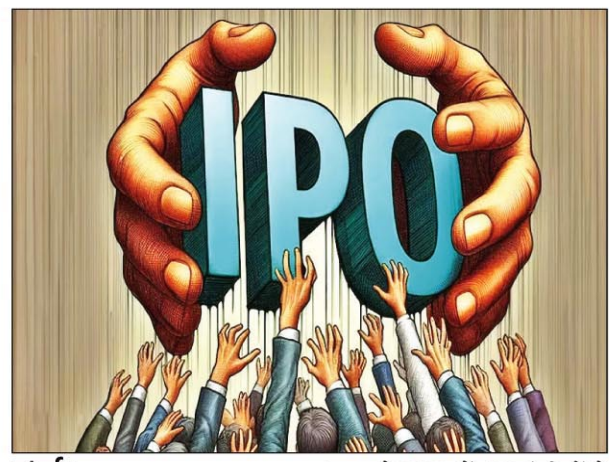

मुंबई।
इस साल का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार में भी शेयर बाजार की तरह तेजी बनी रहने का अनुमान है। बताया जा रहा है कि कंपनियां दिसंबर तक एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा जुटा सकती हैं। इससे पहले 2021 में 63 आईपीओ के जरिए 1.20 लाख करोड़ रुपए जुटाने का रिकॉर्ड बनाया था। इस साल के अंत तक कई बड़ी कंपनियां आईपीओ लेकर आ रही हैं।

एक्सचेंजों के आंकड़ों के अनुसार इस साल अब तक कुल 62 आईपीओ आए हैं, जिन्होंने 64,513 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इसके मुकाबले 2023 में 57 कंपनियों ने 49,437 करोड़ और 2022 में 40 कंपनियों ने 59,939 करोड़ रुपए जुटाए थे। सितंबर में 10 आईपीओ के जरिये 11,826 करोड़ रुपए जुटाए गए हैं, और दो और कंपनियां 500 करोड़ रुपए जुटाने के लिए बाजार में उतरने वाली हैं। इस साल के अंत तक कई बड़ी कंपनियां आईपीओ लेकर आ रही हैं, जिससे बाजार और गर्म हो सकता है। ह्युंडई मोटर 25,000 करोड़ रुपए के सबसे बड़े इश्यू के साथ अक्टूबर के अंत या नवंबर के पहले सप्ताह में आ सकती है। स्विगी 11,000 करोड़ रुपए के आईपीओ के साथ नवंबर में बाजार में उतरने की तैयारी में है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी 10,000 करोड़ रुपए और अफकॉन्स इन्फ्रा 8,400 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही हैं। ये चार कंपनियां मिलकर 54,000 करोड़ रुपए जुटा सकती हैं। इसके अलावा वॉरी एनर्जी 3,000 करोड़ और वन मोबिक्विक 700 करोड़ रुपए जुटाने के लिए अक्टूबर में बाजार में आएंगे।

स्टर्लिंग विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी के प्रवर्तकों ने हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली।
स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी के प्रवर्तकों शापूरजी पालोनजी और खुर्शीद यजदी दारूवाला ने खुले बाजार में लेनदेन के जरिए कंपनी में 7.14 फीसदी हिस्सेदारी 1,040 करोड़ रुपये में बेच दी। एनएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार शापूरजी पालोनजी एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड ने स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी (एसडब्ल्यूसोलर) में 1.35 करोड़ शेयर बेचे, जो 5.78 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर हैं।

इसके अलावा खुर्शीद यजदी दारूवाला ने सौर ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) समाधान प्रदाता कंपनी में 31.50 लाख शेयर बेचे। शेयरों का निपटान 623.28-

630.01 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे में किया गया, जिससे संयुक्त सौदे का मूल्य 1,039.88 करोड़ रुपये हो गया। सौदे के बाद एसडब्ल्यूसोलर में शापूरजी पालोनजी एंड कंपनी की हिस्सेदारी 12.73 प्रतिशत से घटकर 6.95 प्रतिशत हो गई है, जबकि दारूवाला की हिस्सेदारी 1.48 प्रतिशत से घटकर 0.13 प्रतिशत हो गई है। इसके अलावा प्रवर्तक और प्रवर्तक समूह की संयुक्त शेयरधारिता 52.91 प्रतिशत से घटकर 45.77 प्रतिशत रह गई है।

सेंसेक्स और निफ्टी में सप्ताह भर जोरदार तेजी रही, सेंसेक्स 85,571 पर और निफ्टी 26,178.95 पर बंद

मुंबई।
घरेलू शेयर बाजार में लगातार आठवें दिन भी तेजी के साथ कारोबार देखा गया। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक बाजार की बेहतर स्थिति और घरेलू स्तर पर निवेश बढ़ने से शेयर बाजार नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने में सफल हो रहे हैं। वहीं रिटेल निवेशकों की बढ़ती हिस्सेदारी से भी शेयर बाजार में तेजी दिखाई दे रही है। शेयर बाजार के सप्ताह भर के कारोबार को देखें तो भारतीय बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सोमवार को हरे निशान पर कारोबार करते दिखे। इस दौरान भारती एयरटेल, एमएंडएम और एचडीएफसी बैंक में छलांग के कारण घरेलू इंडेक्स नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर खुले। बीएसई सेंसेक्स 287 अंक

बढ़कर 84,831 पर खुला और 384.30 अंक उछलकर 84,928.61 अंक पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी50 100 अंक बढ़कर 25,891 पर खुला और 148.10 अंकों की बढ़त के साथ 25,939.05 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन शुरुआती कमजोरी के बाद शेयर बाजार में हरियाली लौट आई है। मंगलवार को सेंसेक्स 66.71 अंकों की बढ़त के साथ 85,004.62 पर खुला और 14.57 अंक फिसलकर 84,914.04 पर बंद हुआ। निफ्टी 18.80 अंक मजबूत होकर 25,957.85 के स्तर पर खुला और 1.36 अंक की बढ़त के साथ 25,940.40 पर बंद हुआ। भारतीय ब्लू-चिप सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगातार चार सत्रों में रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचने के बाद बुधवार को थोड़ा कमजोर दिखे। बीएसई सेंसेक्स 64 अंक की गिरावट के साथ 84,850 पर के स्तर पर खुला और 255.83 अंकों की बढ़त के साथ 85,169.87 पर बंद हुआ। निफ्टी50 30 अंक गिरकर 25,910 के स्तर पर खुला और 63.75 अंक चढ़कर 26,004.15 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 146.65 अंकों की बढ़त के साथ 85,316.52 पर खुला और 86,000 बढ़कर बंद हुआ।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली।
घरेलू सर्राफा बाजार में शनिवार को एक बार फिर तेजी का माहौल बना हुआ है। सोने के भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,610 रुपये से लेकर 77,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,160 रुपये से लेकर 71,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी मजबूती आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 96,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,510 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरू, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मुझे शो का हिस्सा होने पर गर्व है : कृतिका कामरा

मुंबई (ईएमएस)। अपने शो बंबई मेरी जान के एक साल पूरे होने पर अभिनेत्री कृतिका कामरा ने अपनी भावनाएं साझा की हैं। एक्ट्रेस ने शो में हबीबा की भूमिका को बेहद खास बताते हुए कहा, हबीबा उन भूमिक-ाओं में से एक है, जो आपके साथ हमेशा रहती है। मुझे इस तरह की कहानी का हिस्सा होने पर गर्व है। इस शो को कृतिका ने फिर से देखने को अकल्पनीय बताया और इसे एक अविस्मरणीय अनुभव कहा। उन्होंने आगे बताया, शो खत्म होने के बाद मिले प्यार को मैं अभी भी याद करती हूं। यह एक शानदार अनुभव था। कृतिका ने अपनी दूसरी फिल्म हश हश का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने जूही चावला, सोहा अली खान, और शहाना गोस्वामी जैसी सह-कलाकारों के साथ काम किया। उन्होंने कहा, हश हश एक यादगार यात्रा थी। अविश्वसनीय सह-कलाकारों के साथ काम करना और एक ऐसी कहानी का हिस्सा बनना सौभाग्य की बात थी। कृतिका ने कहा कि इन दोनों शो ने उन्हें सशक्त भूमिकाएं प्रदर्शित करने का अद्भुत अवसर दिया। उन्होंने भविष्य में अलग और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाने की इच्छा व्यक्त की। मैंने हमेशा ऐसे किरदारों को चुनने में विश्वास किया है, जो सीमाएं लांघते हैं और गहरी बात कहते हैं, उन्होंने कहा- जल्द ही, कृतिका राष्ट्रीय पु-रस्कार विजेता फिल्म निमार्ता नागराज मंजुले की फिल्म मटका किंग में दिखाई देंगी, जो मुंबई में मटका जुए की जटिल दुनिया को दिखाती है। इस सीरीज में विजय वर्मा मुख्य भूमिका में हैं। कृतिका ने अपने करियर की शुरूआत शो कितनी मोहब्बत है से की थी, जहां उन्होंने आरोही शर्मा का किरदार निभाया। इसके बाद उन्हें कुछ तो लोग कहेंगे, रिपोर्टर्स, और प्रेम या पहेली - चंद्र-कांता जैसे शो में देखा गया। 35 वर्षीय कृतिका ने 2018 में रिलीज हुई फिल्म मित्रों से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की और वह प्रतीक गांधी के साथ फॉर योर आइज ओनली में भी काम कर रही हैं।

संघर्ष और मेहनत से नई पहचान बनाई सपना चौधरी ने

मुंबई (ईएमएस)। हरियाणवी छोरी सपना चौधरी आज जिस पोजीशन पर है उसके लिए उन्होंने काफी संघर्ष और मेहनत की है। दिल्ली के महिपालपुर में 25 सितंबर 1990 को जन्मी सपना की यात्रा आसान नहीं रही। परिवार की आर्थिक तंगी ने उन्हें स्टेज पर हजारों लोगों के सामने नाचने के लिए मजबूर किया, लेकिन इस चुनौती ने उन्हें हरियाणा की सबसे चर्चित डांसर बना दिया। सपना की जिंदगी में संघर्षों की कमी नहीं थी। जब उन्होंने स्टेज शो पर डांस करना शुरू किया, तो कई लोगों ने उन पर भद्दे कमेंट किए। लेकिन सपना ने हार नहीं मानी और अपने पिता से सीखा हुआ संगीत को आगे बढ़ाते हुए अपने करियर की शुरूआत की। 2008 में उनके पिता के निधन ने परिवार को तोड़ कर रख दिया, लेकिन उन्होंने अपनी मां के लिए संघर्ष किया और स्टेज परफॉर्मेंस शुरू की। सपना ने अपने पहले कमाए पैसों से अपने गिरवी रखे घर को छुड़वाया और इस प्रकार अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार किया। उनकी सफलता ने कई और लड़कियों को प्रेरित किया और धीरे-धीरे वह पूरे देश की धड़कन बन गईं। उन्होंने कई भाषाओं में गाने गाए और अपने डांस के माध्यम से लोगों का दिल जीत लिया। सपना चौधरी अब किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। हाल ही में वह कान्स फेस्टिवल में भी नजर आईं और बॉलीवुड, भोजपुरी, और पंजाबी गानों में भी परफॉर्म किया। वह बिग बॉस 11 में भी दिखाई दीं, जहां उन्होंने अपनी पहचान को और मजबूत किया। अपने करियर के पीक समय में, सपना ने हरियाणवी अभिनेता वीर साहू से शादी कर ली। शादी के बाद भी उन्होंने गानों के जरिए अपनी पहचान को बनाए रखा और दर्शकों का प्यार और सम्मान प्राप्त किया। सपना चौधरी के गाने, जैसे गजबन, दरोगा जी, तू चीज लाजवाब, छोरी बिंदास, और तेरी आख्यां का यो काजल, ने उन्हें हरियाणा की एक सुपरस्टार बना दिया है। आज भी उनके गाने शादी पार्टियों में धूम मचाते हैं, और उनके बिना पार्टियां अधूरी लगती हैं।

रश्मि देसाई ने साझा किया देसी गर्ल लुक

मुंबई (ईएमएस)। नवरात्रि के मौके पर अभिनेत्री रश्मि देसाई ने अपने फैंस के साथ अपना खूबसूरत देसी गर्ल लुक सोश मीडिया पर साझा किया है। इंस्टाग्राम पर रश्मि देसाई ने तीन तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें वह गोल्डन पीले रंग के शरारा सूट में नजर आ रही हैं। उन्होंने एक गोल्डन दुपट्टा लिया है, जिसे उन्होंने चोकर, बालों में फूल और हल्के मेकअप के साथ पूरा किया है। रश्मि ने कैमरे के सामने कई शानदार पोज दिए, जो उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहे हैं। रश्मि असम की रहने वाली हैं और मूल रूप से गुजराती हैं। उन्होंने 2002 में असमिया फिल्म कन्यादान से अपने अभिनय करियर की श-ुरूआत की। 38 वर्षीय रश्मि ने 2004 में शाहरुख खान और रवीना टंडन के साथ रोमांटिक मिस्ट्री ये लम्हे जुदाई के से बॉलीवुड में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने भोजपुरी फिल्मों जैसे कब होई गवना हमार, सोहागन बाना दा सजना हमार, नदिया के तीर, और गजब भईल रामा में भी काम किया। रश्मि ने 2006 में पौराणिक शो रावण से टेलीविजन पर अपनी शुरूआत की, जहां उन्होंने रानी मंदोदरी का किरदार निभाया। उन्हें टीवी में पहला ब्रेक 2008 में परी हूं मैं में दोहरी भूमिका निभाकर मिला। रश्मि रियलिटी शो जरा नचके दिखा 2 की विजेता रही हैं और उन्होंने झलक दिखला जा 5, कॉमेडी का महा मुकाबला, फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 6, नच बलिए 7, बिग बॉस 13, और बिग बॉस 15 में भी हिस्सा लिया। उनकी पहचान शो उतरन में तपस्या की भूमिका से बनी, जिसमें उन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया। रश्मि ने फरवरी 2011 में अपने सह-कलाकार नंदीश संधू से शादी की, लेकिन दोनों की शादी 2014 में अलग होने के बाद समाप्त हो गई। 2018 में, रश्मि की मुलाकात अरहान खान से हुई, और दोनों ने 2019 में बिग बॉस के 13वें संस्करण में एक-दूसरे के साथ नजर आए। अरहान ने रश्मि को प्रपोज किया, लेकिन शो के दौरान यह पता चला कि वह पहले से शादीशुदा थे और उनका एक बच्चा भी है। रश्मि और अरहान ने बाद में अलग होने का फैसला किया।

अभिनय से दूर रहने मॉ ने कहा था : मसाबा

हाल ही में फैशन डिजाइनर और अभिनेत्री मसाबा गुप्ता ने अपने अभिनय करियर के बारे में खुलासा किया। मसाबा ने बताया कि उनकी मां अनुभवी अभिनेत्री नीना गुप्ता ने उन्हें इस क्षेत्र में कदम रखने से मना किया था। एक्ट्रेस ने एक पॉडकास्ट में साझा किया कि उनकी मां की चिंता इस बारे में थी कि फिल्म उद्योग उन्हें एक विशेष रूप से सीमित पहचान में कैद कर सकता है। मसाबा ने कहा, मेरी मां ने कहा कि तुम्हें निराशा होगी। उन्होंने मुझे सलाह दी कि मैं कुछ ऐसा करूं, जिसमें मैं अपना दिमाग लगा सकूं और जो मुझे जीवनभर के लिए प्रेरित करे। नीना गुप्ता ने मसाबा को एसएनडीटी विश्वविद्यालय में दाखिला लेने की सलाह दी, और उन्होंने अपनी मां की बात मानते हुए वहाँ प्रवेश परीक्षा दी, जिसमें सफल रही। उन्होंने आगे कहा कि नेपोटिज्म केवल फिल्म उद्योग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर क्षेत्र में मौजूद है। नेपोटिज्म हर उद्योग में है। वकील का बेटा वकील बनता है, डॉक्टर का बेटा डॉक्टर बनता है। यह सिर्फ भारत में नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में है,।

गायक बालासुब्रमण्यम को माता-पिता बनाने चाहते थे इंजीनियर

मुंबई (ईएमएस)। बीते 25 सितंबर को भारत के लेजेंडरी गायक एस. पी. बालासुब्रमण्यम की पुण्यतिथि थी। उनकी सुमधुर आवाज पूरे देश के संगीत प्रेमियों के दिलों में अपनी जगह बना ली। बालासुब्रमण्यम की गायकी ने पहला पहला प्यार है, साथिया तूने क्या किया, देखा है पहली बार जैसे कई हिट गानों को सलमान खान के साथ जोड़ा, जो आज भी लोगों की जुबान पर हैं। एस. पी. बालासुब्रमण्यम का जन्म 4 जून 1946 को आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में हुआ था। उनके पिता हरिकथा कलाकार थे, जिन्होंने अपने बेटे के लिए एक सरकारी इंजीनियर बनने का सपना देखा। लेकिन बालासुब्रमण्यम की रुचि संगीत में थी, और उन्होंने कम उम्र से ही गायकी में कदम रखा। उन्होंने 1966 में तेलुगु फिल्म मयार्दा रमन्ना में अपने गायकी करियर की शुरूआत की और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। बालासुब्रमण्यम ने एक दिन में सबसे अधिक गाने रिकॉर्ड करने का भी रिकॉर्ड बनाया। वह विभिन्न भाषाओं में गाते थे, और उनकी आवाज ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई, विशेषकर तेलुगु फिल्म शंकरभरणम से, जिसके लिए उन्हें पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। हिंदी सिनेमा में भी उनका योगदान अद्वितीय था, जहां उन्होंने सलमान खान के लिए कई गाने गाए, जैसे मैंने प्यार किया, हम आपके हैं कौन, और साजन। उनकी गायकी की प्रशंसा के लिए उन्हें छह बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त हुए। उन्होंने 40,000 से अधिक गाने गाए और दक्षिण भारतीय सिनेमा में चिरंजीवी की आवाज बने। उनके करियर में कई पुरस्कारों के साथ-साथ उन्हें पद्म श्री और पद्म भूषण जैसे सम्मान भी मिले।उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा, और उनकी याद में संगीत प्रेमियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। एस. पी. बालासुब्रमण्यम की विरासत भारतीय संगीत में सदैव जीवित रहेगी। बता दें कि 25 सितंबर 2020 को उनका निधन हुआ, लेकिन उनकी आवाज आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में जीवित है। बालासुब्रमण्यम ने अपने अद्वितीय गायकी से न केवल एक नई पीढ़ी को प्रेरित किया, बल्कि भारतीय संगीत की दुनिया में अपनी अनोखी छाप छोड़ी।

ईशा गुप्ता का फैशन सेंस है काफी चर्चित

बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता का फैशन सेंस भी काफी चर्चित है। उनकी बोल्डनेस कई बड़ी हीरोइनों को भी पीछे छोड़ देती है। हाल ही में, उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी एक नई फोटो शेयर की है, जिसने तहलका मचा दिया है। ईशा गुप्ता इन दिनों फ्लोरिडा में छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने 21 सितंबर को इंस्टाग्राम पर अपनी आउटिंग की फोटो शेयर की है, जिसमें वह बेहद बोल्ड लुक में नजर आ रही हैं। समंदर के किनारे टहलते हुए उन्होंने डीप नेक लैवेंडर रंग की बिकिनी पहनी है और अपने लुक को ग्रे कैप के साथ स्टाइल किया है। वह बेहद हॉट लग रही हैं। उनकी ये तस्वीरें देखकर फैंस उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं। एक यूजर ने उन्हें हॉट तो किसी ने सुपर गॉर्जियस बताया। सोशल मीडिया पर उनकी ये तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। ईशा गुप्ता पिछले दो सालों से फिल्म इंडस्ट्री से दूर रही हैं। उनकी आखिरी रिलीज आश्रम 3 थी, जहां उन्होंने सोनिया का किरदार निभाया था। आगे की फिल्मों की बात करें तो, वह हेरा फेरी 3 और फाइल नंबर 323 में नजर आने वाली हैं।

एनिवर्सरी मनाकर मुंबई लौटे राघव- परिणीति

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने पिछले साल राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के साथ शादी की थी। शादी के बाद से ही परिणीति अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में कपल की शादी को 1 साल हुआ है। इस खास दिन को कपल ने मालदीव में सेलिब्रेट किया। वहीं अब परिणीति पति राघव के साथ मुंबई लौंट आईं हैं। देर रात दोनों को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पाट किया गया।दोनों का कूल लुक कैमरे में कैद हुआ। इस मौके पर परिणीति चोपड़ा ब्लू कलर के श-ॉर्ट्स और ओपन शर्ट सेम कलर की पहने दिखीं। एक्ट्रेस ने अंदर ब्लैक कलर का टॉप पहना और उसी से मैचिंग ब्लैक फ्लैट शूज भी पहने। उन्होंने अपनी आउटफिट से मैच करता हुआ एक बड़ा सा बैग कैरी किया था। बालों को बांधकर सटल मेकअप में एक्ट्रेस बेहद प्यारी लगीं। राघव चड्ढा भी इस मौके पर कूल लुक में दिखे। राघव ने ब्लू शॉर्ट्स के साथ व्हाइट कलर की शर्ट ओपन की और उसके अंदर सेम कलर की टी-शर्ट पहने दिखे। अपनी शर्ट से मैचिंग राघव ने व्हाइट कलर के शूज पहने थे।चेहरे पर ब्लैक फ्रेम का चश्मा राघव चड्ढा पर काफी सूट कर रहा है। इन दोनों ने मुंबई एयरपोर्ट पर जमकर पोज दिए।

अनन्या ने क्यों किया... वॉकर ब्लैंको को नजर अंदाज

अभिनेत्री अनन्या पांडे अपनी प्रोफेशनल से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। पिछले दिनों अनन्या अपनी वेब सीरीज कॉल मी बे को लेकर सुर्खियों में थीं। इस साल की शुरूआत में खबर आई थी कि अनन्या कथित तौर पर अपने प्रेमी आदित्य रॉय कपूर से अलग हो चुकी हैं। तभी से उनके फैंस उनका नाम किसी न किसी के साथ जोड़ रहे हैं। अब अनन्या का नाम मॉडल वॉकर ब्लैंको के साथ जुड़ा है। वॉकर फिलहाल जामनगर में अनंत अंबानी के जानवरों के पुनर्वास को समर्पित प्रोजेक्ट वनतारा में काम कर रहे हैं। पिछले दिनों अनन्या को उनके नाम का लॉकेट भी पहने हुए देखा गया था। अब अनन्या की एक वीडियो ने आग में घी डालने का काम किया है जिससे अफवाह को बल मिला है। अनन्या का एक वायरल वीडियो सामने आया है जिसमें वे एक इवेंट के दौरान कुर्सी पर बैठी दिखी रही हैं। तभी अनन्या को एक कॉल आता है जोकि किसी और का नहीं बल्कि खुद वॉकर का कॉल होता है जिसे अनन्या नजर अंदाज करने की कोशिश करती हैं। फोन पर वॉकर का नंबर उनके नाम से सेव है जिस पर कई सारे इमोजी भी बने हुए हैं।

शहनाज गिल के नए फोटोशूट ने सोशल मीडिया पर लगाई आग

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री शहनाज गिल ने अपने नए फोटोशूट की झलकियों से सोशल मीडिया पर आग लगा दी है। शहनाज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह सफेद ट्यूब शॉर्ट ड्रेस में बेहद आकर्षक और स्टाइलिश नजर आ रही हैं। उनकी खूबसूरत और आत्मविश्वासी छवि ने फैंस को मंत्रमुग्ध कर दिया है। शहनाज के इस लुक को और भी खास बनाया उनके सिल्वर चोकर नेकपीस, चंकी रिंग्स और चूड़ियों ने, जो उनके लुक को कम्पलीट कर रहे थे। तस्वीरों के कैप्शन में शहनाज ने सिर्फ दो लाल दिल वाले इमोजी पोस्ट किए, लेकिन उनका यह सिंपल कैप्शन भी फैंस के दिलों को जीतने में कामयाब रहा। कई फैंस ने कमेंट सेक्शन में लिखा, वह बहुत हॉट हैं, हॉटनेस ओवरलोडेड और खूबसूरत। उनके इस पोस्ट को अभिनेता आयुष्मान खुराना ने भी लाइक किया। शहनाज गिल, जिन्होंने 2015 में म्यूजिक वीडियो शिव दी किताब से अपने मॉडलिंग करियर की शुरूआत की थी, अब मनोरंजन उद्योग में एक जानी-मानी हस्ती बन चुकी हैं। 2017 में पंजाबी फिल्म सत श्री अकाल इंग्लैंड से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत करने वाली शहनाज ने काला शाह काला, हौसला रख, किसी का भाई किसी की जान और हाल ही में थैंक यू फॉर कमिंग जैसी फिल्मों में भी काम किया है। इसके अलावा वह कई म्यूजिक वीडियो में भी नजर आई हैं, जिनमें मार कर गई, शोना शोना और हैबिट जैसे लोकप्रिय गाने शामिल हैं। शहनाज गिल की अपकमिंग फिल्में भी चर्चा में हैं। वह राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी के साथ आगामी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में नजर आएंगी, जिसे राज शांडिल्य ने निर्देशित किया है। यह फिल्म 11 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है। इसके अलावा, शहनाज के पास सब फर्स्ट क्लास नामक एक और फिल्म भी है। शहनाज गिल की खूबसूरती, आत्मविश्वास और स्टाइल ने उन्हें न सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री में, बल्कि फैंस के दिलों में भी एक खास जगह दिलाई है। उनकी नई तस्वीरों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह एक सच्ची फैशन आइकॉन हैं।

पूनम पाण्डे ने लगाया बोल्डनेस का तड़का

हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी कुछ नई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं, जिनमें वह मल्टीकलर ब्रालेट और डेनिम जीन्स पहने हुए नजर आ रही हैं। पूनम का यह बोल्ड अवतार उनके फैंस को काफी पसंद आ रहा है। तस्वीरों में वह दरवाजे के पास खड़ी होकर इंटेंस लुक में पोज दे रही हैं, जिससे उनकी दिलकश अदाएं और भी निखर रही हैं। इस आउटफिट में पूनम ने अपना क्लीवेज भी फ्लॉन्ट किया है, जिसे देखकर उनके फैंस दीवाने हो रहे हैं। तस्वीरों पर मिल रहे कमेंट्स में एक यूजर ने लिखा, आप इस ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही हैं, जबकि दूसरे ने उनकी आंखों की तारीफ करते हुए लिखा, आपकी आंखें बहुत प्यारी हैं। पूनम पांडे की ये लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, और उनके फैंस उनकी अगली पोस्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पूनम का यह बोल्ड अंदाज हमेशा की तरह इंटरनेट पर कहर ढा रहा है।

सूडोकु नवताल- 6928

✶✶✶✶✩ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6927 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7675

अ	म	मा	वी	र	जा	रा	न	ह	क	र
हा	शो	सू	ह	का	ल	जी	स	ल	ग	ज
य	वी	का	द	डॉ	ल	त	र	जी	ल	टी.
श	र	दा	ज	ल	न	न	बा	र	सु	को
बॉ	दे	न	ष	ल	म	मी	छ	बा	नो	य
स	मी	व	स	जि	स्वा	क	प	द	स	ला
के	ह	बु	दा	टी	म	मी	टे	शा	रू	प
न	पू	सु	पा	स	पं.	सौ	ल	ह	र	स
प	र	दे	स	ह	प	ने	ने	व	जी	त
म	व	म	ब	फा	दी	र	ह	री	क	थ
म	ह	न	मो	ह	ब्ब	ते	न	ज	ल	वा

शब्दजाल में शाहरुख खान की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.नाम ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

डॉन, वीर जारा, देवदास, यश बॉस, परदेस, बाजीगर, कोयला, बादशाह, अशोका, मोहब्बते.

शब्दजाल - 7674 का हल

सा	वि	र	कु	बा	ई	र	म	ला	नी	क
ज	रा	माँ	ज	इं	डो	ने	ह	क	हे	प
न	स	आ	तु	म	न	इ	जा	न	रा	म
च	त	चाँ	मो	झे	ल	स	ल	प	फे	ह
ले	म	बा	द	त	स	उ	ड़	ख	री	म
स	जे	फ़	र	नी	द	ला	म	ल	ड़	सा
सु	मा	दे	ना	व	बा	स	म	पी	ख	थ
रा	दे	श	बा	र	प	र	थ	ड़	भ	सा
ल	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	थ	थ
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	है
ते	रा	जा	क	दि	प	ने	मा	चि	स	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6628

5		1		6		2
4	25	2	32		36	
			6	7		3
	31	3	42		33	
3	2	7		4	5	
	37		35	3	30	
2		6		1		4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6627 का हल

5	3	6	4	1	7	2
4	33	2	32	2	28	7
1	5	7	6	4	2	3
6	33	5	42	3	31	6
3	2	4	6	7	5	1
7	27	3	35	5	40	5
2	5	1	3	6	7	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी : ऑस्ट्रेलिया टीम को सता रहा अश्विन और जडेजा का डर

नई दिल्ली।

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने कहा कि बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि उनके बल्लेबाज भारत की स्पिन जोड़ी, अश्विन और जडेजा से कैसे निपटते हैं। भारत ने पिछले दोनों दौरों में ऑस्ट्रेलिया को उनकी धरती पर हराकर ऐतिहासिक जीत हासिल की थी और अब टीम इंडिया तीसरी बार यह उपलब्धि हासिल करने की तैयारी में है।

मैक्सवेल ने कहा कि अक्सर अश्विन और जडेजा की जोड़ी ही खेल का नतीजा तय करती है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से इन दोनों गेंदबाजों का सामना करने के बाद ऐसा लगता है कि उनके खिलाफ हमारा प्रदर्शन मैच का परिणाम तय करता है। हालांकि मैक्सवेल खुद ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट क्रिकेट की योजना का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन उन्होंने यह साफ कहा कि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को भारत के अनुभवी स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अश्विन और जडेजा की जोड़ी ने मिलकर अब तक 330 पारियों में 821 विकेट लिए हैं और 50 बार पांच विकेट लेने का कारनामा कर दिखाया है। मैक्सवेल के मुताबिक यदि ऑस्ट्रेलिया इन दोनों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर पाती है, तो टीम जीत की अच्छी स्थिति में होगी।

मैक्सवेल बोले- ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना होगा

मैक्सवेल ने गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी तारीफ की, जिन्हें वह 2013 में आईपीएल के दौरान पहली बार नेट्स में गेंदबाजी करते हुए देख चुके हैं। मैक्सवेल ने कहा कि अब बुमराह को इस तरह शानदार तरीके से आगे बढ़ते हुए देखना अद्भुत है। वह तीनों प्रारूपों में शायद सबसे बेहतरीन गेंदबाज हैं। अश्विन और जडेजा की कुशल स्पिन और बुमराह की तेज गेंदबाजी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत की संभावनाओं को काफी हद तक प्रभावित करेगा।

अश्विन एशिया के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे खिलाड़ी बने, कुंबले को छोड़ा पीछे, मुरलीधरन के रिकॉर्ड पर है नजर

नई दिल्ली। रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में एक और कामयाबी हासिल कर ली है, जब उन्होंने बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन को एलबीडब्ल्यू आउट किया। यह विकेट अश्विन के लिए खास था क्योंकि यह एशिया में उनका 420वां विकेट था, जिससे उन्होंने अनिल कुंबले के 419 विकेट लेने के रिकॉर्ड को तोड़ दिया और अब एशिया में टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। इस सूची में सबसे ऊपर श्रीलंका के दिग्गज मुथैया मुरलीधरन हैं, जिन्होंने एशिया में सबसे ज्यादा 612 विकेट लिए हैं। अश्विन की नजर अब इस रिकॉर्ड की ओर हैं, लेकिन इसे तोड़ने के लिए अभी काफी लंबा रास्ता तय करना है।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व दिग्गज हॉकी खिलाड़ी हरबिंदर सिंह व जफर इकबाल भारत-जर्मनी मैच को लेकर उत्साहित

नई दिल्ली। पूर्व दिग्गज हॉकी खिलाड़ी हरबिंदर सिंह और जफर इकबाल नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद

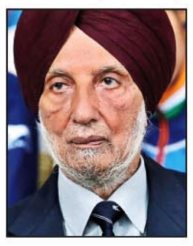

नेशनल स्टेडियम में भारतीय हॉकी टीम को जर्मनी के खिलाफ खेलते हुए देखने के लिए उत्साहित हैं। इस आयोजन में पूर्व हॉकी सितारों सहित कई गणमान्य व्यक्तियों के शामिल होने की उम्मीद है। भारतीय टीम 23 और 24 अक्टूबर को पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेताओं से भिड़ेगी। पेरिस ओलंपिक में हॉकी फाइनल में जर्मनी की टीम नीदरलैंड से हार गई थी और रजत पदक अपने नाम किया था। वहीं भारतीय टीम ने जर्मनी का सामना पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में किया था, जहां जर्मनी ने 3–2 से जीत दर्ज की थी। भारत ने ओलंपिक में तीसरे स्थान के मैच में स्पेन को हराकर कांस्य पदक जीता था। शनिवार को जारी एक बयान में हॉकी इंडिया ने बताया कि पद्मश्री हरबिंदर सिंह ने कहा कि 1972 में मैंने आखिरी बार दिल्ली में राष्ट्रीय टीम के लिए हॉकी खेली थी। मुझे याद है कि शिवाजी स्टेडियम खचाखच भरा हुआ था और प्रशंसक हमारे लिए चीयर कर रहे थे। मेरा मानना ??है कि भारतीय टीम और जर्मनी के लिए भी बहुत से प्रशंसक उत्साह दिखाने आएंगे। आखिरकार, वे एक दशक के बाद एक उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय मैच देखेंगे। वर्ष 1980 के मॉस्को ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता और दिल्ली में 1982 के एशियाई खेलों में रजत जीतने वाली टीम के कप्तान जफर इकबाल ने कहा कि हमारे जमाने में हॉकी के बहुत से प्रशंसक थे। नेहरू गोल्ड कप, एशियाई खेल और अन्य अंतरराष्ट्रीय मैच जैसे आयोजनों में बहुत सारे समर्थक आते थे और हम जिन विशाल स्टेडियमों में खेलते थे, उनमें हमेशा उत्साह देखने को मिलता था। उन्होंने कहा कि जर्मनी एक मजबूत टीम है, हमने टोक्यो ओलंपिक में उन्हें हराकर कांस्य पदक जीता और हाल ही में पेरिस में सेमीफाइनल में उनसे हार गए थे। मुझे यकीन है कि भारतीय दर्शक हमें उन पर जीत हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

इंग्लैंड दौरे से बाहर हुए चोटिल कैमरन ग्रीन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला खिलाड़ी कैमरन ग्रीन पीठ की चोट के कारण मौजूदा इंग्लैंड दौरे से बाहर हो गए हैं और फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में उनकी भागीदारी पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा कि ग्रीन की चोट की पूरी गंभीरता उनके पर्थ पहुंचने पर आकलन के बाद निर्धारित की जाएगी। भारत के खिलाफ पहला टेस्ट लगभग दो महीने दूर है, पहला टेस्ट 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगा। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने चेस्टर–ले–स्ट्रीट में तीसरे वनडे के बाद दर्द की शिकायत की, जहां उन्होंने गेंद से 45 रन देकर 2 विकेट लिए और बल्ले से 45 रन बनाए। प्रारंभिक स्कैन में पीठ की चोट का पता चला, जिससे उन्हें भारत के खिलाफ आगामी महत्वपूर्ण श्रृंखला से पहले घर लौटना पड़ा। ग्रीन को उनके कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में दूसरे वनडे से आराम दिया गया था, लेकिन उन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ सभी तीन टी20 मैच खेले थे। चोटों के मामले में ऑस्ट्रेलिया का अब तक ब्रिटेन का दौरा निराशाजनक रहा है और नाथन एलिस, जेवियर बार्टलेट, रिले मेरेडिथ और बेन ड्वारशुइस के बाद ग्रीन पांचवें खिलाड़ी हैं जो चोटिल हुए हैं।

आर्चर ने फेंकी ऐसी गेंद मार्श को नहीं दी दिखाई और लौटे पवेलियन

लंदन। जोफ्रा आर्चर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने से पहले ही तेज गेंदबाज बन गए हैं। कैरेबियन

देश में जन्मे आर्चर ने 2019 में इंग्लैंड के लिए डेब्यू किया था। वर्ल्ड कप 2019 के फाइनल में सुपर ओवर डालकर अपनी टीम को जीत दिलाई। फिर उसी साल एशेज सीरीज अपनी पेस बॉलिंग कर हर बल्लेबाज में अपना डरा बैठा दिया, लेकिन फिर चोट के कारण आर्चर मैदान से दूर हो गए। बीच–बीच में वापस लौटे लेकिन फिटनेस ने उनका साथ नहीं दिया। अब आर्चर ने फिर वापसी की है और पूरी लय में नजर आ रहे हैं। इंग्लैंड टीम अपने घर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज खेल रही है। जोफ्रा आर्चर भी इस सीरीज में इंग्लैंड टीम में शामिल हैं। लॉर्ड्स पर खेले गए चौथे मुकाबले में जोफ्रा आर्चर ने ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श को बोल्ड मार कर पवेलियन रवाना कर दिया। आर्चर की गेंद इतनी तेजी से अंदर आई कि मार्श को लाइन में जाने का भी मौका नहीं मिला। गेंद उन्हें छकाती हुई विकेट में जा लगी। मार्श अच्छी बैटिंग कर रहे थे और 34 गेंद पर 28 रन बनाकर आउट हुए। मार्श के आउट होने के बाद मार्नस लाबुशेन मैदान पर आए। आर्चर ने करीब 149 की स्पीड से गेंद फेंकी। यह गेंद लाबुशेन के हाथ पर लगी और वह दर्द से कराह उठे।

आईएसएल सीजन–2024–25

बोरा हेरारा की पहली हैट्रिक की बदौलत एफसी गोवा ने ईस्ट बंगाल को हराया

कोलकाता।

एफसी गोवा के स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर बोरा हेरारा ने इंडियन सुपर लीग 2024–25 सीजन की पहली हैट्रिक जमाई। उनकी इस हैट्रिक की मदद से गौर्स ने शुक्रवार रात विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेले गए आईएसएल 2024–25 सीजन मुकाबले में ईस्ट बंगाल एफसी को 3–2 से हरा दिया। एफसी गोवा की सीजन की पहली जीत में हेरारा ने 13वें, 30वें और 71वें मिनट में गोल किए। हेरारा को शानदार हैट्रिक के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

गोवा की इस जीत से स्पेनिश हेड कोच मैनोलो मार्कुएज निश्चित रूप से राहत महसूस कर रहे होंगे। एफसी गोवा तीन मैचों में एक जीत, एक ड्रा और एक हार से चार अंक लेकर तालिका में दसवें से पांचवे स्थान पर आ गई है। वहीं, रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड की लगातार तीसरी हार से स्पेनिश हेड कोच कार्लेस कुआड्राट बेहद निराश होंगे। ईस्ट बंगाल एफसी तीन मैचों में तीन हार के कारण खाता खोले बिना तालिका में 12वें स्थान पर बनी हुई है।

मैच का पहला गोल 13वें मिनट में आया, जब स्पेनिश मिडफील्डर बोरा हेरारा ने एफसी गोवा को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1–0 कर दिया। बायीं तरफ से सर्बियाई विंगर डेजान ड्रैजिक ने क्रॉस डालकर गेंद को बॉक्स के अंदर डाला, जिसको ईस्ट बंगाल के गोलकीपर देबजीत मजूमदार ने आगे की ओर डाइव लगाकर को क्लीयर जरूर किया लेकिन गेंद ज्यादा दूर नहीं गई और सामने पहुंचे हेरारा ने दाहिने पैर से गेंद को बॉटम लेफ्ट कॉर्नर के अंदर भेज दिया।

20वें मिनट में स्पेनिश मिडफील्डर बोरा हेरारा ने अपना दूसरा गोल करके एफसी गोवा की बढ़त को 2–0 कर दिया। गोलकीपर लक्ष्मीकांत कट्टीमनी ने अपने बॉक्स ठीक बाहर से एक एरियल थ्रू–पास मैदान के अकैटिंग थर्ड पर खेला, जहां विंगर बोरिस सिंह ने ईस्ट बंगाल के सेंटर–बैक हेजारी माहेर से गेंद छीनी और फिर बॉक्स के अंदर घुसने के बाद उन्होंने गोललाइन के करीब से गेंद को माइनस करके सेंटर किया जहां मौजूद हेरारा ने इस बार बाएं पैर से गेंद को हल्का सा लॉब करके बॉटम लेफ्ट कॉर्नर के अंदर भेज दिया जबकि गोलकीपर देबजीत मजूमदार अपने दाहिनी तरफ डाइव लगाकर भी बचाव नहीं कर पाए।

29वें मिनट में फ्रेंच मिडफील्डर मादिह तलाल ने पेनल्टी किक पर गोल करके ईस्ट बंगाल को कुछ राहत पहुंचाते हुए स्कोर 1–2 कर दिया। ईस्ट बंगाल को पेनल्टी किक के रूप में यह सुनहरा मौका 28वें मिनट में मिला, जब सेंटर–बैक निंगदोर्जी तमांग ने अपने बॉक्स के अंदर तलाल की पीछे से गिरा दिया और रैफरी ने तुरंत लंबी सीटी बजाकर पेनल्टी किक का इशारा किया। इसके बाद तलाल ने करारा राइट फुटर शॉट लगाकर गेंद को लेफ्ट कॉर्नर के अंदर गोलजाल में उलझा दिया जबकि गोलकीपर लक्ष्मीकांत कट्टीमनी गलत अनुमान के साथ विपरीत दिशा की तरफ डाइव लगा बैठे। 71वें मिनट में स्पेनिश मिडफील्डर बोरा हेरारा ने हैट्रिक पूरी करके एफसी गोवा की बढ़त को 3–1 कर दिया। राइट–बैक उदांता सिंह ने दाहिनी तरफ टच लाइन के करीब से थ्रू–पास बॉक्स के ठीक बाहर निकाला, जिस पर हेरारा गेंद लेकर बॉक्स के अंदर घुसे और फिर करारा लेफ्ट फुटर शॉट लगाकर गेंद को सीधे गोलजाल में उलझा दिया जबकि गोलकीपर देबजीत मजूमदार अपने से निकले बुलट शॉट पर बायां हाथ भी नहीं लगा पाए।

85वें मिनट में स्थानापन्न फॉरवर्ड डेविड लालहलनसांगा ने गोल करके ईस्ट बंगाल को कुछ राहत पहुंचाते हुए स्कोर 2–3 कर दिया। सेंटर–बैक अनवर अली ने लगभग तीस गज की दूरी से करारा शॉट लगाया, जिसे गोलकीपर कट्टीमनी ने ब्लॉक जरूर किया लेकिन रिबाउंड पर आगे गिरी गेंद को डेविड ने बाएं पैर से गोल जाल में उलझा दिया।

गोवा की खुशी ज्यादा देर तक नहीं रही, क्योंकि उनके आयरिश सेंट्रल मिडफील्डर कार्ल मैकह्यू को रैफरी ने 81वें मिनट में दूसरा येलो कार्ड यानी रेड कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर किया। लिहाजा मैच के अंतिम समय में एफसी गोवा को दस खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। मैक्ह्यू को पहला येलो कार्ड 43वें मिनट में दिखाया गया था।

पहले हाफ में दबदबा एफसी गोवा का रहा, क्योंकि स्पेनिश मिडफील्डर बोरा हेरारा के दो गोलों की मदद से गौर्स ने बढ़त बनाई और उसे बरकरार रखा। लिहाजा, एफसी गोवा 2–1 की बढ़त के साथ हाफ टाइम ब्रेक गई। गेंद पर ज्यादा नियंत्रण ईस्ट बंगाल एफसी का 56 फीसदी रहा लेकिन उसकी ओर केवल चार प्रयास किए गए जिनमें से एक शॉट टारगेट पर था और पेनल्टी किक पर गोल करके मादिह तलाल ने मेजबान टीम को कुछ राहत पहुंचाई। वहीं, गेंद पर 44 फीसदी कब्जा रखने वाली एफसी गोवा की ओर से 11 प्रयास किए गए, जिनमें से तीन शॉट टारगेट पर थे और दो पर गोल आए।

कानपुर टेस्टः बारिश के कारण दूसरे दिन का खेल रद्द, एक भी गेंद फेंकी नहीं जा सकी

कानपुर।

भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में चल रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल बारिश के कारण रद्द कर दिया गया है। दूसरे दिन शनिवार को एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। सुबह से ही मैदान कवर्स से ढके थे।

शुरुआती दिन का खेल भी बारिश से प्रभावित रहा था, जिस कारण पहले दिन केवल 35 ओवर ही फेंके जा सके। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में 3 विकेट पर 107 रन बना लिये थे। मोमिनुल हक 40 और मुश्फिकुर रहीम 6 रन बनाकर खेल रहे थे।

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी भारतीय टीम के लिए दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने दो विकेट लिये। उन्होंने बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज जाकिर हसन (0) और शादमान इस्लाम (24) को आउट किया, जिससे बांग्लादेश का स्कोर 29 रन पर 2 विकेट हो गया। इसके बाद कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो और मोमिनुल हक के बीच 51 रन की साझेदारी हुई, जिसे रविचंद्रन अश्विन ने तोड़ा। अनुभवी ऑफ स्पिनर ने शान्तो को 31 रन पर आउट किया। इसके बाद मोमिनुल और मुश्फिकुर रहीम ने बांग्लादेश की पारी को 100 के स्कोर पर पहुंचाया। 35वें ओवर के बाद खराब रोशनी के कारण खेल को रोका गया और फिर बारिश आ गई। इसके बाद पहले दिन के खेल को समाप्त घोषित कर दिया गया। चेन्नई में पहला टेस्ट 280 रनों से जीतने के बाद मेजबान टीम दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 1–0 से आगे चल रही है। भारतीय टीम वर्तमान में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक तालिका में शीर्ष पर है। बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के बाद न्यूजीलैंड तीन टेस्ट मैचों के दौरे के लिए भारत आएगा।

वर्ल्ड चैम्पियन कमल चावला का भोपाल में जोरदार स्वागत

भोपाल/इन्दौर। वर्ल्ड 6 रेड स्नूकर चैम्पियनशिप जीतने के बाद वर्ल्ड चैम्पियन कमल चावला आज अपने गृह नगर भोपाल लौटे। राजधानी के राजा भोज एयरपोर्ट पर उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। मंगोलिया में सम्पन्न वर्ल्ड चैम्पियनशिप के खिताबी मुकाबले में कमल ने पाकिस्तान के असजाद इकबाल को हराकर वर्ल्ड चैम्पियन बनने की उपलब्धि अर्जित की। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 52 स्पर्धाओं में कमल का यह 15वॉ पदक है।

बांग्लादेशी प्रशंसक ने लिया यू टर्न कहा-अस्वस्थ महसूस कर रहा था

कानपुर।

यहां ग्रीन पार्क में शुक्रवार को भारत और बांग्लादेश के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन कथित विवाद के केंद्र में रहे एक बांग्लादेशी प्रशंसक को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बांग्लादेशी सुपरफैन रॉबी ने शुरू में कहा था कि उन्हें अन्य प्रशंसकों से कुछ हिंसा का सामना करना पड़ा है, लेकिन बाद में अस्पताल में उन्होंने यू टर्न लेते हुए कहा कि वह कानपुर की गर्मी में निर्जलीकरण से पीड़ित होने के बाद अस्वस्थ महसूस कर रहे थे। लंच ब्रेक के दौरान रॉबी को अपने चेहरे पर बाघ की धारियां रंगे हुए गेट से बाहर निकलते हुए और मीडिया कर्मियों के लिए बनाए गए गेट के पास आता हुआ दिखाई दिया। सुरक्षा अधिकारियों और उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के अधिकारियों ने उन्हें कुर्सी दी, उन्हें पानी की पेशकश की और जल्द ही उन्हें चिकित्सा सुविधा तक ले जाने के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था की। उस समय रिकॉर्ड किए गए वीडियो में रोबी को बेचैनी में दिखाया गया था, और जबकि उसके शब्द अस्पष्ट थे, उसने संकेत दिया कि उसकी पीठ के निचले हिस्से में पीछे से मुक्का मारा गया था, और पसलियों में कोहनी मारी गई थी। वह बेदम और संघर्ष करता हुआ दिखाई दिया।

यह सब तब हुआ जब बांग्लादेश के कानपुर में टेस्ट मैच खेलने का विरोध जारी रहा। मैच की पूर्व संध्या की तरह, कुछ राजनीतिक दलों से जुड़े कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को स्टेडियम से बमुश्किल एक किलोमीटर की दूरी पर विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन उन रिपोर्टों की प्रतिक्रिया है, जिसमें पिछले डेढ़ महीने में बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के सदस्यों के खिलाफ हमले हुए हैं। जुलाई के बाद से बांग्लादेश में उथल–पुथल का दौर चल रहा है, जब छात्रों के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन के कारण शेख हसीना की अवामी लीग सरकार का अंत हो गया।

पाकिस्तान टीम को पेशेवर रुख के साथ ही एकजुट होकर खेलना होगा : कर्स्टन

लाहौर।

पाकिस्तान की सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम के कोच गैरी कर्स्टन ने कहा है कि पाकिस्तान की टीम के खराब प्रदर्शन का कारण पेशेवर रुख की कमी के साथ ही गुटबाजी का माहौल है जिससे टीम एकजुट होकर नहीं खेलती। कर्स्टन की टिप्पणी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक कार्यक्रम को लेकर है। इसमें प्रबंधन को पाकिस्तानी क्रिकेट किस दिशा में जा रहा है ये देखने को कहा गया था। इसलिए टीम को जीत के लिए पेशेवर रुख के साथ ही एकजुट होकर खेलना होगा।

बांग्लादेश के खिलाफ अपनी पहली घरेलू टेस्ट सीरीज हारी पाकिस्तान

पाकिस्तान का पिछले काफी समय से प्रदर्शन शर्मनाक रहा है। बांग्लादेश के खिलाफ अपनी पहली घरेलू टेस्ट सीरीज हारी और वह एकदिवसीय और टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण में ही बाहर हो गया था। कर्स्टन ने कहा, सभी चाहते हैं कि पाकिस्तान की टीम सभी प्रारूपों में यथासंभव सफल हो। इसी लिए हमने सभी चीजों पर विचार किया है जो हमारी मदद कर सकती हैं और टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनने में मदद कर सकती हैं।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि टीम और खिलाड़ियों के पेशेवर स्तर के संदर्भ में एक चीज जिसके बारे में हमने बात की वह वास्तव में अहम थी। मुझे लगता है कि यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता है। देश के लिए खुद को सर्वश्रेष्ठ तरीके से पेश करें और पाकिस्तान क्रिकेट में फिर से गौरव लाएं। हर कोई चाहता था कि उनकी क्रिकेट टीम जीते, लेकिन खेल, श्रृंखला और टूर्नामेंट जीतने से पहले कुछ उपाय किए जाने की आवश्यकता है।

सभी प्रारूपों में एक बहुत ही प्रतिभाशाली टीम है हमारी

कर्स्टन ने कहा, मुझे लगता है कि हम सभी एक सफल टीम चाहते हैं और ऐसा न हो पाने का कोई कारण नहीं है। यह सभी प्रारूपों में एक बहुत ही प्रतिभाशाली क्रिकेट टीम है, लेकिन कुछ प्रक्रियाएं हैं जिन्हें आपको लागू करने की आवश्यकता है। और मुझे लगता है कि हम इसी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

इंग्लैंड की बड़ी जीत : हैरी ब्रूक ने उतारा ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का भूत

लॉर्ड्स।

हैरी ब्रूक, बेन डकेट और लियाम लिविंगस्टोन की तूफानी फिफ्टी के बाद गेंदबाजों के कमाल से इंग्लैंड ने चौथे वनडे में ऑस्ट्रेलिया को बुरी तरह से रौंद दिया। बारिश के कारण 39 ओवर के हुए खेल में इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 312 रन का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम 24.4 ओवर में ही 126 रन बनाकर सिमट गई, जिससे मेजबान इंग्लैंड ने मैच को 186 रनों के बड़े अंतर से अपने नाम कर लिया। इस तरह सीरीज अब 2-2 से बराबर हो गया है।

लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड के टॉप ऑर्डर बल्लेबाज ने कंगारू गेंदबाजों पर ऐसी तबाही मचाई कि बॉल को फोड़ डाला

लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। बारिश से प्रभावित इस मैच में ऑस्ट्रेलिया का यह फैसला उनके गेंदबाजों के लिए काल बन गया। इंग्लैंड के टॉप ऑर्डर बल्लेबाज कंगारू गेंदबाजों पर ऐसी तबाही मचाई कि उनकी हालत खराब हो गई। खास तौर से आस्ट्रेलिया की रीढ़ माने जाने वाले मिचेल स्टार्क, सीन एबट और एडम जम्पा की जमकर पिटाई की।

हैरी ब्रूक ने तबाही मचा कर रख दी

इंग्लैंड की तरफ से बल्लेबाजी में कप्तान हैरी ब्रूक ने तबाही मचा कर रख दी। ब्रूक ने अपनी टीम के लिए 58 गेंद में 87 रनों की पारी खेली, जिसमें 11 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। हैरी ब्रूक के साथ–साथ बेन डकेट और लिविंगस्टोन भी खूब बरसे। डकेट ने 62 गेंद में 62 रन बनाकर आउट हुए। वहीं लिविंगस्टोन ने सिर्फ 27 गेंद में 7 सिक्स और 2 फोर के साथ नाबाद 63 रन कूट दिए।

गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलिया की तरफ से सबसे ज्यादा पिटाई मिचेल स्टार्क को पड़ी। स्टार्क ने 8 ओवर में 70 लुटाए और उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। इसके अलावा सीन एबट ने भी 7 ओवर में 62 रन खर्च किए और उन्हें भी खाली हाथ रहना पड़ा। वहीं एडम जम्पा ने 8 ओवर में 66 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा मिचेल मार्श और जोश हेजलवुड ने भी एक–एक विकेट हासिल किए।

ताश के पत्तों की ढेर हो गई ऑस्ट्रेलियाई बैटिंग

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया की बैटिंग ताश के पत्तों की ढेर हो गई। ट्रेविस हेड और मिचेल मार्श ने जरूर एक तेज तर्रार शुरुआत की थी, लेकिन इन दोनों के आउट होते ही पूरी टीम बिखर गई। वहीं बॉलिंग में इंग्लैंड की तरफ से मैथ्यू पॉट ने अपना कहर बरपाया। मैथ्यू पॉट ने 8 ओवर में 38 रन देकर चार विकेट अपने नाम किए।

इसके अलावा ब्रायडन कारसे ने भी 6 ओवर में 36 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। वहीं तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने दो और आदिल राशिद के खाते में एक–एक विकेट आया। इस तरह अब सीरीज का निर्णायक और अंतिम मुकाबला रविवार, 29 सितंबर को खेला जाएगा।

খেল মহাৰণ maharan

Government of Assam

Dr Himanta Biswa Sarma
Chief Minister, Assam

THE STAGE IS SET: THE COUNTDOWN TO KHEL 2.0 MAHARAN begins

The Department of Sports & Youth Welfare, Government of Assam proudly presents **Khel Maharan 2.0**, kicking off on **13 November 2024**. Building on last year's success, this exciting sports event is set to reach even deeper into the grassroots, bringing an inclusive platform for everyone to participate, compete, and shine in a competitive sports environment. New games have been added, making this edition bigger and better

Sports Disciplines to Feature

- **ATHLETICS** — 100m, 200m, 400m race & long jump
- **FOOTBALL**
- **KABADDI**
- **VOLLEYBALL**
- **CHESS**
- **SWIMMING**
- **ROAD CYCLING WITH TRADITIONAL CYCLES**

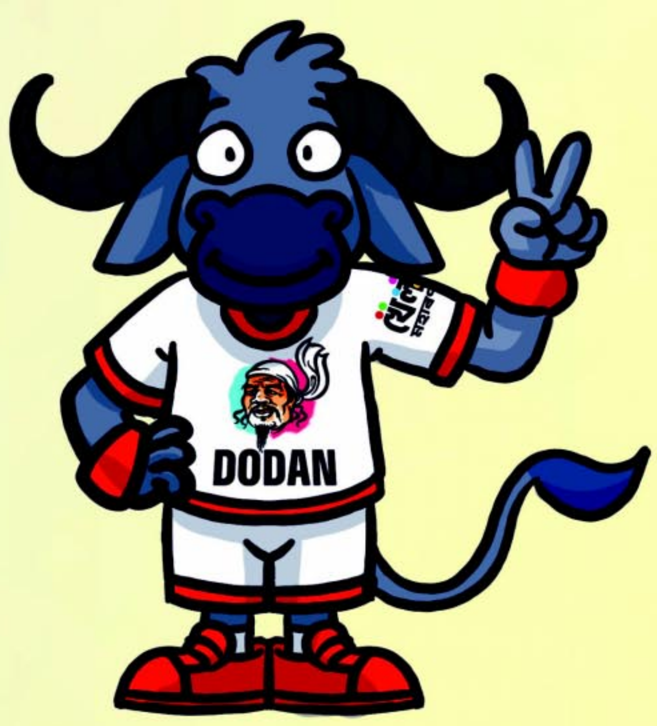

Exclusive/DSYW/09-2024

TO REGISTER NOW

Visit https://www.dsywassam.com/khel

Install Khel Maharan app — GET IT ON Google Play — or Scan

To Secure Your Spot Today

Registration to open from 30 September 2024

-- Janasanyog /D/6582/24/29 September 2024

Published by Directorate of Information & Public Relations, Assam Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in

Subscribe to Asom Barta Whatsapp 'Assam' at 7636834943